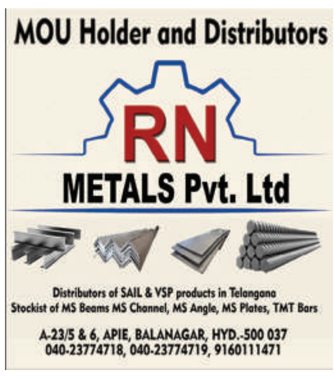

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 07 जनवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-07

उस्मानिया ICU में !

NOC पेंडिंग - हाईकोर्ट में PIL

हैदराबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गोशामहल के पुलिस ग्राउंड में उस्मानिया जनरल अस्पताल के नये भवन का निर्माण कार्य भले ही तेजी से चल रहा हो, लेकिन एक साल बीत जाने के बाद भी भूमि उपयोग परिवर्तन और हस्तांतरण के लिए आवश्यक अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) का जारी न होना सरकार के विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की कमी को दर्शाता हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने 31 जनवरी, 2025 को ओजीएच के नए भवन के निर्माण की आधारशिला रखी थी। गोशामहल में 2700 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस परियोजना को दो साल में पूरा किया जाना है। हैदराबाद के सांसद एमआईएम प्रमुख असदुद्दीन औवेसी परिवार द्वारा संचालित डक्कन कालेज के छात्रों की सहूलियत के लिए गोशामहल की भूमि चुनने संबंधी आरोपों की परवाह किये बिना रेवंत सरकार ने निर्माण कार्य शुरू तो कर दिया, किन्तु अस्पताल कब तक बनेगा, इस पर कुछ नहीं कहा जा सकता।

उधर, एक जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने फटकार भी लगाई। कानूनी पेचीदगियों और विभागीय समन्वय के चलते समयसीमा के भीतर अस्पताल बन जाएगा, इसकी संभावना दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही है।

हालांकि, पुलिस विभाग के स्वामित्व वाली और बाद में चिकित्सा शिक्षा निदेशक को हस्तांतरित की गई भूमि से संबंधित भूमि उपयोग परिवर्तन का मुद्दा, एमए एंड यूडी विभाग की आवश्यकता के अनुसार अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए लंबित है। यह मामला सड़क एवं भवन निर्माण विभाग के विशेष मुख्य सचिव विकास राज के संज्ञान में लाया गया, जिन्होंने अस्पताल निर्माण स्थल का निरीक्षण किया था।

संरचनाओं को हटाने और ड्राइंग जमा करने की समय सीमा

विशेष मुख्य सचिव ने संबंधित सभी विभागों के अधिकारियों के साथ चर्चा की। जीएचएमसी के

अधिकारियों ने सूचित किया कि परियोजना भूमि के भीतर पहचाने गए 56 ढांचों को फरवरी के अंत तक हटा दिया जाएगा। इसी तरह, परियोजना सलाहकारों ने आश्वासन दिया कि चित्रों का पूरा विवरण 10 जनवरी तक जमा कर दिया जाएगा और निष्पादन सख्ती से अनुमोदित समयसीमा के अनुसार होगा।

बुनियादी ढांचा और यातायात प्रबंधन के निर्देश

सड़क बुनियादी ढांचे पर प्रस्तावित रोड ओवर ब्रिज के लिए तत्काल डिजाइन जमा करने के निर्देश जारी किए गए, साथ ही अस्पताल के प्रवेश मार्ग पर यातायात में बाधा डालने वाले मैनहोल को ठीक करने के भी निर्देश दिए गए।

हाईकोर्ट की सरकार को कड़ी फटकार

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने उस्मानिया जनरल अस्पताल को गोशामहल स्थानांतरित करने के प्रस्ताव को चुनौती देने वाली एक जनहित याचिका पर राज्य सरकार द्वारा जवाबी हलफनामा दाखिल न करने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। अदालत ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार की ओर से भविष्य में देरी हुई, तो भारी जुर्माना लगाया जाएगा।

यह जनहित याचिका गोशामहल में अस्पताल के निर्माण को रोकने की मांग के साथ दायर की गई थी। याचिकाकर्ता का तर्क है कि जिस भूमि पर निर्माण प्रस्तावित है, वह कथित तौर पर पार्क और खुले स्थान के लिए आरक्षित थी। याचिका में दावा किया गया है कि सरकार का यह निर्णय अवैध और असंवैधानिक है क्योंकि यह 'हैदराबाद मास्टर प्लान' का उल्लंघन करता है और शहरी विकास के वैधानिक प्रावधानों के खिलाफ है।

अदालत की सख्त टिप्पणी और समय सीमा

मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह और न्यायमूर्ति जी.एम. मोहीउद्दीन की खंडपीठ ने सरकार के वकील के अनुरोध पर जवाबी हलफनामा रिकॉर्ड पर रखने के लिए समय तो दे दिया, लेकिन इस बात पर गौर किया कि पिछले साल ▶10 पर

'डेंजर ज़ोन' में 37% हैदराबाद

कंक्रीट का जंगल और 26% 'अत्यंत संवेदनशील' क्षेत्र

हैदराबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जितनी तेजी से विस्तार कर रहा है, उतनी ही तेजी से बाढ़ का खतरा भी बढ़ रहा है। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस (TISS) के एक हालिया अध्ययन में यह खुलासा हुआ है कि पिछले दो दशकों में हुए अनियंत्रित शहरीकरण के कारण ग्रेटर हैदराबाद का लगभग एक-तिहाई हिस्सा भारी बाढ़ के खतरे का सामना कर रहा है। वर्ष 2000 के बाद से ग्रेटर हैदराबाद का दायरा 45% तक बढ़ गया है, जिससे शहर का क्षेत्रफल 293 वर्ग किमी से बढ़कर 425 वर्ग किमी हो गया है।

शोध के अनुसार, शहर के कुल भूभाग का 11% हिस्सा 'अत्यधिक खतरे' के अंतर्गत आता है, जबकि अन्य 26% क्षेत्र को 'अत्यंत संवेदनशील' के रूप में पहचाना गया है। पूरी जमीन कंक्रीट की होने के कारण बारिश का पानी जमीन के अंदर नहीं जा पा रहा है, जिससे सड़कों पर ही सैलाब जैसी स्थिति बन जाती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि बाढ़ के लिए केवल बारिश ही नहीं, बल्कि ढांचागत कमियां भी प्रमुख कारण हैं। नालों में जमा कीचड़, प्लास्टिक कचरा और ठोस अपशिष्ट के कारण ड्रेनेज नेटवर्क लगभग जाम हो चुका है।

मूसी नदी का प्रकोप और ऐतिहासिक आपदाएं

हैदराबाद का इतिहास बाढ़ से भरा रहा है। 1908 में मूसी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद, हाल ही में 2025 में भी मूसी नदी के उफान ने कई इलाकों को जलमग्न कर दिया था। उस दौरान शहर का प्रमुख परिवहन केंद्र MGBS (महात्मा गांधी बस स्टेशन) भी पानी में डूब गया था, जिससे यातायात पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया और RTC बसों के मार्ग बदलने पड़े। इससे पहले अक्टूबर 2020 में भी घटकेसर जैसे इलाकों में रिकॉर्ड तोड़ बारिश ने शहर को डुबो दिया था

भविष्य के लिए विशेषज्ञों के सुझाव और समाधान

शहरी योजनाकारों ने चेतावनी दी है कि यदि तूफान जल निकासी व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, तो भविष्य में अनिश्चित वर्षा शहर को तहस-नहस कर देगी। इसके समाधान के लिए निम्नलिखित सुझाव दिए गए हैं- **सी-चैनल ड्रेन:** अतिरिक्त पानी को मोड़ने के लिए रिवर्स ड्रेनेज सिस्टम बनाया जाए। **हाइड्रोलिक मशीनें:** निचले इलाकों में रणनीतिक रूप से भारी क्षमता वाले पंप तैनात किए जाएं।

प्राकृतिक जल निकासी: सड़कों का निर्माण इस तरह हो कि पानी के बहाव में बाधा न आए और प्राकृतिक ढलान बनी रहे।

कार्टून कॉर्नर

ऐ भाई जरा देख के चलो..

नागरिकों की सिकंदराबाद-मेडचल रोड पर गडकरी को चिट्ठी

हैदराबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों के परिसंघ (CoRWA) ने मंगलवार को केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। संघ ने मांग की है कि राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) 44 पर सिकंदराबाद-मेडचल खंड की मरम्मत कर इसे सुरक्षित और चलने योग्य बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए जाएं।

CoRWA के राष्ट्रीय महासचिव बी.टी. श्रीनिवासन ने केंद्रीय मंत्री को लिखे पत्र में कहा कि चल रहे फ्लाईओवर और सड़क चौड़ीकरण परियोजनाओं के अधूरे, छोड़े गए और देरी से चल रहे कार्यों के कारण वाहन चालकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सिकंदराबाद-मेडचल मार्ग ▶10 पर

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

ईरान के 27 प्रांतों में विरोध प्रदर्शन, सुरक्षा बलों की गोलीबारी में 29 लोगों की मौत

तेहरान (ईरान),06 जनवरी (एजेंसियां) ।
ईरान में नौ दिन से लगातार चल रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान कम से कम 29 नागरिक मारे गए और 1200 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया। लोग देश के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के खिलाफ खुलकर सामने आ गए हैं। महंगाई के खिलाफ शुरू आंदोलन ने खामेनेई का तख्त-ओ-ताज हिला दिया है। अशांति की लपटें पवित्र शहर कोम तक पहुंच चुकी हैं। देश के 27 प्रांतों के 88 शहरों में कम से कम 257 स्थानों पर अशांति की लपटें उठ रही हैं।

ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी ने यह जानकारी दी है। सोमवार को जारी एजेंसी के विवरण के अनुसार, पिछले 24 घंटों में सात प्रदर्शनकारियों की मौत की पुष्टि हुई। यह लोग अजना, मरवदश्त और कोरवेह में सुरक्षा बलों की गोलीबारी में मारे गए। झड़पों में सुरक्षा बलों के दो जवानों समेत 29 लोग शामिल हैं। इस दौरान कम से कम 64 प्रदर्शनकारी घायल भी हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, आंदोलन के समर्थन में विद्यार्थी भी सामने आ गए हैं। 17 विश्वविद्यालयों में भी विरोध प्रदर्शन हुए हैं। अब तक कम से कम 1,203 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। बोजनोर्ड, क़ज्विन, इस्फ़हान, तेहरान और बाबोल में बड़े पैमाने पर लोगों को गिरफ्तार किया गया है। देश में इंटरनेट को सीमित कर दिया गया है। सुरक्षा प्रतिबंध और स्वतंत्र स्रोतों तक सीमित पहुंच कर दी गई है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को अमेरिका और इजराइल पर ईरान के अंदरूनी मामलों में दखल देने हिंसा भड़काने का आरोप लगाया है। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, देश की न्यायपालिका के प्रमुख गुलामहोसैन मोहसेनी ने सोमवार को कहा कि अशांति के समय लोग धैर्य से काम लें। इस्लामिक व्यवस्था गुमराह लोगों को हिंसा त्यागने का मौका देगी। उन्होंने कहा कि शांति पसंद लोग दंगाइयों से खुद को अलग कर लें। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों और आलोचकों की चिंताओं को सुना जाएगा। न्यायपालिका प्रमुख ने कहा कि दंगाइयों से सख्ती से निपटा जाएगा। ईरानी न्यायपालिका प्रमुख ने कहा कि उन्होंने अटॉर्नी जनरल और देश भर के अभियोजकों को निर्देश दिया है कि वे दंगाइयों और उनका समर्थन करने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार और दृढ़ संकल्प के साथ कार्रवाई करें।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के ईरान पर इरादे ने बढ़ाया कौतूहल

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर इरादे ने कौतूहल (सस्पेंस) बढ़ा दिया है। ट्रंप की 'मेक ईरान ग्रेट अगेन' हैट पकड़े सामने आई नई तस्वीर ने लोगों का ध्यान खींचा है। ईरान में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच ट्रंप ने हालांकि अभी तक सीधी कोई टिप्पणी नहीं की है। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने अपने एक्स अकाउंट पर यह तस्वीर साझा की है। तस्वीर में दोनों लोग एयर फ़ोर्स वन में मुस्कुराते हुए दिख रहे हैं और ट्रंप ने वह हैट पकड़ी हुई है। ट्रंप ने सबसे पहले जून में 12 दिन के युद्ध के दौरान कहा था कि अगर ईरान के शासक ईरान को फिर से महान नहीं बना सकते तो सत्ता परिवर्तन पर विचार किया जाना चाहिए। ग्राहम ने लिखा, ''तानाशाही के खिलाफ खड़े ईरान के बहादुर लोगों पर भगवान की कृपा हो और वे सुरक्षित रहें।'' उन्होंने देश भर में चल रहे विरोध प्रदर्शनों का जिक्र किया। वाशिंगटन इंस्टीट्यूट में ईरान मामलों के विशेषज्ञ होली डैग्रेस ने कहा कि इस फोटो की कई तरह से व्याख्या की जा सकती है, लेकिन यह कम से कम यह दिखाता है कि ईरान का मुद्दा राष्ट्रपति ट्रंप के ध्यान में है। डैग्रेस ने कहा, ''दुनिया का ज्यादातर ध्यान वेनेजुएला पर है। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस हैट के साथ फोटो खिंचवाकर यह जता दिया है कि उनका ध्यान ईरान पर भी है।'' डैग्रेस ने कहा कि यह समझना मुश्किल है कि राष्ट्रपति का अगला कदम क्या होगा। उल्लेखनीय है कि पूरे ईरान में प्रदर्शनकारी देश के सुप्रीम लीडर के खिलाफ नारे लगा रहे हैं। ट्रंप ने दो बार चेतावनी दी है कि अगर ईरानी अधिकारी प्रदर्शनकारियों को मारते हैं तो अमेरिका सख्ती से जवाब देगा। ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान विरोध प्रदर्शन के नौवें दिन अब तक कम से कम 19 प्रदर्शनकारी और सुरक्षा बलों का एक सदस्य मारा गया है ।

नामीबिया के रेगिस्तान में दबा मिला 500 साल पुराना खजानों से लदा जहाज

विंडहोक। भारत आ रहा खजाने से लदा जहाज 5 सौ साल पहले नामीबिया के रेगिस्तान में दफन हो गया था, जो अब जाकर बरामद हुआ है। नामीबिया के रेगिस्तान में हीरों की खुदाई के दौरान मजदूरों को रेत के नीचे से अजीब-सी ठक-ठक की आवाज सुनाई देने लगी। शुरुआत में इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज किया गया, लेकिन जब खुदाई आगे बढ़ी तो धीरे-धीरे रेत के नीचे छिपा 500 साल पुराना एक ऐसा खजाना सामने आया, जिसने पूरी दुनिया का ध्यान खींच लिया। यह खोज नामीबिया के ओरान्जेमुंड इलाके में हुई, जहां हीरा खनन कंपनी नामदेब की ओर से खुदाई का काम चल रहा था। मजदूर जब गहराई में पहुंचे तो उन्हें लकड़ी के अजीब ढांचे जैसे टुकड़े दिखाई दिए, जिनमें जगह-जगह तांबे के हिस्से भी जुड़े हुए थे। शुरुआती तौर पर कर्मचारियों को यह बेकार का मलबा लगा और कुछ टुकड़ों को किनारे कर दिया गया। लेकिन जैसे-जैसे खुदाई आगे बढ़ी, वहां से हाथी दांत और चमकदार सिक्के मिलने लगे। तेज धूप में जब इन सिक्कों पर रोशनी पड़ी तो उनकी चमक ने सभी को हैरान कर दिया और तभी एहसास हुआ कि वे किसी साधारण चीज नहीं, बल्कि एक बड़े खजाने के करीब पहुंच चुके हैं। सूचना मिलते ही पुरातत्वविदों और विशेषज्ञों की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई।

रोचक किस्साः प्रतिबंध के बाद भी चर्चिल ने अपनी चतुराई से शराब पीने का रास्ता निकाला

वॉशिंगटन। इतिहास केवल युद्धों और राजनीतिक संधियों की गाथा नहीं है, बल्कि यह महान व्यक्तित्वों के विचित्र और रोचक किस्सों से भी भरा पड़ा है। ऐसा ही एक दिलचस्प वाकया दूसरे विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री रहे विंस्टन चर्चिल से जुड़ा है। चर्चिल को अपनी कूटनीतिक कुशलता के साथ-साथ शराब के प्रति उनके लगाव के लिए भी जाना जाता था। एक समय ऐसा आया जब उनके इस शौक के सामने अमेरिका का सख्त शराबबंदी कानून दीवार बनकर खड़ा हो गया, लेकिन चर्चिल ने अपनी चतुराई से उसका भी रास्ता निकाल लिया। बात वर्ष 1932 की है, जब अमेरिका में निषेध का दौर चल रहा था। 1920 से 1933 तक प्रभावी रहे इस कानून के तहत अमेरिका में शराब का उत्पादन, बिक्री और सेवन पूरी तरह प्रतिबंधित था। इसे नोबल एक्सपेरिमेंट कहा जाता था। इसी दौरान चर्चिल को अमेरिका की यात्रा करनी थी। अब समस्या यह थी कि जो व्यक्ति दिन में कई बार जाम छलकाने का आदी हो, वह इतने सख्त कानून वाले देश में कैसे रहेगा चर्चिल ने इसके लिए एक ऐसा कानूनी रास्ता खोजा जिसे सुनकर आज भी लोग हैरान रह जाते हैं। चर्चिल ने अपनी एक पुरानी दुर्घटना को अवसर में बदल दिया। अमेरिका यात्रा से कुछ समय पहले वे एक कार दुर्घटना में घायल हो गए थे। उन्होंने अपने डॉक्टर से एक विशेष मेडिकल प्रिस्क्रिप्शन तैयार करवाया।

वेनेजुएला के और भी नेता हैं अमेरिका के रडार पर, सभी मादुरो के करीबी

वाशिंगटन,06 जनवरी (एजेंसियां) ।

वेनेजुएला से गिरफ्तार कर लाए गए वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस के बाद अब अमेरिका की नजर अन्य कई नेताओं पर है। मादुरो और फ्लोरेस पर नार्को-टेररिज्म का आरोप है। ऐसे ही आरोप मादुरो के कई सहयोगियों पर है। मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को न्यूयॉर्क की एक संघीय अदालत में पेश किया जा चुका है। मादुरो को ब्रुकलिन में मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में रखा गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस के लगभग सभी सहयोगी आरोपी हैं। इन पर मादुरो के साथ मिलकर कार्टेल चलाने का आरोप है। आरोप है कि इस कार्टेल ने कथित तौर पर अमेरिका में कई टन कोकीन की तस्करी की है। यह हैं- कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज, डियॉस्डाडो कैबेलो, व्लादिमीर पैड्रिनो लोपेज, जॉर्ज रोड्रिग्ज और निकोलस 'निकोलसिटो' अर्नेस्टो मादुरो गुएरा। गुएरा मादुरो के पुत्र हैं। उन पर 2020 में कार्टेल डे लॉस सोल्स से संबंधित ड्रग अपराधों का आरोप लगाया गया था। 35 वर्षीय निकोलस अर्नेस्टो मादुरो गुएरा को देश में निकोलसिटो या लिटिल निकोलस के नाम से जाना जाता है। लिटिस निकोलस इस समय विधायिका में महत्वपूर्ण पद पर हैं। अमेरिकी आरोप पत्र के अनुसार, छोटे मादुरो ने अपने पिता, दूसरे अधिकारियों और नशीले पदार्थों के तस्करों और नार्को-टेररिस्ट ग्रुप्स के साथ मिलकर काम किया। इन सबने कैरिबियन और सेंट्रल अमेरिका में ट्रांसशिपमेंट पॉइंट्स के जरिए वेनेजुएला से कोकीन अमेरिका भेजी। दूसरी आरोपित डेल्सी रोड्रिग्ज है। 56 वर्षीय डेल्सी अपदस्थ राष्ट्रपति मादुरो की सबसे ज्यादा करीबी हैं। उन्होंने सोमवार को कार्यवाहक राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ली।वह उस ग्रुप की सदस्य हैं जिस पर वॉशिंगटन कई सालों से मादुरो को सत्ता पर अपनी तानाशाही पकड़ बनाए रखने में मदद करने का आरोप लगाता रहा है।

डियॉस्डाडो कैबेलो के पास इस समय गृह और न्याय मंत्रालय हैं। उन्हें देश की पुलिस और जेलों की देखरेख का अधिकार मिला हुआ है। कैबेलो उपराष्ट्रपति रह चुके हैं और कई सालों तक देश की संसद के अध्यक्ष भी रहे हैं। उन्होंने कई साल वेनेजुएला की इंटेलिजेंस सर्विस की कमान भी संभाली है। मादुरो की तरह उन पर भी अमेरिका में आपराधिक आरोप लगाए गए थे। उन पर पांच टन से अधिक कोकीन अमेरिका में तस्करी करने में मदद करने का आरोप था। 2020 में उन पर न्यूयॉर्क के उसी दक्षिणी जिले में दायर एक आरोप पत्र में अलग-अलग संघीय ड्रग्स और हथियारों से जुड़े अपराधों का आरोप लगाया गया था।

व्लादिमीर पैड्रिनो लोपेज इस समय वेनेजुएला के रक्षा मंत्री हैं। उन पर भी अमेरिका में ड्रग्स की तस्करी में सीधे तौर पर शामिल होने का भी आरोप है। अमेरिका उन पर अवैध ड्रग्स ले जाने वाली कमर्शियल फ्लाइट्स को सुरक्षित रास्ता देने और ऐसा करने के लिए प्रोटेक्शन फीस लेने का आरोप लगाता रहा है। 2020 में वाशिंगटन डीसी की एक फेडरल कोर्ट में उन पर आरोप तय किए गए थे। जॉर्ज रोड्रिग्ज कार्यवाहक राष्ट्रपति के भाई हैं। जॉर्ज 2021 से वेनेजुएला की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष हैं।

जापान के शिमाने प्रांत में 6.3 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप सुनामी का खतरा नहीं

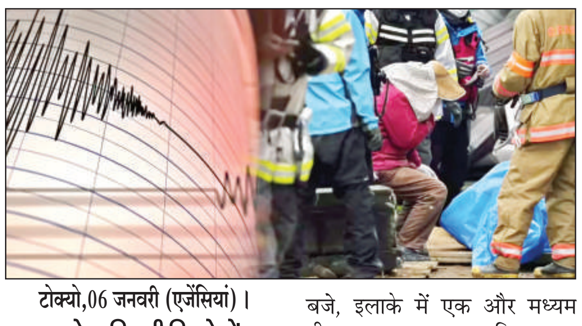

टोक्यो,06 जनवरी (एजेंसियां) ।

जापान के पश्चिमी हिस्से में स्थित शिमाने प्रांत मंगलवार तड़के भीषण भूकंप के झटकों से दहल उठा। रिक्टर पैमाने पर इस भूकंप की तीव्रता 6.3 मापी गई। झटके इतने तेज थे कि स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई और लोग अपनी सुरक्षा के लिए आनन-फानन में घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। राहत की बात यह है कि इतनी अधिक तीव्रता के बावजूद अभी तक किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है और न ही प्रशासन की ओर से सुनामी की कोई चेतावनी जारी की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 10:18 बजे आया। इसका केंद्र जमीन से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। इस मुख्य झटके के ठीक 10 मिनट बाद, यानी 10:28 बजे, इलाके में एक और मध्यम तीव्रता का झटका महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 5.1 दर्ज की गई। इन झटकों का सबसे अधिक असर शिमाने प्रांत की राजधानी मात्सुए और पड़ोसी तोत्तोरी प्रांत के विभिन्न शहरों में देखा गया। स्थानीय प्रशासन और परमाणु विनियमन प्राधिकरण ने तुरंत स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि क्षेत्र में स्थित शिमाने परमाणु बिजली संयंत्र और उससे जुड़ी अन्य इकाइयों में किसी भी तरह की असामान्यता या खराबी नहीं पाई गई है। संयंत्र पूरी तरह सुरक्षित है और परिचालन सामान्य रूप से चल रहा है।

जापान के लिए यह प्राकृतिक आपदा एक महीने के भीतर दूसरी बड़ी घटना है। इससे पहले देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से में आए एक शक्तिशाली भूकंप के कारण लगभग 90,000 लोगों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण लेनी पड़ी थी। वर्तमान घटना के बाद भी बचाव दल और आपदा प्रबंधन इकाइयां अलर्ट पर हैं ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटा जा सके।भौगोलिक दृष्टि से जापान प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर क्षेत्र पर स्थित है। यह क्षेत्र दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंपीय बेल्ट में से एक माना जाता है, जिसके कारण यहाँ अक्सर टेक्टोनिक प्लेटों में हलचल होती रहती है।

तोरखम बॉर्डर को फिर खोलने की मांग को लेकर खैबर पख्तूनख्वा इलाके में लोग सड़कों पर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के लांडी कोटल इलाके में अपनी मांग को लेकर लोग सड़कों पर उतर गए हैं। लोगों की मांग है कि तोरखम बॉर्डर को फिर खोल दिया जाए। लोकल मीडिया के मुताबिक ऑल बॉर्डर्स कोऑर्डिनेटर्स काउंसिल के बैनर तले लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में व्यापारी, ट्रांसपोर्टर, कबीलाई बुजुर्ग, दिहाड़ी मजदूर, राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता शामिल हुए। रिपोर्ट के मुताबिक, 12 अक्टूबर से अफगानिस्तान के साथ बॉर्डर बंद होने से सीधे तौर पर प्रभावित हुए अलग-अलग संगठनों और ग्रुप के प्रतिनिधियों ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों को संबोधित कर लोगों ने कहा कि तोरखम बॉर्डर बंद होने की वजह से हजारों लोगों की आर्थिक रूप से हत्या हुई है। इसमें से ज्यादातर वे लोग थे जो पूरी तरह से बॉर्डर पार के व्यापार पर निर्भर थे। उन्होंने तोरखम बॉर्डर को मध्य एशिया का एक जरूरी बिजनेस गेटवे बताकर कहा कि यह बॉर्डर क्रॉसिंग हजारों परिवारों के लिए एक आर्थिक हब का काम करता था और इसी से उनकी रोजी-रोटी जुड़ी हुई थी।

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ रही हिंसा : 24 घंटों में दो और हत्याओं से दहशत

ढाका,06 जनवरी (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ जारी हिंसा का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले 24 घंटों के भीतर दो हिंदू व्यक्तियों की नृशंस हत्याओं ने पूरे देश में सांप्रदायिक तनाव को चरम पर पहुंचा दिया है। ताजा घटनाओं में एक किराना व्यवसायी और एक बर्फ फैक्ट्री के मालिक सह पत्रकार को निशाना बनाया गया है। ये हत्याएं पिछले 18 दिनों में हिंदू समुदाय के सदस्यों की लक्षित हत्याओं (टारगेट किलिंग) की श्रृंखला की छठी कड़ी हैं, जिसने स्थानीय अल्पसंख्यकों के बीच असुरक्षा और भय की गहरी लहर पैदा कर दी है। पहली घटना सोमवार रात करीब 10 बजे नरसिंगड़ी जिले के पलाश उपजिला स्थित चोरसिंदूर बाजार में घटी। यहाँ अपनी किराना दुकान चलाने वाले 40 वर्षीय शरत चक्रवर्ती मणि (जिन्हें मोनी चक्रवर्ती के नाम से भी जाना जाता है) पर अज्ञात हमलावरों ने उस समय हमला किया जब वे दुकान पर थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने धारदार हथियारों से उन पर ताबड़तोड़ प्रहार किए और फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल मणि को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। राजधानी ढाका के इतने निकट हुई इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह हमला पूरी तरह से धार्मिक पहचान के कारण किया गया था।

इससे कुछ ही घंटे पहले सोमवार शाम करीब 6 बजे जशोर जिले के मणिरामपुर उपजिला में एक अन्य सनसनीखेज वारदात हुई। यहाँ के कोपालिया बाजार में 45 वर्षीय राणा प्रताप बैरागी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। राणा प्रताप एक बर्फ फैक्ट्री के मालिक होने के साथ-साथ एक स्थानीय समाचार पत्र के कार्यकारी संपादक भी थे। बताया जा रहा है कि मोटरसाइकिल पर सवार कुछ हमलावर उनकी फैक्ट्री पहुंचे और उन्हें बातचीत के बहाने बाहर बुलाया। इसके बाद उन्हें एक सुनसान गली में ले जाया गया, जहाँ बहस के बाद उनके सिर में कई गोलियां मार दी गईं और उनका गला रेत दिया गया। पुलिस ने घटनास्थल से सात खाली कारतूस बरामद किए हैं और पुष्टि की है कि उनके सिर में तीन गोलियां लगी थीं। पिछले 18 दिनों का घटनाक्रम बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति की भयावह तस्वीर पेश करता है। हिंसा का यह दौर 18 दिसंबर 2025 को मयमनसिंह में दीपू चंद्र दास की पीट-पीटकर और जलाकर की गई हत्या से शुरू हुआ था। इसके बाद 24 दिसंबर को राजबारी में अमृत मंडल, 30 दिसंबर को गारमेंट फैक्ट्री में कार्यरत बजेंद्र बिस्वास और 31 दिसंबर को शरियतपुर में खोकन चंद्र दास पर जानलेवा हमले हुए, जिसमें खोकन की इलाज के दौरान मौत हो गई। हिंदू बौद्ध ईसाई ओइक्य परिषद जैसे संगठनों ने चेतावनी दी है कि कट्टरपंथी समूह अल्पसंख्यकों को डराने और उन्हें देश छोड़ने पर मजबूर करने के लिए सुनियोजित तरीके से हमले कर रहे हैं।

इजरायली सेना ने लेबनान में किए हवाई हमले, रिहायशी और व्यावसायिक इमारतों को बनाया निशाना

बेरुत,06 जनवरी (एजेंसियां) ।

मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच इजरायली सेना ने एक बार फिर लेबनान के विभिन्न हिस्सों पर भीषण हवाई हमले किए हैं। दक्षिण और पूर्वी लेबनान को निशाना बनाकर किए गए इन हमलों में हिज्बुल्लाह और हमास के ठिकानों को ध्वस्त करने का दावा किया गया है। इजरायली लड़ाकू विमानों ने साइदा प्रांत के अल-घाजियेह क्षेत्र में स्थित एक प्रमुख व्यावसायिक इमारत पर दो मिसाइलें दागीं, जिससे वहां भारी तबाही हुई है।

यह सैन्य कार्रवाई इजराइल और हिज्बुल्लाह के बीच हुए एक साल पुराने संघर्ष विराम समझौते के बावजूद की गई है, जिससे क्षेत्र में युद्ध की स्थिति दोबारा पैदा होने की आशंका बढ़ गई है। हमले से पहले इजरायली सेना ने लेबनान के चार प्रमुख क्षेत्रों—दक्षिण में कफर हट्टा और अन्नान, तथा पूर्व में अल-मनारा और ऐन अल-तिनेह के लिए चेतावनी जारी की थी। चेतावनी के बाद इन इलाकों से दर्जनों परिवारों ने अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन किया। हमलों की तीव्रता को देखते हुए एम्बुलेंस और दमकल विभाग की टीमें स्टैंडबाय पर रखी गई थीं। इजरायली रक्षा अधिकारियों का तर्क है कि आतंकी समूह इन नागरिक गांवों और रिहायशी इमारतों को इजराइल पर हमले के लिए बेस के रूप में इस्तेमाल कर रहे थे। रिपोर्टों के अनुसार, पूर्वी लेबनान के अल-मनारा क्षेत्र में हमास के पूर्व नेता शरहाबिल सैयद के घर को भी निशाना बनाया गया, जिसे इजराइल ने पिछले साल एक अभियान में मार गिराया था। इजराइल का आरोप है कि संघर्ष विराम की आड़ में हिज्बुल्लाह अपनी सैन्य क्षमताओं को दोबारा संगठित करने और हथियार जुटाने में लगा है, जिसे रोकने के लिए यह कार्रवाई आवश्यक थी। हालांकि, हिज्बुल्लाह ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि वह समझौते की शर्तों के प्रति प्रतिबद्ध है। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने इन हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने इजराइल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तय किए गए संघर्ष विराम के उल्लंघन का आरोप लगाया और कहा कि ऐसी कार्रवाइयां शांति प्रयासों को कमजोर करती हैं। दूसरी ओर, संयुक्त राष्ट्र ने भी क्षेत्र में बढ़ती हिंसा पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की है। फिलहाल, लेबनान के प्रभावित इलाकों में धुएं का गुबार और मलबे के ढेर देखे जा रहे हैं, जबकि सीमावर्ती क्षेत्रों में तनाव अपने चरम पर है।

‘वीबी-जी राम जी’ का विरोध करना विपक्ष की मजबूरी वरना खुल जाएगी पोल : योगी

लखनऊ, 06 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विकसित भारत-जी राम जी कानून, 2025 को लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिस ऐतिहासिक सुधार का स्वागत होना चाहिए था, उसी का विरोध कर विपक्ष अपने पुराने भ्रष्टाचार मॉडल का खुला समर्थन कर रहा है। यह विरोध विकास का नहीं, बल्कि पोल खुलने के डर का परिणाम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस प्रेस वार्ता की आवश्यकता इसलिए पड़ी, क्योंकि जिन लोगों ने वर्षों तक देश के संसाधनों पर डकैती डाली, गरीबों को भूखा रहने और नौजवानों को पलायन के लिए मजबूर किया, वे आज सुधारों और विकसित भारत की संकल्पना पर सवाल खड़े कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर ऐसे लोग कानून का समर्थन करेंगे तो उनकी असलियत सामने आ जाएगी, इसलिए वे विरोध कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन इस अधिनियम पर लगातार प्रश्न खड़े कर रहे हैं, जबकि यह ग्रामीण भारत, किसानों और श्रमिकों के हित में उठाया गया बड़ा कदम है। एनडीए सरकार का आभार जताने के बजाय विपक्ष भ्रष्टाचार को प्रोत्साहित करने वाली अपनी पुरानी परंपराओं का ही समर्थन कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने विकसित भारत की परिकल्पना को स्पष्ट करते हुए कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब राज्य विकसित होंगे और राज्य तभी विकसित होंगे, जब गांव विकसित होंगे। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना, श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा और सम्मान देना इस अधिनियम का मूल उद्देश्य है। इसी लक्ष्य के साथ यह कानून लाया गया है और वह इसका पूर्ण समर्थन करते हैं।योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की विफलताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके शासनकाल में अधूरी और अस्थायी परिसंपत्तियां, फर्जी हाजिरी, भुगतान में कटौती जैसी भ्रष्टाचार की शिकायतें हर जनपद और हर ग्राम पंचायत से सामने आती थीं। शिकायत निवारण की कमजोर व्यवस्था, कमजोर सोशल ऑडिट, प्रशासनिक अक्षमताएं और मजदूरी में लगातार देरी आम बात थी।

उन्होंने कहा कि खोदने और भरने वाली योजनाओं पर विराम लगने से स्वाभाविक है कि जिनके हित प्रभावित हुए हैं, वे चिल्ला रहे हैं। यही वे लोग हैं जो गड्ढा खोदते थे और फिर उसे पाटते थे। सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि सपा शासनकाल में सोनभद्र में मनरेगा का बड़ा घोटाला हुआ, जिसकी सीबीआई जांच चल रही है।उन्होंने कहा कि नए कानून के तहत हर छह महीने में अनिवार्य सोशल ऑडिट, डिजिटल और समयबद्ध शिकायत निवारण प्रणाली तथा कैग मानकों के अनुरूप ऑडिट की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिससे भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश नहीं बचेगी। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि विकसित भारत-जी राम जी कानून ग्रामीण भारत की तस्वीर बदलेगा। पारदर्शिता, जवाबदेही और श्रमिक-किसान के अधिकार सुनिश्चित होंगे। जो लोग इसका विरोध कर रहे हैं, वे विकास के नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार के पक्षधर हैं।

अंकिता को न्याय दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : पुष्कर धामी

देहरादून, 06 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान अंकिता भंडारी प्रकरण पर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि उत्तराखंड की बेटी अंकिता को न्याय दिलाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है और इस दिशा में सरकार ने पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ कार्य किया है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस जघन्य अपराध की निष्पक्ष एवं गहन जांच के लिए महिला अधिकारी रेणुका देवी की अध्यक्षता में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था, जिसने मामले के सभी पहलुओं की गहराई से जांच की। सरकार की सशक्त और प्रभावी न्यायालय पैरवी के परिणामस्वरूप तीनों दोषियों को आजीवन

कारावास की सजा सुनाई जा चुकी है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा गठित एसआईटी की जांच पर न केवल निचली अदालत, बल्कि उच्च न्यायालय एवं सर्वोच्च न्यायालय ने भी संतोष व्यक्त किया है, जो जांच की निष्पक्षता और मजबूती को दर्शाता है।मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि वर्तमान में किसी कथित ऑडियो क्लिप के आधार पर प्रदेश में अनावश्यक माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि वास्तविकता यह है कि न्यायिक प्रक्रिया पूरी गंभीरता से अपने निष्कर्ष तक पहुंच चुकी है और दोषियों को कड़ी सजा मिल चुकी है।सीबीआई जांच के विषय पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यद्यपि पूरे प्रदेश की जनता की भावनाएं बेटी अंकिता के साथ जुड़ी हुई हैं, लेकिन इस दुखद घटना से सबसे अधिक प्रभावित उसके माता-पिता हैं। उन्होंने कहा कि वे स्वयं अंकिता के माता-पिता से बात करेंगे और उनकी भावनाओं, पीड़ा एवं अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए ही आगे कोई निर्णय लिया जाएगा।मुख्यमंत्री धामी ने दोहराया कि राज्य सरकार बेटियों की सुरक्षा, सम्मान और न्याय के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।उन्होंने कहा कि राज्य का मुख्य सेवक होने के नाते संबंधित प्रकरण में बहन अंकिता के माता-पिता से बात करूंगा और वे बेटी के न्याय के लिए जो भी चाहेंगे उसे कानून सम्मत आगे बढ़ाएंगे।

मध्य प्रदेश के अस्पतालों में बायो मेडिकल वेस्ट प्रबंधन नियमों का पालन हो : राजेंद्र शुक्ल

भोपाल,06 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के अस्पतालों में बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन नियमों का कड़ाई से पालन करने के लिए लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री और उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। साथ ही ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता और गुणवत्ता में सुधार पर जोर दिया। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने, चिकित्सा अधोसंरचना के विस्तार से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने रीवा, सिंगरौली, ग्वालियर, सागर एवं बुधनी मेडिकल कॉलेजों के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही, आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता, मानव संसाधन की नियुक्ति और शैक्षणिक एवं चिकित्सकीय गतिविधियों के सुचारू संचालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने बायोमेडिकल वेस्ट के वैज्ञानिक एवं सुनियोजित प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी स्वास्थ्य संस्थानों में बायो मेडिकल वेस्ट प्रबंधन नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, पृथक्करण, संग्रहण, परिवहन एवं निस्तारण की व्यवस्था को प्रभावी बनाने और पर्यावरण संरक्षण के मानकों का पालन करने के निर्देश दिए।बैठक में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और जिला चिकित्सालयों के उन्नयन से संबंधित प्रस्तावों की भी समीक्षा की गई। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता और गुणवत्ता में सुधार शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

सिद्दारमैया को कार्यकाल पूरा करने की शुभकामनाएं हमारे बीच कोई भ्रम नहीं : डीके शिवकुमार

बेंगलुरु,06 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के पूरे कार्यकाल को लेकर चल रही चर्चाओं पर विराम लगाने की कोशिश की। शिवकुमार ने कहा कि वह सिद्दारमैया को अपना कार्यकाल पूरा करने की शुभकामनाएं देते हैं और पार्टी के भीतर किसी तरह का कोई भ्रम नहीं है। बेंगलुरु में पत्रकारों से बातचीत करते हुए डीके शिवकुमार ने कहा, उनके साथ हर अच्छी चीज हो।

मैं उन्हें ढेरों शुभकामनाएं देता हूं। हमारे बीच कोई भ्रम नहीं है, भ्रम सिर्फ मीडिया में है। एक बार फिर मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। मुख्यमंत्री सिद्दारमैया द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय डी. देवराज उर्स के लंबे कार्यकाल के रिकॉर्ड की बराबरी किए जाने पर शिवकुमार ने कहा कि वह और अधिक सफलता हासिल करें। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उन्हें अच्छा स्वास्थ्य मिले, ताकि वे जनता की और ज्यादा सेवा कर सकें।

शिवकुमार ने आगे कहा, मैं बल्लारी जा रहा हूं। मैं वहां जाकर स्थिति का जायजा लूंगा। हम राज्य में और

हर जगह शांति चाहते हैं। भाजपा बेचैन हो रही है और ऐसी गतिविधियों का सहारा ले रही है।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं में झड़प के दौरान हुई फायरिंग में राजशेखर की मौत हो गई थी। इस मामले में मंत्री जमीर अहमद खान द्वारा मृतक के परिवार को कथित रूप से 25 लाख रुपए नकद मुआवजा दिए जाने को लेकर उठे सवालों पर डीके शिवकुमार ने कहा कि वह इस विषय में मंत्री जमीर अहमद खान से बात करेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के पास अब आयकर विभाग और केंद्रीय एजेंसियां हैं।

सोनिया गांधी के अस्पताल में भर्ती होने की खबर पर डीके शिवकुमार ने कहा कि उन्हें अभी इसकी जानकारी नहीं है, लेकिन वे उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

उन्होंने कहा, हमारी प्रार्थनाएं उनके साथ हैं। उन्हें लंबा और स्वस्थ जीवन मिले ताकि वे कांग्रेस पार्टी और देश का मार्गदर्शन करती रहें। उन्होंने संकट के समय मजबूती से नेतृत्व किया है।

वहीं, नेतृत्व पर जारी अटकलों के बीच मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने भी मंगलवार को बयान दिया। उन्होंने मैसूरु में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उनका कार्यकाल पूरा करना पार्टी हाईकमान के फैसले पर निर्भर करता है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि वे अपना कार्यकाल पूरा करेंगे।

सिद्दारमैया ने कहा, मुझे हाईकमान पर भरोसा है। भरोसा नहीं होता, तो मुख्यमंत्री कैसे बनता?

हिम परिवार पोर्टल हो रहा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से एकीकृत : सुखविन्द्र सिंह

शिमला, 06 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि जन सेवाओं को सुलभ, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग में हिमाचल प्रदेश देश का नंबर वन राज्य बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के दूर-दराज एवं जनजातीय क्षेत्रों में अधिकांश सरकारी सेवाएं आज कंप्यूटर माउस की एक क्लिक पर आम नागरिकों को उपलब्ध करवाई जा रही है, जो सुशासन की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। मुख्यमंत्री सोमवार गत सायं सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ आईटी एंड ई-गवर्नेंस इन हिमाचल प्रदेश की सामान्य सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विभाग द्वारा विकसित विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकी आधारित एप्लीकेशन्स और सॉफ्टवेयर की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को इन्हें और अधिक नागरिक-हितैषी, सुरक्षित एवं प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए विकसित ‘हिम उपस्थिति’ एप्लीकेशन की गहन समीक्षा की तथा इसे और अधिक दक्ष, पारदर्शी और

विश्वसनीय बनाने के लिए आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ‘हिम एक्सेस पोर्टल’ में प्रदेश सरकार के सभी कर्मचारियों का पंजीकरण अनिवार्य किया जाएगा तथा सभी सरकारी कर्मचारियों को एक माह के भीतर इस पोर्टल पर अपना पंजीकरण सुनिश्चित करना होगा।

मुख्यमंत्री ने एसेट मैपिंग एप्लीकेशन का शुभारंभ करते हुए कहा कि इस एप्लीकेशन के माध्यम से नागरिकों की संपत्ति से संबंधित संपूर्ण एवं नीवनतम विवरण उपलब्ध होगा, जिससे आधारभूत संरचना के विकास, प्रभावी नीति निर्माण और संसाधनों के बेहतर प्रबंधन में सहायता मिलेगी। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हिम सेवा पोर्टल में राजस्व सेवाओं की बेहतर और त्वरित आपूर्ति सुनिश्चित करने के उददेश्य से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित दस्तावेज़ सत्यापन एवं प्रमाणीकरण प्रणाली को एकीकृत किया जा रहा है।

यह प्रणाली राजस्व सेवाओं में प्रथम स्तर की जांच के रूप में कार्य करेगी, जिससे न केवल राजस्व अधिकारियों को सशक्त बनाया जा सकेगा बल्कि नागरिकों को भी अधिक सुगम और पारदर्शी सेवाएं प्राप्त होंगी। वर्तमान में राजस्व सेवाओं से जुड़ी प्रक्रिया में बड़ी संख्या में आवेदनों का मैनुअल सत्यापन करना पड़ता है, जिससे अधिकारियों पर अत्यधिक कार्यभार बढ़ जाता है। दस्तावेज़ों में मामूली त्रुटियां, जैसे धुंधली फोटो या गलत प्रारूप, आवेदन निरस्त होने का कारण बनती हैं।

इसके चलते अधिकारी अपना बहुमूल्य समय केवल प्रारंभिक जांच में व्यय करते हैं और नागरिकों को भी बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। एआई आधारित यह प्रणाली दस्तावेज अपलोड के समय ही उनका स्वतः स्कैन कर लेगी और तुरंत पहचान कर लेगी कि दस्तावेज स्पष्ट हैं या नहीं, सही है या नहीं तथा कहीं कोई आवश्यक हस्ताक्षर या विवरण तो अनुपस्थित नहीं।

इसके साथ ही आवेदन पत्र में भरी गई व्यक्तिगत जानकारी जैसे नाम, जन्म तिथि और आधार संख्या को अपलोड किए गए दस्तावेज़ों में उपलब्ध विवरण से मिलान कर किसी भी प्रकार की विसंगति को चिन्हित किया जाएगा।

गुणवत्ता जिम्मेदारी और एक मजबूत प्रतिस्पर्धी ताकत भी है : जोशी

नई दिल्ली,06 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने मंगलवार को कहा कि गुणवत्ता न केवल एक जिम्मेदारी है, बल्कि एक मजबूत प्रतिस्पर्धी ताकत भी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मानक गुणवत्ता बढ़ाने, उपभोक्ताओं की सुरक्षा, व्यापार को आसान बनाने, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के लिए बहुत जरूरी हैं। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के 79वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि मानक गुणवत्ता और भरोसे की पहचान होते हैं, जिससे भारतीय उत्पादों को घरेलू और वैश्विक दोनों स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलती है। मंत्री ने कहा कि गुणवत्ता से जुड़े मजबूत नियम उपभोक्ताओं की रक्षा करते हैं, शासन व्यवस्था को बेहतर बनाते हैं और व्यापारियों के लिए काम को सरल और भरोसेमंद बनाते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों को याद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने हमेशा शासन, सेवाओं और उत्पादन में गुणवत्ता पर जोर दिया है। उनका साफ संदेश है कि ’मेक इन इंडिया’ का मतलब उच्च गुणवत्ता और वैश्विक भरोसा होना चाहिए।

प्रल्हाद जोशी ने सरकार की ’शून्य दोष, शून्य प्रभाव’ नीति के प्रति प्रतिबद्धता दो-हराई। इसका मतलब है कि अच्छे और दोषरहित उत्पाद बनाए जाएं ताकि पर्यावरण को कम से कम नुकसान पहुंचे।उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को पाने के लिए सरकार, उद्योग, मानक बनाने वाली संस्थाएं और उत्पादक सभी को मिलकर काम करना होगा।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार का बड़ा लक्ष्य है कि ’मेक इन इंडिया’ को ’ट्रस्टेड बाय इंडिया’ और ’ट्रस्टेड बाय द वर्ल्ड’ बनाया जाए। इस दिशा में बीआईएस की भूमिका बहुत अहम है। उन्होंने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो मानकों को मजबूत करके, नए विचारों को बढ़ावा देकर और भारतीय उत्पादों पर दुनिया का भरोसा बढ़ाकर इस सफर में बड़ी भूमिका निभा सकता है।

उज्जैन में चाइनीज मांझे की चपेट में आकर पुजारी घायल, ऑपरेशन कर बचाई जान

उज्जैन,06 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उज्जैन में चाइनीज मांझे की चपेट में आकर एक पुजारी बुरी तरह घायल हो गया। गनीमत रही कि उसे समय पर अस्पताल पहुंचा दिया गया, जिससे उसकी जान बच गई। जानकारी के अनुसार पुजारी विनय तिवारी जयसिंहपुरा में रहते हैं। रविवार देर शाम वे सामान लेने बाजार गए थे और बाइक से लौट रहे थे। इस दौरान चाइनीज मांझा उनकी गर्दन में फंस गया। जब तक वह संभलते, मांझे ने उनकी गर्दन पर गहरा जख्म कर दिया था। घायल विनय को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों के अनुसार जब उन्हें अस्पताल लाया गया था, तब विनय की हालत गंभीर थी। लगभग दो घंटे तक ऑपरेशन चला।इस दौरान गर्दन में घाव वाली जगह पर चाइनीज मांझे के टुकड़े भी मिले। कुल मिलाकर 10 टांके लगाए गए हैं। फिलहाल उनकी हालत ठीक है।

चाइनीज मांझे का उपयोग करने के मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है जिनमें से दो नाबालिग बताई जा रहे हैं।राज्य के अलग-अलग हिस्सों से चाइनीज मांझे से दुर्घटनाएं होने की लगातार शिकायत आती रहती हैं। यही कारण है कि कई जिलों में चाइनीज मांझे के उपयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है।

उसके बावजूद भी इसका उपयोग किया जा रहा है। मकर संक्रांति का पर्व करीब है और पतंगबाजी करने वालों के बीच चाइनीज मांझे की मांग भी बहुत है। यही कारण है कि इस कारोबार में लिप्त लोग अभी से मांझे को इकट्ठा करने लगे हैं। इंदौर में तो इस कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई भी तेज कर दी गई है। पिछले दिनों चाइनीज मांझे के कारोबार में लिप्त लोगों को पकड़ा भी गया है।

इंदौर में सुरक्षित पेयजल को लेकर प्रशासन अलर्ट, कलेक्टर शिवम वर्मा ने किया भगीरथपुरा का निरीक्षण

इंदौर,06 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर में हाल ही में सामने आए जल प्रदूषण के मामलों को लेकर जिला प्रशासन और नगर निगम पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने भगीरथपुरा क्षेत्र का दौरा कर नए पाइपलाइन कार्य का निरीक्षण किया और मौके पर चल रहे कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर शिवम वर्मा ने आईएएनएस से कहा कि जल प्रदूषण की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सर्वे का काम लगातार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि निरंतर सफाई और पानी के सैंपल लेने की प्रक्रिया जारी है ताकि हालात को जल्द से जल्द स्थिर स्तर पर लाया जा सके।

कलेक्टर ने कहा कि पूरी टीम, नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ, मौके पर मौजूद रहकर जल आपूर्ति की निगरानी और प्रबंधन में जुटी हुई है। आम नागरिकों को सुरक्षित और स्वच्छ पानी उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इसी दौरान नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने भी भगीरथपुरा क्षेत्र में नए पाइपलाइन कार्य का निरीक्षण किया।

उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि इस नई पाइपलाइन के पूरा होने के बाद क्षेत्र में पानी की आपूर्ति पहले से बेहतर होगी। जल प्रदूषण के मुद्दे पर नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने बताया कि चल रहे सभी कार्यों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सबसे पहले उस पाइपलाइन कार्य की समीक्षा की जा रही है, जिसकी शुरुआत हाल ही में हुई है, ताकि यह देखा जा सके कि इसे कितनी तेजी से पूरा किया जा सकता है और काम की गुणवत्ता कैसे सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही, स्थानीय लोगों से बातचीत कर उन्हें जागरूक किया जा रहा है।

आयुक्त ने बताया कि लोगों को जल जनित बीमारियों के लक्षणों और उनसे जुड़ी समस्याओं की जानकारी भी दी जा रही है, ताकि वे समय रहते सावधानी बरत सकें।

प्रशासन और नगर निगम की इस संयुक्त पहल से यह उम्मीद जताई जा रही है कि इंदौर में जल प्रदूषण की समस्या पर जल्द काबू पा लिया जाएगा और लोगों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सकेगा।

रीना रॉय: पर्दे की पहली नागिन ने जब चुराया लोगों का दिल, हर रोल में दिखीं बेहद खास

बॉलीवुड की दुनिया में कई कलाकार हैं, लेकिन कुछ ही ऐसे होते हैं जो हर तरह के किरदार को इतनी मजबूती से निभाते हैं कि दर्शक उन्हें हमेशा याद रखें। रीना रॉय भी उन्हीं में से एक हैं। चाहे कोई रोल नेगेटिव हो या पॉजिटिव, उनकी परफॉर्मेंस में हमेशा आत्मविश्वास देखने को मिलता है। 1970 और 1980 के दशक में उन्होंने जिस तरह से फिल्मों में खुद को साबित किया, वह आज भी दर्शकों के दिलों में जिंदा है। उनकी खूबसूरती और अभिनय क्षमता ने उन्हें सिर्फ हिट फिल्मों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्होंने हर किरदार से अपनी छाप छोड़ी। रीना रॉय का जन्म 7 जनवरी 1957 को मुंबई में हुआ था। उनका असली नाम सायरा अली था। उनका परिवार फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ा था। उनके पिता, सादिक अली, अभिनेता थे, और उनकी मां, शारदा रॉय, भी फिल्मों में काम करती थीं। माता-पिता के तलाक के बाद, उनका नाम बदलकर पहले रूपा रॉय और फिर फिल्म निर्माता की सलाह पर रीना रॉय रखा गया। उनकी रुचि बचपन से ही अभिनय में थी।

रीना ने 1972 में फिल्म 'जरूरत' से अपने करियर की शुरुआत की। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा सफल नहीं हुई, लेकिन रीना की परफॉर्मेंस ने दर्शकों और फिल्म निर्माताओं का ध्यान खींचा। इसके बाद उन्होंने 1973 में 'जैसे को तैसा' और 1975 में 'जख्मी' जैसी फिल्मों में काम किया। उन्होंने फिल्मों में नेगेटिव किरदारों के जरिए अभिनय की ताकत दिखाई।

1976 में रीना के करियर का सुनहरा मोड़ आया। उन्होंने 'कालीचरण' और 'नागिन' जैसी फिल्मों में मुख्य भूमिकाएं निभाईं। 'कालीचरण' में उनकी केमिस्ट्री शत्रुघ्न सिन्हा के साथ पसंद की गई, जबकि 'नागिन' में उन्होंने एक इंसान और नागिन के रूप में जटिल भूमिका निभाई। इस फिल्म ने उन्हें बॉक्स ऑफिस स्टार बना दिया। इस समय उनकी खूबसूरती के साथ-साथ किरदार निभाने की मजबूती ने दर्शकों को प्रभावित किया।

1977 में रीना ने 'अपनापन' में काम किया और फिल्मफेयर अवॉर्ड के लिए नामांकित हुईं। इसके बाद उन्होंने 1980 में 'आशा', 1981 में 'नसीब', और 1982 में 'सनम तेरी कसम' जैसी हिट फिल्मों में काम किया। इन फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग किरदार निभाए, कभी प्यार में हारी प्रेमिका की, तो कभी संस्कारी बहू की, तो कभी साहसी महिला की, उनके किरदारों में हमेशा गहराई और मजबूती देखने को मिलती थी।

रीना रॉय ने अपने करियर में कई बड़े सितारों के साथ काम किया। उन्होंने जितेंद्र के साथ कई हिट फिल्में दीं, जैसे 'बदलते रिश्ते', 'अर्पण', और 'आशा'। उन्होंने शत्रुघ्न सिन्हा के साथ भी कई हिट फिल्में कीं। उनके किरदार चाहे नेगेटिव हों या पॉजिटिव, हमेशा दर्शकों के दिलों पर असर छोड़ते थे। उनके अभिनय की यही खासियत उन्हें अलग बनाती है।

1983 में रीना ने अपने करियर में ब्रेक लिया और पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहसिन खान से शादी की। बाद में उनका तलाक हो गया और वे भारत लौट आईं। 1993 में उन्होंने 'आदमी खिलौना है' में वापसी की, लेकिन उनकी पुरानी लोकप्रियता दोबारा नहीं बन सकी। इसके बाद उन्होंने कुछ और फिल्मों में सहायक भूमिका निभाई, जैसे 'अजय' (1996), 'गैर' (1999) और 'रिफ्यूजी' (2000)।

रीना ने फिल्मों के अलावा टीवी में भी काम किया। उन्होंने 'ईना मीना डीका', 'दाल में काला है', 'सहारा', और 'गैर' जैसे टीवी शो में काम किया है।

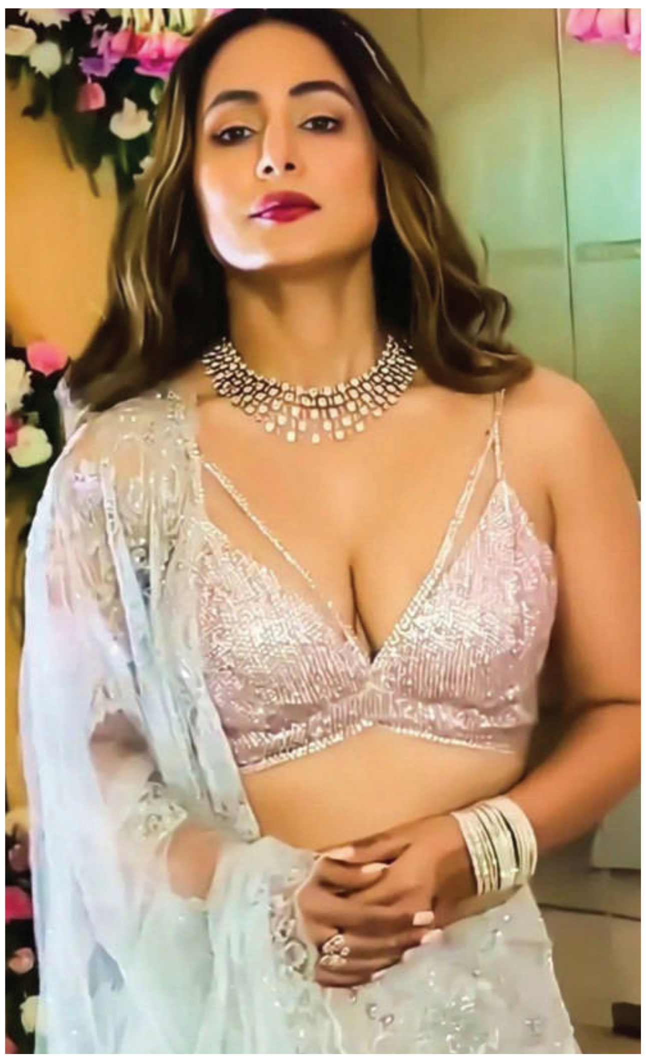

मुंबई के प्रदूषण से हिना खान की सेहत पर पड़ा बुरा असर सांस लेने में हो रही तकलीफ

भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई हमेशा अपने तेज रफ्तार जीवन और चमक-दमक के लिए जानी जाती है। हाल के वर्षों में मुंबई में हवा की गुणवत्ता लगातार गिरती जा रही है और लोगों के लिए दिन-प्रतिदिन की जिंदगी मुश्किल बनती जा रही है। प्रदूषण ने ना सिर्फ आम लोगों की सेहत पर असर डाला है, बल्कि सेलिब्रिटी भी इससे अछूते नहीं हैं। टीवी की लोकप्रिय अभिनेत्री हिना खान ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि वह बढ़ते प्रदूषण की समस्या से परेशान हैं और इससे उनके स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। हिना खान ने कहा, ''मुंबई की बिगड़ती हवा के कारण मुझे सांस लेने में मुश्किल हो रही है। प्रदूषण की वजह से लगातार खांसी है और यह सेहत पर बुरा असर डाल रहा है। ब्रेस्ट कैंसर से जूझने के कारण यह मेरे लिए और भी चुनौतीपूर्ण है।''

हिना खान ने कहा, ''प्रदूषित हवा की वजह से मेरा बाहर निकलना और शारीरिक तौर पर कोई काम करना भी सीमित हो गया है। यह मेरे दैनिक जीवन की सामान्य गतिविधियों पर भी असर डाल रहा है।''

अपने अनुभव को और स्पष्ट करने के लिए हिना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर मुंबई के एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) का स्क्रीनशॉट साझा किया। इस स्क्रीनशॉट में शहर का एक्यूआई 209 दर्ज किया गया, जो बताता है कि हवा की गुणवत्ता 'खराब' स्तर पर है।

हिना ने कैप्शन में लिखा, ''क्या हो रहा है? सांस नहीं ले पा रही हूं। बाहर जाना कम कर दिया है। लगातार खांसी हो रही है। सुबह से ही हालत बहुत खराब है।''

इससे पहले हिना खान ने अभिनेत्री सोहा अली खान के पॉडकास्ट 'ऑल अबाउट हर' में अपने कैंसर से जूझने की चुनौतीपूर्ण यात्रा के बारे में भी खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया कि उनका इलाज कठिन रहा और इस दौरान उन्हें अच्छे और बुरे दोनों दिन देखने को मिले।

हिना ने कहा कि उन्होंने हर तीन हफ्ते में कीमोथेरेपी ली, और कीमो के पहले हफ्ते में उन्हें बहुत दर्द होता था। लेकिन बाकी के दो हफ्ते, वह सामान्य जीवन जीने की कोशिश करती थीं और अपने परिवार और प्रियजनों के साथ वक्त बिताती थीं।

हिना ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, ''देखने का नजरिया बहुत महत्वपूर्ण है। लोग जैसे ही किसी गंभीर बीमारी का पता लगाते हैं, सोचते हैं कि उनकी जिंदगी खत्म हो गई। मैं भी पहले ऐसा ही सोचती थी। लेकिन अनुभव करने के बाद मैंने समझा कि जीवन में बुरे और दर्दनाक दिन जरूर होते हैं, लेकिन अच्छे दिन भी आते हैं, जब आप अपने परिवार और प्यार के बीच सामान्य जीवन जीते हैं। यह संतुलन ही जीवन की खूबसूरती है।''

राम चरण ने एआर रहमान को जन्मदिन पर दी शुभकामनाएं, 'पेड्डी' के लिए जताया आभार

जब भी भारतीय फिल्मों में संगीत की बात होती है, तो ए.आर. रहमान का नाम सबसे पहले याद आता है। उनकी धुनें, उनका जादू और उनका संगीत हर उम्र के लोगों को भाता है। भारतीय सिनेमा ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय फिल्म इंडस्ट्री में भी उनका संगीत लोगों के दिलों में बस चुका है। रहमान मंगलवार को 59वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर अभिनेता राम चरण ने एक खास पोस्ट शेयर किया है। राम चरण ने इंस्टाग्राम पर ए.आर. रहमान के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की और लिखा, ''सर आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। यह साल आपके लिए अच्छी सेहत, खुशी और शानदार म्यूजिक लाए। 'चिकिरी चिकिरी' तो बस शुरुआत थी। 'पेड्डी' के लिए आपने जो जादुई धुने बुनी हैं, उसके लिए आपका जितना शुक्रिया अदा करूं कम है।'' फिल्म 'पेड्डी' का गाना 'चिकिरी चिकिरी' चार्टबस्टर बनकर सामने आया। जापान, यूएई समेत कई देशों में लोगों ने इस गाने को काफी पसंद किया और आइकॉनिक स्टेप को दोहराया।

इस फिल्म को बुची बाबू सना ने लिखा और निर्देशित किया है। बुची बाबू ने यह कहानी कोविड महामारी के दौरान लिखी थी। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया, कहानी लिखने के बाद मैंने इसे सुकुमार सर को सुनाया, जिन्होंने सुझाव दिया कि मैं इसे राम चरण सर को सुनाऊं। राम चरण ने कहानी को ध्यान से सुना और पहली ही मुलाकात में कुछ छोटे बदलावों के साथ स्क्रिप्ट को हरी झंडी दिखा दी थी।

इस फिल्म में राम चरण मुख्य भूमिका निभा रहे हैं और उनकी जोड़ी जान्हवी कपूर के साथ दिखाई देगी। इसके अलावा फिल्म में कन्नड़ मेगास्टार शिव राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु शर्मा जैसे अभिनेता भी हैं।यह एक स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा फिल्म है, इसका निर्माण वेंकट सतीश किलारू वृद्धि सिनेमाज बैनर तले हुआ। प्रोडक्शन हाउस मैथ्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स इसे प्रस्तुत कर रहे हैं।

फिल्म का संगीत और बैकग्राउंड स्कोर ए. आर. रहमान ने तैयार किया है। यह फिल्म 27 मार्च को रिलीज होगी।

आगे बढ़ते रहो आप, पति रणबीर और बेटी राहा के साथ समंदर किनारे मस्ती करती नजर आईं आलिया

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने 2026 के स्वागत के मौके पर अपने फैंस के लिए कुछ बेहद खास पेश किया है। आलिया भट्ट की निजी जिंदगी की झलकियां आमतौर पर सोशल मीडिया पर बहुत कम दिखाई देती हैं, लेकिन जब भी वह कुछ पोस्ट करती हैं, तो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो जाता है। ऐसे ही इस बार उन्होंने नए साल की शुरुआत एक प्यारी फैमिली फोटो के साथ की, जिसने फैंस का दिल जीत लिया है। आलिया ने रविवार को इंस्टाग्राम पर अपनी और परिवार की पहली तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर में वह समंदर के किनारे पति व अभिनेता रणबीर कपूर और बेटी राहा के साथ दिखाई दे रही हैं। बैकग्राउंड में सनसेट का खूबसूरत नजारा देखने को मिल रहा है। तस्वीर में रणबीर अपनी बेटी राहा को हवा में उछालते नजर आ रहे हैं, जबकि आलिया उनके पीछे खड़ी मुस्कुराती हुई बेटी को देख रही हैं। इस छोटे से पल ने सोशल मीडिया पर फैंस को रोमांचित कर दिया। इस फोटो के साथ आलिया ने लिखा, ''आगे बढ़ते रहो आप हैप्पी 2026।'

आलिया के इस पोस्ट पर फैंस ने खूब प्यार लुटाया है। सोशल मीडिया यूजर्स ने रेड हार्ट इमोजी और कमेंट्स के जरिए अपनी खुशी जाहिर की।

साल 2026 आलिया और रणबीर दोनों के लिए ही खास होने वाला है। आलिया जल्द ही 'अल्फा' और 'लव एंड वॉर' जैसी फिल्मों में नजर आएंगी। 'अल्फा' एक जासूसी और एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसमें शरवरी वाघ और बॉबी देओल भी मुख्य भूमिका में हैं। वहीं संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में आलिया और रणबीर के साथ विक्की कौशल भी नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग और सेट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं।

वहीं रणबीर कपूर इस साल पौराणिक फिल्म 'रामायण' में भी नजर आएंगे। नितेश तिवारी निर्देशित यह फिल्म इस साल दीपावली पर रिलीज होने वाली है। फिल्म में रणबीर भगवान राम का किरदार निभा रहे हैं, वहीं साई पल्लवी माता सीता के रोल में हैं। इसके अलावा, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में कन्नड़ सुपरस्टार यश लंकापति रावण की भूमिका में होंगे।

लंबे समय बाद सेट पर लौटीं कंगना रनौत, शुरू की भारत भाग्य विधाता की शूटिंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस और मंडी से सांसद कंगना रनौत काफी समय से फिल्मों से दूर और राजनीति में ज्यादा सक्रिय हैं। अभिनेत्री ने शीतकालीन सत्र में कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा था, लेकिन अब काफी समय बाद कंगना वापस फिल्मी सेट पर लौटी हैं। उन्होंने शूटिंग करते हुए वीडियो पोस्ट किया है। सेट पर वापसी करने का अनुभव अभिनेत्री के लिए खुश कर देने वाला है। कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह मनोज तापड़िया के साथ दिख रही हैं। अभिनेत्री सेट पर बाकी लोगों के साथ मिलजुल रही हैं और मनोज तापड़िया उन्हें फिल्म के सीन भी समझा रहे हैं। उन्होंने वीडियो को शेयर कर लिखा, फिल्म के सेट पर वापसी कर अच्छा लग रहा है। कंगना फिल्म 'इमरजेंसी' के बाद लंबे समय के बाद दूसरी फिल्म की शूटिंग कर रही हैं, जिसका नाम है 'भारत भाग्य विधाता'।

'इमरजेंसी' के रिलीज के साथ कंगना ने 'भारत भाग्य विधाता' की अनाउंसमेंट कर दी थी, लेकिन अब तकरीबन एक साल बाद फिल्म की शूटिंग शुरू की गई है। 'भारत भाग्य विधाता' को यूनोइया फिल्म्स की बबीता आशिवाल और फ्लोटिंग रॉक्स एंटरटेनमेंट के आदि शर्मा मिलकर प्रोड्यूस करने वाले हैं, जबकि डायरेक्ट मनोज तापड़िया करेंगे, जिन्होंने 'मद्रास कैफे', 'चीनी कम', 'एनएच10', और 'माई' जैसी फिल्मों को डायरेक्ट किया है।

'भारत भाग्य विधाता' एक देशभक्ति फिल्म है, जिसमें उन महान वीरों की कहानियों को दिखाया जाएगा, जिनके बारे में कम ही लोगों को पता है। फिल्म की कहानी वीरता और साहस की भावना से भरी होने वाली है, लेकिन फिल्म कब रिलीज होगी, इस बारे में जानकारी सामने नहीं आई है।

बता दें कि अभिनेत्री की आखिरी रिलीज फिल्म 'इमरजेंसी' सिनेमाघरों में फ्लॉप साबित हुई थी। फिल्म के रिलीज पर भी बैन लगा दिया गया था, लेकिन कुछ बदलावों के साथ फिल्म को रिलीज की अनुमति मिल गई। 'इमरजेंसी' का निर्माण और निर्देशन दोनों ही कंगना ने किया था। इसके अलावा, फिल्म में उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का रोल भी प्ले किया था। इस फिल्म के लिए कंगना ने खूब मेहनत की थी, लेकिन फिर भी फिल्म पर्दे पर कमाल नहीं दिखा पाई थी। फिल्म का बजट लगभग 60 करोड़ रुपए था, लेकिन फिल्म ने भारत में लगभग 20 करोड़ का कलेक्शन ही किया था। फिल्म ने अपने बजट का आधे से कम की कमाई की थी।

रवि दुबे: इंजीनियरिंग से एक्टिंग और फिर ऐसा रहा टीवी दर्शकों के चहेते दामाद बनने तक का सफर

इंडियन टेलीविजन इंडस्ट्री में चार्म, टैलेंट और अपने धमाकेदार कामों के लिए प्रसिद्ध अभिनेताओं में शुमार रवि दुबे ने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की थी। रवि दुबे ने कभी सोचा भी न था कि वे टीवी और फिल्मी उद्योग को अपना फुलटाइम पेशा बना सकते हैं, क्योंकि उनके पिता का मानना था कि पढ़ाई एक्टिंग से ज्यादा जरूरी है। टीवी शो 'सास बिना ससुराल' और 'जमाई राजा' में दामाद के किरदार ने उन्हें दर्शकों का चहेता दामाद बना दिया था। गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में जन्मे रवि दुबे साधारण परिवार से आते हैं। उन्हें बचपन से एक्टिंग का शौक था। उनके पिता सिविल इंजीनियर हैं और उनकी मां हाउसवाइफ हैं।

रवि दुबे की एक्टिंग में रुचि देखने के बाद पिता चाहते थे कि वह अपना बैकअप तैयार करें। अगर एक्टिंग में करियर नहीं चल पाया, तो जीवन जीने के लिए कुछ तो होना चाहिए। इसके बाद रवि ने मुंबई के राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकम्युनिकेशंस इंजीनियरिंग में डिग्री ली है, लेकिन किस्मत को उनके लिए कुछ और ही मंजूर था।

टेक्निकल करियर में जाने के बजाय रवि ने मॉडलिंग को चुना, जिसने जल्द ही उनके लिए छोटे पर्दे का रास्ता खोल दिया।कॉलेज के समय से ही रवि को मॉडलिंग के प्रोजेक्ट्स मिलने लगे थे। एक किस्सा शेयर करते हुए रवि ने बताया था कि जब पिता ने उन्हें पहली बार टीवी के विज्ञापन में देखा था, तो खुशी से झूमते हुए 50 हजार रुपए खर्च कर दिए थे।दरअसल अभिनेता के पिता किसी रेस्टोरेंट में थे जब उन्होंने पहली बार रवि को टीवी पर देखा।

मकर संक्रांति: सूर्य, ऊर्जा और चेतना का विज्ञान: अश्विनी गुरुजी, ध्यान आश्रम

संस्कृत शब्द 'संक्रांति' का अर्थ है स्थानांतरण। इसका उपयोग वर्ष भर सूर्य के एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश को दर्शाने के लिए किया जाता है। हमारे पूर्वजों को हजारों वर्ष पहले ही सृष्टि की बारीकियों, सूर्य और ग्रहों की गति तथा विभिन्न खगोलीय पिंडों के आकार, प्रकार एवं स्थिति का गहन ज्ञान था। वर्ष में बारह संक्रांतियों का पालन इसका सटीक उदाहरण है।हमारे पूर्वज वह भी जानते थे जिसे आज का बहुसंख्यक समाज भूल चुका है- ऊर्जा का विज्ञान, विभिन्न खगोलीय पिंडों की शक्ति तथा सृष्टि के ऊर्जा-पैटर्न में होने वाले परिवर्तन।

सूर्य: जीवन, ऊर्जा और ज्ञान का स्रोत

सूर्य एक ऐसी शक्ति है जो पृथ्वीवासियों के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। यही वह ऊर्जा है जो इस ग्रह पर जीवन का पोषण करती है-एक ऐसा तथ्य जिसे आधुनिक विज्ञान भी निर्विवाद रूप से स्वीकार करता है। सूर्य की चमक का अनुभव हम सभी ने किया है; यह इतनी तीव्र है कि नग्न आंखों से सीधे सूर्य को देखना संभव नहीं है।

प्राचीन ऋषियों ने सूर्य का अनुसरण किया। गीता कहती है- आप वही बन जाते हैं जिसका आप अनुसरण करते हैं। इसी कारण वे ऋषि सूर्य के समान तेजस्वी थे और उनके भीतर सूर्य जैसी ही शक्तियाँ विकसित हुईं। उदाहरणस्वरूप, ऋषि विश्वामित्र- जिन्होंने सूर्य का अनुसरण किया और जिन्हें गायत्री महामंत्र का श्रेय दिया जाता है-के बारे में माना जाता है कि उन्होंने केवल इस मंत्र के जाप से एक समानांतर ब्रह्मांड की रचना कर दी थी।

सूर्य, 'ॐ' और सृष्टि की ध्वनि

सूर्य को ज्ञान का देवता माना गया है, जिनके पास अनंत ज्ञान और सृष्टि के रहस्य हैं। वे भगवान हनुमान के गुरु तथा गौरवशाली सूर्यवंश के प्रवर्तक हैं, जिसमें मनु, राजा भगीरथ, राजा रघु और भगवान राम जैसे महापुरुषों ने जन्म लिया।

सूर्य धर्मों के अस्तित्व में आने से पहले से हैं और वे बिना किसी धर्म, जाति या जन्म के भेदभाव के पृथ्वी की हर इकाई को ऊष्मा और प्रकाश प्रदान करते हैं। अर्थात सूर्य किसी धर्म को नहीं जानते।

यह भी उल्लेखनीय है कि एक पश्चिमी विश्वविद्यालय ने सूर्य की ध्वनि को रिकॉर्ड किया और पाया कि उससे निकलने वाली ध्वनि 'ॐ' (ओम) के समान है। यही ध्वनि रंगों के रूप में प्रकट होती है और आगे चलकर उन पाँच तत्वों में परिवर्तित होती है जिनसे भौतिक सृष्टि निर्मित है। भारतवर्ष के ऋषियों ने इस सृष्टि-ध्वनि को पहचाना और हजारों वर्ष पहले हमें 'ॐ' मंत्र प्रदान किया।

मकर संक्रांति और उत्तरायण का वैज्ञानिक आधार

प्राचीन काल में मकर संक्रांति का विशेष महत्व था क्योंकि यह सूर्य की स्पष्ट उत्तरायण गति की शुरुआत से मेल खाती थी। यह कोई अंधविश्वास नहीं है। इसका प्रमाण यह है कि आधुनिक वैज्ञानिकों ने सूर्य के प्रक्षेपवक्र में सबसे दक्षिणी अक्षांश का नाम 'ट्रॉपिक ऑफ कैप्रिकॉर्न' (Tropic of Capricorn) रखा, जो मकर राशि (Capricornus) के नाम पर आधारित है।

यह अवधि शुभ मानी जाती थी क्योंकि इसके बाद दिन लंबे और अधिक उज्ज्वल होने लगते थे। महाभारत काल में भीष्म पितामह ने भी अपनी देह-त्याग की मुक्ति को सुगम बनाने के लिए इसी दिन की प्रतीक्षा की थी।

विश्व संस्कृतियों में सूर्य की उपासना

सूर्य केवल भारतवर्ष में ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में विशेष स्थान रखते हैं। आज भी अंग्रेज एक-दूसरे का अभिवादन करते समय सनी डे की शुभकामना देते हैं।

प्राचीन मिस्र में सूर्य को आतुम और होरस, मेसोपोटामिया में शमाश, जर्मनी में सोल, ग्रीस में हेलियोस और अपोलो के रूप में पूजा गया। रोमन साम्राज्य में भी 'अजेय सूर्य' के जन्म का उत्सव शीतकालीन संक्रांति पर मनाया जाता था, जो उस समय 25 दिसंबर को पड़ता था।

आज के संदर्भ में मकर संक्रांति और साधना

पृथ्वी की धुरी में परिवर्तन के कारण उत्तरायण अब मकर संक्रांति (भारतीय कैलेंडर के अनुसार 15 जनवरी) से हटकर लगभग 22 दिसंबर को हो गया है, जब सूर्य धनु राशि में होता है। सूर्य की गति में इन सूक्ष्म परिवर्तनों और उनके सृष्टि पर पड़ने वाले प्रभावों को ध्यान आश्रम में सूर्य साधकों द्वारा नियमित रूप से देखा और अनुभव किया जाता है। गुरु के मार्गदर्शन में ध्वनि विज्ञान (मंत्र) के माध्यम से इन ऊर्जाओं का उपयोग सृष्टि के कल्याण हेतु किया जाता है।

मकर संक्रांति पर सरल सूर्य साधना (शुरुआती साधकों के लिए)

* सूर्योदय के समय सूर्य की दिशा की ओर मुख करके बैठें या खड़े हों।

* गुरु की ऊर्जा के प्रति श्रद्धा व्यक्त करें और अपनी जागरूकता (ध्यान) को भौंहों के बीच आज्ञा चक्र पर केंद्रित करते हुए 'राम' नाम का जाप करें।

* जाप जारी रखते हुए जागरूकता को छाती के केंद्र (अनाहत चक्र) और फिर नाभि (मणिपुर चक्र) तक ले जाएँ।अब तक सूर्य आकाश में दिखाई देने लगेगा, जिसका रंग हल्का गुलाबी होगा। इस समय सूर्य को जल अर्पित करें और आँखें बंद कर लें।

* प्राप्त सूर्य ऊर्जा (प्राण) को पूरे शरीर में वितरित करें।

* कुछ समय बाद अपनी हथेलियों या किसी हरी घास/पौधे को देखते हुए आँखें खोलें और अपने अनुभव लिखें।

चेतावनी: तेज चमकते सूर्य को सीधे न देखें। यह अभ्यास केवल उचित मार्गदर्शन में ही करें।

अश्विनी गुरुजी ध्यान आश्रम के मार्गदर्शक एवं वैदिक विज्ञान के विद्वान हैं। उनकी पुस्तक 'सनातन क्रिया: द एजलेस डायमेंशन' एंटी-एजिंग पर आधारित एक प्रशंसित शोध प्रबंध है।

अधिक जानकारी हेतु:
www.dhyanfoundation.com
dhyandhyanfoundation.com

मकर संक्रांति पर 12 महीने बाद सूर्य करेंगे मकर राशि में संचार

मकर संक्रांति पर 12 महीने बाद सूर्य का शनि की राशि मकर में गोचर होने जा रहा है। सूर्य 14 जनवरी 2026 को धनु राशि से निकलकर मकर राशि में गोचर करेंगे। सूर्य के उत्तरायण होने से इस दिन मकर संक्रांति मनाई जाएगी। इसके साथ ही खरमास भी समाप्त हो जाएंगे और मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो जाएगी। सूर्य के मकर राशि में गोचर से मेष, वृश्चिक और मकर सहित 5 राशियों को जबरदस्त लाभ और करियर में तरक्की मिलने के योग बनेंगे। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सूर्य और शनि विपरीत स्वभाव के हैं, लेकिन इनके बीच पिता-पुत्र का संबंध भी है। इसके साथ ही सूर्य देव ने शनि महाराज को वरदान दिया है कि जब भी वह शनि की राशि में प्रवेश करेंगे तो सुख समृद्धि लेकर आएंगे।

मेष राशि –सूर्य का गोचर मेष राशि के जातकों के दसवें भाव में हो रहा है। ऐसे में आपको अपने लक्ष्यों को पाने के लिए अधिक प्रयास करना होगा। करियर में प्रगति के नए अवसर भी मिलेंगे। इस अवधि में आप जितनी मेहनत करेंगे, उतने ही अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। नौकरी में बदलाव के लिए ये समय काफी अच्छा रहने वाला है। मेहनत और लगन से किए गए आपके प्रयास सफलता की सीढ़ियां चढ़ने में मदद करेंगे। आपके नेतृत्व क्षमताओं की सराहना होगी।

वृषभ राशि– वृषभ राशि के जातकों के नौवें भाव में सूर्य का गोचर शुभ रहने वाला है। इस दौरान आपको नए अवसर मिलेंगे और विदेश यात्रा के भी योग बनते दिख रहे हैं। इस गोचर के दौरान आपको अचल संपत्ति में निवेश से भी लाभ होने की प्रबल संभावना है। यह समय व्यवसाय का विस्तार करने और नई तकनीकों का उपयोग करने का है। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों से सराहना मिलेगी। तीर्थ यात्रा पर जाने की योजना भी बन सकती है।

वृश्चिक राशि –सूर्य का मकर राशि में गोचर वृश्चिक वालों के तीसरे भाव में हो रहा है, जो कर्म का भाव है। ऐसे में आपको भाग्य का साथ मिलेगा और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। हालांकि आपको व्यापारिक निवेशों में होने वाले जोखिमों को लेकर सतर्क रहना होगा। भाई-बहनों के साथ मनमुटाव होने की संभावना दिख रही है। बेवजह की बहस से दूर रहने में आपकी भलाई है। इस गोचर के दौरान अपने माता-पिता का ख्याल रखें और उनके साथ कुछ कीमती पल बिताने की कोशिश करें।

मकर राशि – मकर राशि में सूर्य का गोचर लग्न भाव में हो रहा है। ऐसे में यह समय आपके लिए बेहद ही शुभ रहने वाला है। इस गोचर के प्रभाव से आपके करियर में तरक्की होगी और मान-सम्मान मिलेगा। अचल संपत्तियों में निवेश आपके लिए फलदायी रहेगा। कम समय में अधिक कमाने के शॉर्टकट से बचें। इस अवधि में बेहतर नेतृत्व क्षमता के साथ आपका पेशेवर जीवन सुखद रहेगा। हालांकि, आपको अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना होगा। इस दौरान यात्रा से अच्छे परिणाम मिलने की उम्मीद बहुत कम है।

कुंभ राशि –कुंभ राशि के जातकों के द्वादश भाव में सूर्य का गोचर होने जा रहा है। ऐसे में कुंभ राशि वालों को विदेश यात्रा का अवसर मिलेगा। इसके अलावा विदेशी व्यापार के माध्यम से आपकी आय में वृद्धि के जबरदस्त योग दिख रहे हैं। इस गोचर के दौरान आप अधिक सुरक्षित महसूस करेंगे। नए प्रोजेक्ट्स के लिए आपको सराहना और सम्मान दोनों प्राप्त होगा। हालांकि पारिवारिक जीवन में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

वृषभ जातकों को अत्यधिक शुभ फल देगा वर्ष 2026

वृष जातक वाले अपनी कार्यकुशलता, योग्यता एवं दक्षता के बल पर अपनी नौकरी अथवा व्यवसाय में दूसरों की अपेक्षा बेहतर सफलता प्राप्त करेंगे, ग्रह गोचर इस वर्ष आपका साथ दे रहे हैं। जन्मकुंडली में अगर आपके शुभ ग्रह अथवा योगकारक ग्रह की महादशा, अन्तर्दशा चल रही है, तो इस वर्ष वाहन, जमीन, जायदाद, मकान खरीदने का प्रबल योग है। कुछ अड़चनों के साथ कार्यों में सफलता का योग है, छाया ग्रह राहु के निमित्त किसी अंग विहीन, असहाय व्यक्ति की सहायता अवश्य करें, कार्य में निश्चित तरक्की होगी। आर्थिक दृष्टिकोण से वर्ष का पूर्वार्द्ध काफी उत्तम है। धनागमन में वृद्धि, मन को प्रसन्न करेगी।

द्वितीय स्थान पर गोचर कर रहे बृहस्पति के प्रभाव से आपको बड़े अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। अविवाहितों के विवाह का योग इस वर्ष निर्मित होगा। अष्टम स्थान पर शनि एवं गुरु ग्रह, दोनों की संयुक्त दृष्टि के कारण आकस्मिक लॉटरी, शेयर आदि से धन लाभ अथवा ससुराल से धन प्राप्ति या फिर पैतृक संपत्ति अथवा गड़ा हुआ धन प्राप्ति का योग बन रहा है। संतान सुख के लिए भी वर्ष अनुकूल है। छोटी-मोटी बीमारियों के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, जिसके चलते आपको परहेज़ की ज्यादा जरूरत है। अपनी जन्मपत्री में ग्रह स्थिति आदि के माध्यम से परहेज़ क्या करना है और क्या नहीं, किसी ज्योतिर्विद से जानकर वृष वाले जातक इस गोचरफल का अत्यधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

प्रतियोगी परीक्षा वाले जातक-जातिकाओं के लिए वर्ष अच्छा है, मेहनत के साथ जन्मकुंडली में लग्न से पंचम भाव यानी पंचमेश का रत्न धारण करने से परीक्षा में निश्चित सफलता प्राप्त होगी।आलस्य का त्याग करें, बड़ों का सम्मान इस वर्ष विशेष उपलब्धि दिलाएगा।प्रेमीजनों को इस वर्ष सुखद परिणाम प्राप्त होंगे।ईश्वर के प्रति आपके मन में अटूट विश्वास आपको चिंतामुक्त कर और अधिक कार्यक्षेत्र में प्रगति की ओर ले जाएगा।

नई योजनाएं इस वर्ष सामने आएंगी, जिन पर कार्य करके विशेष अनुभूति प्राप्त करेंगे। कुछ मिलाकर वर्ष 2026 आपको आपकी क्षमता के अनुसार अत्यधिक शुभ फल देने के लिए अग्रसर है।

एक माह कल्पवास निवास करने से ग्यारह महीने होता है इस प्रकार का लाभ

त्रिवेणी संगम के अक्षय क्षेत्र में जैसे ही सूर्य उदय होता है, सूर्य की रश्मियां जल पर पड़ती है, रेत पर पड़ती है तो यह प्रिज्म इफेक्ट का कार्य करती हैं। विशिष्ट मुहूर्तों में पर्वों की तिथियों पर जब श्रद्धालु, जो स्नान, दान के लिए इस क्षेत्र में आते हैं, उनके ऊपर यह रश्मियां पड़ती हैं, तो इन रश्मियों के प्रभाव से मन- मस्तिष्क से अवसाद जैसे रोगों से छुटकारा मिलता है।

रेत के कण और जल की बूंदों से सूर्य की रश्मियां टकराकर जब मानव शरीर पर पड़ती हैं, तो यह एक प्रकार से रत्न जैसा कार्य करती हैं, जो लाभ रत्न धारण करके प्राप्त किया जाता है, वह अनायास ही त्रिवेणी के जल और रज से टकराने वाली किरणें कर देती हैं। भौतिकी के सिद्धान्त से हम सभी भली-भांति परिचित हैं, अल्बर्ट आइंस्टीन के समीकरण E=mc 2 थ्योरी, जिसे द्रव्यमान-उर्जा समतुल्यता सिद्धांत के रूप में जाना जाता है, जो यह दर्शाता है कि द्रव्यमान और उर्जा एक ही भौतिक इकाई के दो अलग-अलग रूप हैं और द्रव्यमान को उर्जा तथा उर्जा को द्रव्यमान में परिवर्तित किया जा सकता है। इसी प्रकार उर्जा सरंक्षण सिद्धान्त के अनुसार ब्रह्माण्ड की कुल उर्जा स्थिर रहती है, उर्जा को न तो बनाया जा सकता है, न ही नष्ट किया जा सकता है, इसे केवल एक रूप से दूसरे रूप में परिवर्तित किया जा सकता है।

इस प्रकार भौतिकी के अनेक मूलभूत सिद्धान्तों का ज्ञान भारतीय महर्षियों को था, जिसके चलते उन्होंने जनकल्याण के लिए तीर्थराज प्रयागराज जैसे पवित्र स्थलों पर स्नान, ध्यान, दान की परम्परा को प्रतिपादित किया। जो भी श्रद्धालु यहां जीवन के किसी कष्ट को लेकर आता है, उसके अन्दर की रोग-शोक की एनर्जीस्नान, दान के माध्यम से विसर्जित हो जाती है और उसके स्थान पर एक शुभ एनर्जी, शुभ ऊर्जा का संचरण उसके मन, मस्तिष्क में होने लगता है, जिसके प्रभाव से माह पर्यन्त स्नान, दान, जप, पूजा, अनुष्ठान करने वालों का कल्याण निश्चित होते देखा गया है।

यत् पिण्डे, तत् ब्रह्माण्डे सिद्धान्त के अनुसार जो आकाश में सुदूर ग्रह नक्षत्र है, वही हमारे शरीर में भी विद्यमान हैं। जब कल्पवासी एक महीने का यहां पर कल्पवास का व्रत धारण करते हैं, तो उनके शरीर का कायाकल्प होने लगता है। शोध परिणाम बताते हैं कि त्रिवेणी संगम के तट पर एक माह कल्पवास में निवास करने के कारण व्यक्ति के स्वास्थ्य में सुधार होता है, त्रिवेणी के प्रभाव से एक महीने का कल्पवास करने ग्यारह महीने की शुद्धि हो जाती है। यानी कि एक महीने का लाभ पूरे वर्ष मिलता है।

वरिष्ठ योग से चमकेगी निम्न राशियों की किस्मत, तेजी से आएगा धन

आज यानी 7 जनवरी, बुधवार के दिन सूर्य-चंद्रमा मिलकर शुभ और लाभकारी योग बना रहे हैं। मेष, मिथुन, सिंह सहित कई राशियों के जातकों के लिए दिन शुभ रहने वाला है। सूर्य से विषम भाव में चंद्रमा के सूर्य की अपनी राशि सिंह में विराजमान होने से वरिष्ठ योग बन रहा है। ज्योतिष में इसे नेतृत्व और निर्णय क्षमता को मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण योग माना जाता है। इस योग के प्रभाव से व्यक्ति को करियर में तरक्की, धन लाभ और उच्च पद की प्राप्ति होती है। इसके प्रभाव से कई जातकों के लंबे समय से अटके कार्यों में गति आएगी और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

मेष –कार्यक्षेत्र में अचानक कुछ बदलाव सामने आ सकते हैं। हालांकि, इससे आप घबराने वाले नहीं हैं। कानूनी या नियमों से जुड़ी उलझन को लेकर आप थोड़े परेशान रह सकते हैं। ऐसे में जल्दबाजी न करें और धैर्य पूर्वक इसका समाधान निकालने की कोशिश में लग जाएं। इससे भागने या पीछे हटने का फैसला आपके हित में नहीं होगा। आज साहस से अधिक आपको समझदारी दिखाने की जरूरत है।

वृष –दूसरों के भरोसे लाभ कमाने की सोच से आपको बाहर निकलना होगा। कभी-कभार ये तरीका चल सकता है, लेकिन हमेशा कारगर नहीं रहेगा। लंबे समय तक आर्थिक लाभ के लिए आपको खुद ही मेहनत करनी पड़ेगी। कार्यक्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने की जरूरत है। अगर आप अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से लेंगे तो भविष्य में लाभ के बेहतर अवसर मिलेंगे।

मिथुन –मिथुन राशि के जातकों दिन आज ठीक-ठाक ही गुजरता दिख रहा है। दिन के पहले हिस्से में आपको कुछ उपलब्धियां मिल सकती हैं। नौकरी या व्यवसाय में चल रही परेशानियां भी धीरे-धीरे खत्म होती दिखने लगेंगी। आज आपको यह समझ आएगा कि कोई भी काम छोटा नहीं होता। शाम और रात का समय दोस्तों और परिवार के साथ हंसी-मजाक में गुजरेगा।

कर्क– आज के दिन समाज सेवा से जुड़े लोगों के लिए अनुकूल रहने वाला है। किसी संस्था या संगठन से जुड़े हैं तो आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। आपकी पहचान और मान- सम्मान बढ़ाने वाले कई मौके आपको मिलते दिखेंगे। कार्यक्षेत्र में लोग आपकी तारीफ करेंगे। आपका कोई फैसला भविष्य में लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

सिंह –सिंह राशि के जातकों को मेहनत का फल मिलना शुरू होगा। आज आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत दिख रहे हैं। कार्यक्षेत्र में उदार रवैया अपनाएं और अपने से छोटे कर्मचारियों की गलतियों को नजरअंदाज करें। इससे आपको सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा और कामकाज में गति आएगी। संयम और सकारात्मक सोच से माहौल खुद ब खुद आपके पक्ष में आ जाएगा।

कन्या –आज के दिन कन्या राशि के लोगों को संभलकर रहना होगा। दूसरों की जरूरतों को अपने काम से ऊपर रखने से नुकसान हो सकता है। अपना महत्वपूर्ण समय दूसरों पर बर्बाद करने से बचें। कार्यक्षेत्र में हालात धीरे-धीरे आपके पक्ष में आएंगे। खुद के लक्ष्यों पर फोकस करें और अपना ध्यान भटकने न दें।

तुला –कार्यक्षेत्र में दूसरों पर निर्भर रहना आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है। अपनी शर्तों पर काम करना आपके लिए इस समय बेहद जरूरी रहेगा। सही समय पर लिया गया आपका फैसला आपके लिए फायदे का सौदा रहेगा। आत्मविश्वास के साथ उठाया गया छोटा कदम भी बड़ी लाभ दे सकता है। आज के दिन अनावश्यक टकराव से बचकर रहें।

वृश्चिक –आज कुछ भावनात्मक मुद्दे आपके सामने आ सकते हैं। आपकी करुणा और उदारता कभी-कभी आपके लिए परेशानी का कारण बन सकते हैं। बेहतर होगा कि नियम या कानूनी से जुड़े मामलों को सोच-समझकर कर हल करने का प्रयास करें। अपनी समझदारी और दूर दृष्टि के बल पर आप अपने दिन को लाभकारी बना लेंगे।

धनु – आज के दिन धनु राशि के जातकों को काफी समय बाद कोई सुखद समाचार मिलने की संभावना है। कोई जरूरी काम पूरा होने से भविष्य में लाभ के अवसर मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में सकारात्मक माहौल बना रहेगा। वही, शाम तक कहीं अटका हुआ धन वापस मिलने के योग बनते दिख रहे हैं। आर्थिक दबाव कम होने से आपको राहत मिलेगी।

मकर –मकर राशि वाले आज कुछ उलझनों में घिरे रह सकते हैं। निजी जीवन और कार्यक्षेत्र में काम का दबाव बढ़ा रहेगा। आज के दिन वाहन से जुड़ी कोई समस्या भी परेशानी खड़ी कर सकती है। ऐसे में बेहतर होगा कि घबराने की बजाय शांत मन से काम लें।

कुंभ –कुंभ राशि वालों को आज के दिन खुद पर भरोसा बनाए रखना होगा। धैर्य ही आज आपकी असली ताकत हैं। किसी काम के अंत में अगर हौसला छोड़ देंगे तो मेहनत का पूरा फल नहीं मिल पाएगा। थोड़ी सी कोशिश आपको वहां तक ले जाएगी जहां आप लंबे समय से पहुंचना चाह रहे थे।

मीन –मीन राशि वाले आध्यात्मिक विचारों की ओर आकर्षित हो सकते हैं। इसका असर आपके व्यवहार में भी दिखाई देगा। कार्यक्षेत्र में कोई रुकावट आने पर शांत रहकर स्थिति को समझने की कोशिश करें। मानसिक संतुलन बनाए रखना आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। ग्रहों की स्थिति आपको भीतर से मजबूत बनाएगी। काम में संयम और गंभीरता आपको दूसरों से अलग पहचान दिलाएगी।

संपादकीय

शाहरुख निशाने पर क्यों?

नए साल के नवचेतन माहौल में, नए संस्कारों और नई सोच के साथ यह भी कामना रही है कि ईश्वर धर्मांध लोगों को सद्बुद्धि दें। वे भी आत्ममंथन करें कि जिनका धर्म, आस्था भिन्न हैं, उनका भी अस्तित्व है। यह देश उनका भी है। संविधान उन्हें भी अधिकार और सुरक्षा देता है। यह देश सिर्फ धर्मांध लोगों का ही नहीं है। वे खुशफहमी में मत रहें। धर्मांधता से विपुल जन-समर्थन भी हासिल नहीं किया जा सकता। कौन हैं ये लोग, जो देश को धर्म के आधार पर परिभाषित करते रहते हैं? शाहरुख खान इस देश का महानायक है। उनके करोड़ों चहेते और प्रशंसक हैं। वह बॉलीवुड के सुपर स्टार हैं। हर साल करोड़ों रुपए का टैक्स सरकार को देते हैं। उस राशि से भी जन और समाज का कल्याण और विकास होता है। उन्हें सिर्फ इसलिए गालियां दी गईं, क्योंकि वह खान हैं। जिन्होंने उन्हें गद्दार कहा, देशद्रोही करार दिया, जेहादी जानवर तक कह दिया, वे कौन हैं? क्या इनसान को 'जानवर' करार दिया जा सकता है? ऐसी गालियां देने वाले कथावाचक, कथित साधु-संत और विधायक हैं। रामभद्राचार्य को 'जगद्गुरु' का सम्मान हासिल है। कई अति विशिष्ट लोगों को हमने उनके पांव छूते हुए, दंडवत देखा है। देवकीनंदन ठाकुर 'कथावाचक' हैं, लिहाजा श्रद्धालुओं का एक वर्ग उनका भी 'भक्त' है। नंदकिशोर गुर्जर भाजपा विधायक हैं या संगीत सोम भाजपा के ही पूर्व विधायक हैं। उनकी सार्वजनिक जिम्मेदारी गालियां देने की नहीं है। वे जन-सेवक हैं। एक महिला नेता ने घोषणा की कि जो शाहरुख खान की जीभ काट कर लाएगा, उसे एक लाख रुपए इनाम दिया जाएगा। ये हिंसक, नफरती और सांप्रदायिक बयान क्यों दिए गए? और उनका राजनीतिक नेतृत्व खामोश क्यों बैठा रहा? क्या शीर्ष से ही संकेत हुए थे कि ऐसे बयान दिए जाएं? आखिर शाहरुख खान ने क्या अपराध किया था? वह आईपीएल की 'केकेआर टीम' के सह-मालिक हैं। उनकी हिस्सेदारी 55 फीसदी की है, जबकि 45 फीसदी हिस्सेदारी जूही चावला एवं उनके पति जय मेहता की है। यदि 'केकेआर' के लिए एक बांग्लादेशी तेज गेंदबाज को अनुबंधित किया गया, तो कमोबेश शाहरुख ने कोई 'अंतरराष्ट्रीय अपराध' नहीं किया। बांग्लादेश भारत का 'दुश्मन देश' नहीं है। हमारे राजनयिक संबंध अब भी बरकरार हैं। वहां की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए हमारे विदेश मंत्री एस. जयशंकर ढाका गए। बांग्लादेश की तख्तापलट प्रधानमंत्री शेख हसीना बीते करीब डेढ़ साल से भारत की शरण और संरक्षण में सुरक्षित हैं। उनकी जवाबदेही किसकी है? भारत की अदाणी पॉवर, वीआईपी, डाबर, हीरो मोटरकॉर्प, इमामी आदि कई कंपनियां बांग्लादेश के साथ करीब 1 लाख करोड़ रुपए का निर्यात करती हैं। भारत बांग्लादेश से करीब 17,000 करोड़ रुपए का आयात भी करता है। यदि कुछ गालीबाज चेहरों और संगठनों को बांग्लादेशी, मुस्लिम क्रिकेटर के आईपीएल में खेलने पर आपत्ति है, तो सबसे पहले बीसीसीआई को कटघरे में खड़ा किया जाना चाहिए कि उसने बांग्ला खिलाड़ियों के चयन और अनुबंध पर पाबंदी क्यों नहीं लगाई? पाकिस्तान के क्रिकेटरों पर ऐसी पाबंदी लागू है। शाहरुख क्या कर सकते हैं? वह तो खिलाड़ियों की बोली में भी शामिल नहीं होते। फिर मु_ी भर गालीबाज लोग किसी को भी गद्दार, देशद्रोही, जेहादी जानवर कैसे करार दे सकते हैं? हमारा मानना है कि ऐसी गालियां देना ही 'अपराध' है, लिहाजा गालीबाजों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। बहरहाल अब बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने फैसला लिया है कि उनकी टीम टी-20 विश्व कप के चार मैच भारत में नहीं खेलेगी। उन्हें श्रीलंका स्थानांतरित किया जाए। अभी आईसीसी का फैसला आना है, लेकिन सितंबर में टीम इंडिया के बांग्लादेश दौरे पर बीसीसीआई का क्या निर्णय है? दरअसल यह विवाद ही नहीं है। बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्याएं की जा रही हैं, उनके घर-मंदिर और उनकी दुकानें जलाई जा रही हैं। प्रतिक्रिया में विहिप और कुछ अन्य हिंदूवादी संगठन भारत के शहरों में आंदोलित हैं, लेकिन उन्होंने किसी की हत्या नहीं की है। इस पर भारत के प्रधानमंत्री को वहां के शासकों को सख्त जुबान में चेतावनी देनी चाहिए थी अथवा जो वह उचित समझते, वह प्रतिक्रिया बहुत पहले दी जानी चाहिए थी।

नए संस्कारों और नई सोच के साथ यह भी कामना रही है कि ईश्वर धर्मांध लोगों को सद्बुद्धि दें। वे भी आत्ममंथन करें कि जिनका धर्म, आस्था भिन्न हैं, उनका भी अस्तित्व है। यह देश उनका भी है। संविधान उन्हें भी अधिकार और सुरक्षा देता है। यह देश सिर्फ धर्मांध लोगों का ही नहीं है। वे खुशफहमी में मत रहें। धर्मांधता से विपुल जन-समर्थन भी हासिल नहीं किया जा सकता। कौन हैं ये लोग, जो देश को धर्म के आधार पर परिभाषित करते रहते हैं? शाहरुख खान इस देश का महानायक है। उनके करोड़ों चहेते और प्रशंसक हैं। वह बॉलीवुड के सुपर स्टार हैं। हर साल करोड़ों रुपए का टैक्स सरकार को देते हैं। उस राशि से भी जन और समाज का कल्याण और विकास होता है। उन्हें सिर्फ इसलिए गालियां दी गईं, क्योंकि वह खान हैं। जिन्होंने उन्हें गद्दार कहा, देशद्रोही करार दिया, जेहादी जानवर तक कह दिया, वे कौन हैं? क्या इनसान को 'जानवर' करार दिया जा सकता है? ऐसी गालियां देने वाले कथावाचक, कथित साधु-संत और विधायक हैं। रामभद्राचार्य को 'जगद्गुरु' का सम्मान हासिल है। कई अति विशिष्ट लोगों को हमने उनके पांव छूते हुए, दंडवत देखा है। देवकीनंदन ठाकुर 'कथावाचक' हैं, लिहाजा श्रद्धालुओं का एक वर्ग उनका भी 'भक्त' है। नंदकिशोर गुर्जर भाजपा विधायक हैं या संगीत सोम भाजपा के ही पूर्व विधायक हैं। उनकी सार्वजनिक जिम्मेदारी गालियां देने की नहीं है। वे जन-सेवक हैं। एक महिला नेता ने घोषणा की कि जो शाहरुख खान की जीभ काट कर लाएगा, उसे एक लाख रुपए इनाम दिया जाएगा। ये हिंसक, नफरती और सांप्रदायिक बयान क्यों दिए गए? और उनका राजनीतिक नेतृत्व खामोश क्यों बैठा रहा? क्या शीर्ष से ही संकेत हुए थे कि ऐसे बयान दिए जाएं? आखिर शाहरुख खान ने क्या अपराध किया था? वह आईपीएल की 'केकेआर टीम' के सह-मालिक हैं।

दूषित पानी दिखने-सूंघने में कभी-कभी सामान्य लगता है लेकिन उसमें डायरिया, टाइफाइड, हैजा, हेपेटाइटिस जैसे रोगों के कीटाणु मौजूद हो सकते हैं

पेयजल पाइपलाइनों के रखरखाव में लापरवाही को माना जाए अपराध

ज्ञान चंद पाटनी

इंदौर में नलों से घरों तक पहुंचे दूषित जल के सेवन से अनेक लोगों में उल्टी-दस्त, तेज बुखार, पेट दर्द और निर्जलीकरण जैसे लक्षण दिखाई देने लगे। स्थानीय अस्पतालों में डायरिया और गैस्ट्रोएंटेराइटिस के मरीजों की संख्या अचानक बढ़ गई। बच्चों और बुजुर्गों की हालत तेजी से बिगड़ी। मौतें भी हुईं, हालांकि ऐसे मामलों में जैसा अक्सर होता है मौतों के सरकारी आंकड़ों और मीडिया के आंकड़ों में काफी अंतर है। इस घटना ने यह मिथक तोड़ दिया कि "स्मार्ट सिटी" या बड़े महानगरों में पेयजल की सुरक्षा अपने-आप सुनिश्चित हो जाती है। देश के बड़े हिस्से में पेयजल वितरण नेटवर्क दशकों पुराना है। पाइपलाइनों में जंग लगा हुआ है और कई क्षतिग्रस्त हैं। जहां पेयजल पाइपलाइनें सीवर लाइन, नालियों या ड्रेनेज के समानांतर और काफी नजदीक बिछी हैं, वहां पाइप के क्षतिग्रस्त होते ही सीवर का गंदा पानी पेयजल लाइन में घुस जाता है। पेयजल पाइपलाइनें जीवनरेखा की तरह होती हैं लेकिन इनकी देखरेख की उपेक्षा के कारण लोग बीमार ही नहीं हो रहे, मौत के आगोश में भी समा रहे हैं।

पेयजल पाइपलाइनों की उपेक्षा किस तरह जानलेवा साबित हो सकती है, यह मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में दूषित जल से हुई मौतों से साफ हो जाता है। इंदौर में नलों से घरों तक पहुंचे दूषित जल के सेवन से अनेक लोगों में उल्टी-दस्त, तेज बुखार, पेट दर्द और निर्जलीकरण जैसे लक्षण दिखाई देने लगे। स्थानीय अस्पतालों में डायरिया और गैस्ट्रोएंटेराइटिस के मरीजों की संख्या अचानक बढ़ गई। बच्चों और बुजुर्गों की हालत तेजी से बिगड़ी। मौतें भी हुईं, हालांकि ऐसे मामलों में जैसा अक्सर होता है मौतों के सरकारी आंकड़ों और मीडिया के आंकड़ों में काफी अंतर है। इस घटना ने यह मिथक तोड़ दिया कि "स्मार्ट सिटी" या बड़े महानगरों में पेयजल की सुरक्षा अपने-आप सुनिश्चित हो जाती है। देश के बड़े हिस्से में पेयजल वितरण नेटवर्क दशकों पुराना है। पाइपलाइनों में जंग लगा हुआ है और कई क्षतिग्रस्त हैं। जहां पेयजल पाइपलाइनें सीवर लाइन, नालियों या ड्रेनेज के समानांतर और काफी नजदीक बिछी हैं, वहां पाइप के क्षतिग्रस्त होते ही सीवर का गंदा पानी पेयजल लाइन में घुस जाता है। पेयजल पाइपलाइनें जीवनरेखा की तरह होती हैं लेकिन इनकी देखरेख की उपेक्षा के कारण लोग बीमार ही नहीं हो रहे, मौत के आगोश में भी समा रहे हैं। कई शहरों में सड़कें खोदी जाती हैं। इस दौरान पेयजल पाइपलाइनें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। असली समस्या यह है कि इन क्षतिग्रस्त हिस्सों की समय पर पहचान नहीं की जाती। लीकेज का पता चल भी जाए तो उसे सही तरीके से ठीक नहीं किया जाता, बल्कि अक्सर 'जुगाड़' से काम चला लिया जाता है। सामान्यतः यह माना जाता है कि सरकारी नल से आने वाला पानी किसी न किसी स्तर पर फिल्टर या ट्रीट किया गया होगा, इसलिए सुरक्षित है। असलियत यह है कि उपेक्षित पाइपलाइनें दूषित जल घरों तक पहुंचा देती हैं। बाहर की गंदगी, सीवर का पानी पाइपलाइनों में चला जाता है। बारिश के मौसम में पानी भरने, सीवर ओवरफ्लो और नालों के उफान के दौरान यह खतरा कई गुना बढ़ जाता है। नलों से आने वाला ऐसा दूषित पानी दिखने-सूंघने में कभी-कभी सामान्य लगता है लेकिन उसमें डायरिया, टाइफाइड, हैजा, हेपेटाइटिस जैसे रोगों के कीटाणु मौजूद हो सकते हैं। कई परिवार इसी पानी को पीते हैं और भोजन बनाते हैं, जिससे उनका जीवन खतरे में पड़ जाता है। पेयजल लाइनों की देखरेख गवर्नेंस का मुद्दा है। ज्यादातर नगर निगमों और जल बोर्डों के पास न तो पाइपलाइन नेटवर्क का अद्यतन मानचित्र है और न ही नियमित सर्वे की व्यवस्था। लीकेज या दूषित पानी की शिकायतें अक्सर महीनों तक लंबित रहती हैं; फील्ड स्टाफ केवल सतही मरम्मत कर लौट जाता है। इंदौर में भी यही हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि हेल्पलाइन पर 15 अक्टूबर को ही भागीरथपुरा में गंदे पानी की सप्लाई की पहली शिकायत दर्ज कराई गई

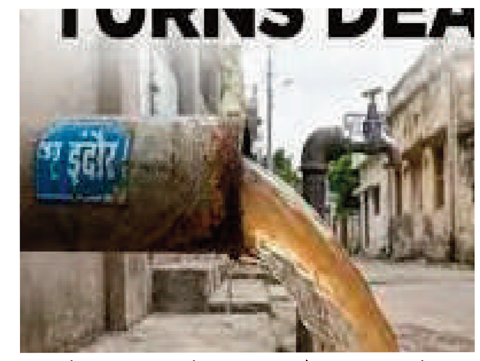

थी। इसके बाद फिर किसी ने शिकायत की और कहा कि पानी में गंदगी के साथ तेजाब भी है। 18 दिसंबर को भी पानी से बदबू आने की शिकायत दर्ज कराई गई। इन शिकायतों पर समय रहते ध्यान ही नहीं दिया गया। दस दिन भागीरथपुरा क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़ गए। 29 दिसंबर को जब मौतों की खबरें आने लगीं, तब प्रशासन की नींद खुली। दिक्कत यह है कि कई शहरों में जल की गुणवत्ता की जांच के लिए लैब तो हैं, लेकिन नमूने नियमित अंतराल पर नहीं लिए जाते। परीक्षण रिपोर्टें सार्वजनिक नहीं होतीं जिससे नागरिकों को अपने क्षेत्र के पानी की गुणवत्ता की वास्तविक स्थिति के बारे में पता ही नहीं चलता। कई बार विकास कार्यों और ठेकेदारों के दबाव में बिना समन्वय के खुदाई होती है और पाइपलाइन टूटने से होने वाले रिसाव का खर्च और जोखिम अंततः जनता को भुगतना पड़ता है। संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत 'जीवन के अधिकार' की न्यायिक व्याख्या में बार-बार साफ पानी और स्वच्छ पर्यावरण को शामिल किया गया है। इसका मतलब है कि सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारी है। इसके बावजूद पेयजल की गुणवत्ता के मानकों का उल्लंघन होने पर शायद ही कभी नगर निकायों या अफसरों पर व्यक्तिगत जवाबदेही तय होती है। नागरिकों की शिकायतों को अक्सर "तकनीकी दिक्कत" कहकर टाला जाता है। अदालतों ने अनेक मामलों में दूषित जल को मूल अधिकार के हनन के रूप में माना है लेकिन जमीनी स्तर पर इन निर्णयों को प्रशासनिक सुधारों में बदलने की रफ्तार बेहद धीमी है। दूषित पेयजल का असर केवल कुछ दिनों के दस्त या बुखार तक सीमित नहीं रहता। बच्चों में लगातार संक्रमण से कुपोषण, बीमारी और लंबी उम्र तक कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता जैसे प्रभाव पड़ते हैं। बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं में निर्जलीकरण, गुर्दे की समस्या और रक्तचाप में अस्थिरता जैसे खतरे बढ़ जाते हैं। जहां रसायन-प्रदूषण (जैसे फ्लोराइड, आर्सेनिक, नाइट्रेट आदि) की भी समस्या है, वहां हड्डियों की बीमारी, दांतों की क्षति, त्वचा रोग, कैंसर और तंत्रिका तंत्र पर प्रभाव जैसे गंभीर दुष्परिणाम सामने आते हैं। इस संकट से निपटने के लिए मौजूदा पाइपलाइन नेटवर्क की सुनियोजित निगरानी और मरम्मत जरूरी है। जहां जरूरत हो, वहां पाइपलाइनों को बदलना आवश्यक है। हर शहर और कस्बे में पेयजल पाइपलाइन का डिजिटल मानचित्र तैयार हो, जिसमें पाइपलाइन डालने का वर्ष, सामग्री, रिसाव के पुराने बिंदु और जोखिम क्षेत्रों की जानकारी दर्ज हो। जर्जर और सीवर के समानांतर चल रही लाइनों को प्राथमिकता से बदलने की योजना बनाई जाए। हर वार्ड या मोहल्ले से निश्चित अंतराल पर जल नमूने लेकर बैक्टीरिया, रसायन और गंध—रंग आदि की जांच अनिवार्य की जाए। रिपोर्टें ऑनलाइन पोर्टल और नोटिस बोर्डों पर सार्वजनिक हों। लीकेज या दूषित पानी की शिकायतों के समाधान के लिए निश्चित समय सीमा तय हो। देरी पर जिम्मेदार अधिकारी और ठेकेदार पर दंड का प्रावधान हो। जहां-जहां पाइपलाइन टूटने या दूषित जल से बीमारी या मौत होती है, वहां मुआवजे के साथ-साथ दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। नई सड़क, मेट्रो, केबल या सीवर परियोजनाओं से पहले जल-विभाग की पूर्वानुमति और तकनीकी निगरानी अनिवार्य हो ताकि खुदाई से पाइपलाइन क्षतिग्रस्त न हों। जल, सीवर, सॉलिड वेस्ट और सड़क-विकास विभागों के बीच साझा प्लानिंग और डेटा-शेयरिंग की व्यवस्था पर ध्यान देना आवश्यक है। मोहल्ला स्तर पर "जल सुरक्षा समितियां" बनाई जा सकती हैं, जिनमें नागरिक प्रतिनिधि, स्थानीय पार्षद और तकनीकी कर्मचारी मिलकर नियमित निरीक्षण और शिकायतों की निगरानी करें। स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से लोगों को सिखाया जाए कि रंग, गंध, स्वाद में मामूली बदलाव भी चेतावनी हो सकता है और ऐसे समय तुरंत परीक्षण की व्यवस्था होनी चाहिए। इंदौर की घटना पूरे जल आपूर्ति तंत्र की विफलता को उजागर करती हैं। कमोबेश ऐसे हालात समूचे देश में हैं। जब नागरिक नल खोलते हैं तो उनके मन में यह संदेह नहीं होना चाहिए कि पानी उन्हें बीमार कर देगा। सुरक्षित पेयजल वह न्यूनतम सुविधा है जिसके बिना स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सम्मानजनक जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। यह शर्म की बात है कि स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन के तहत हुई प्रगति के बावजूद, पानी से जुड़ी समस्याएं बरकरार हैं। दूषित जल के सेवन से लोगों की मौत तक हो रही है। अब समय आ गया है कि पेयजल पाइपलाइनों की देखरेख के मामले में लापरवाही को अपराध माना जाए। इसकी जिम्मेदारी तय करते हुए कड़ी सजा भी दी जाए। स्वच्छ जल की आपूर्ति सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

देश दुनिया से

मुक्त व्यापार समझौते में कृषि का बचाव

कुछ दिन पहले भारत ने न्यूजीलैंड के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे पहले भारत ऑस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम (यूके), संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन, ओमान तथा अन्य देशों के साथ भी एफटीए कर चुका है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस बात को कुछ हैरानी से देखा जा रहा है, जबकि नवंबर 2019 में भारत ने स्वयं को रीजनल कॉमप्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप (आरसीईपी) से बाहर कर लिया था, जहां ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड दोनों शामिल थे। ऐसे में यह प्रश्न उठता है कि भारत ने अब इन्हीं देशों के साथ अलग-अलग एफटीए कैसे कर लिए। आरसीईपी एक प्रस्तावित व्यापक व्यापार समझौता था, जिसमें मुक्त व्यापार से जुड़े प्रावधान शामिल थे। इसमें 16 देश- 10 आसियान देश, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान, दक्षिण कोरिया, चीन और भारत भागीदार थे। इस समझौते पर लगभग आठ वर्षों तक बातचीत चली। आम तौर पर यह माना जाता है कि भारत ने आरसीईपी से बाहर निकलने का निर्णय इसलिए लिया क्योंकि समझौते का अंतिम प्रारूप भारत की अपेक्षाओं और हितों के अनुरूप नहीं था। 4 नवंबर 2019 को आरसीईपी शिखर सम्मेलन में भाग लेते हुए प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि उनकी अंतरात्मा उन्हें इस समझौते पर हस्ताक्षर करने की अनुमति नहीं देती। उन्होंने यह भी कहा कि महात्मा गांधी की शिक्षाओं ने उन्हें इस समझौते से पीछे हटने के लिए प्रेरित किया। अब सवाल यह है कि प्रधानमंत्री को अंतिम क्षण में इस समझौते से पीछे हटने का साहसिक कदम कैसे लिया? संभवतः यह विश्व इतिहास में पहली बार था जब किसी सरकार के मुखिया ने वर्षों की बातचीत और अंतिम मसौदा तैयार होने के बाद भी, शिखर सम्मेलन में अन्य सभी नेताओं के सामने यह घोषणा की कि उनका देश इस समझौते में शामिल नहीं होगा। वास्तव में, डेयरी और कृषि ऐसे दो प्रमुख क्षेत्र थे, जिन पर भारत ने कठोर रुख अपनाया। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया की मांग थी कि आरसीईपी के सदस्य देश अपने डेयरी और कृषि बाजारों को अन्य देशों के लिए खोलें। आरसीईपी से भारत के बाहर निकलने और बाद में ऑस्ट्रेलिया तथा न्यूजीलैंड के साथ अलग-अलग मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) करने के बीच जो विरोधाभास दिखाई देता है, उसे समझने के लिए आरसीईपी की संरचना को समझना आवश्यक है। आरसीईपी में जो 16 देश शामिल थे, इनमें से 10 आसियान देशों के साथ भारत के पहले से ही मुक्त व्यापार समझौते मौजूद थे। इसके अलावा जापान और दक्षिण कोरिया के साथ भी भारत के एफटीए पहले से लागू थे। वहीं, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के साथ भी भारत की द्विपक्षीय एफटीए वार्ताएं अलग-अलग चल रही थीं। इस परिप्रेक्ष्य में केवल एक ही ऐसा देश बचता था, जिसके साथ मुक्त व्यापार समझौता भारत के लिए गंभीर जोखिम माना जा रहा था, और वह देश था चीन। इसलिए भारत ने आरसीईपी जैसे बहुपक्षीय समझौते से बाहर निकलने का विवेकपूर्ण निर्णय लिया और इसके बजाय ऑस्ट्रेलिया तथा न्यूजीलैंड के साथ अलग-अलग, द्विपक्षीय समझौते करने का रास्ता चुना। जब भारत ने अप्रैल 2022 में ऑस्ट्रेलिया के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर किए, तो कई लोगों को हैरानी हुई कि कृषि और डेयरी को बाहर रखते हुए यह समझौता कैसे किया गया। हालांकि, इस कदम की व्यापक सराहना भी हुई। अब जब न्यूजीलैंड के साथ भी मुक्त व्यापार समझौता किया गया है, और उसमें भी कृषि तथा डेयरी क्षेत्रों को बाहर रखा गया है, तो यह दृष्टिकोण और अधिक पुष्ट हो जाता है कि भारत मुक्त व्यापार समझौतों पर बातचीत करते समय अत्यंत सतर्क रहा है और उसने संवेदनशील क्षेत्रों, विशेष रूप से कृषि और डेयरी को बाहर रखने में सफलता हासिल की है। अब प्रश्न यह उठता है कि भारत जैसे देश के लिए कृषि और डेयरी की सुरक्षा को इतना महत्वपूर्ण क्यों माना गया है। आलोचक अक्सर तर्क देते हैं कि यदि कृषि और डेयरी को मुक्त व्यापार समझौतों में शामिल किया जाए, तो इससे भारतीय कृषि और डेयरी की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। उनका यह भी कहना है कि जब भारत दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है, तो उसे विदेशी प्रतिस्पर्धा से डरने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। आजीविका और खाद्य सुरक्षा : संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के आंकड़ों के अनुसार, भारत के कुल दुग्ध उत्पादन का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा छोटे और सीमांत किसानों तथा भूमिहीन श्रमिकों से आता है, जिनके पास औसतन केवल एक या दो दुधारू पशु होते हैं। इनके लिए दूध केवल अतिरिक्त आय का साधन नहीं, बल्कि रोजमर्रा के जीवन का आधार है। यह ध्यान देने योग्य है कि भारत की लगभग आधी आबादी कृषि पर निर्भर है और 8 करोड़ से अधिक परिवार यानी 36 करोड़ लोग डेयरी क्षेत्र से जुड़े हैं। इसके विपरीत, अमेरिका और न्यूजीलैंड जैसे देशों में डेयरी एक व्यापार-केंद्रित उद्योग है, जहां उत्पादन का उद्देश्य मुख्यतः निर्यात और मुनाफा होता है, न कि व्यापक ग्रामीण आजीविका। निस्संदेह, भारत को दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक होने का गौरव प्राप्त है। मात्रा की दृष्टि से देखें, तो लीटर में दुग्ध उत्पादन कई प्रमुख कृषि फसलों के किलोग्राम में उत्पादन से भी अधिक है। भारत में अधिक दूध उत्पादन के पीछे प्रमुख कारण यह है कि देश में दुग्ध उत्पादों, विशेषकर दूध, के दाम अपेक्षाकृत लाभकारी हैं, जिससे छोटे उत्पादकों को उत्पादन के लिए प्रोत्साहन मिलता है। यह भी सर्वविदित है कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच दुग्ध उत्पादों, विशेषकर मिल्क पाउडर, की कीमतों में भारी अंतर है। यदि न्यूजीलैंड का दूध या दूध पाउडर बिना शुल्क के भारत में आने लगे, तो घरेलू बाजार में कीमतों में तेज गिरावट आएगी। इसका सीधा परिणाम यह होगा कि देश के लाखों छोटे दुग्ध उत्पादक उत्पादन बंद करने को मजबूर हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में भारत न केवल दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश बने रहने का दर्जा खो देगा, बल्कि यहां एक गंभीर खाद्य सुरक्षा संकट भी उत्पन्न हो सकता है। यह समझना आवश्यक है कि दुनिया का कोई भी देश, चाहे वह कृषि उत्पाद हो या दूध, भारत जैसे विशाल देश की खाद्य आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकता। इसलिए डेयरी क्षेत्र की सुरक्षा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि आजीविका और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा से जुड़ा हुआ प्रश्न भी है। अमेरिका के साथ समझौता और कृषि : ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए टैरिफ के बाद भारत और अमेरिका, दोनों ही, एक व्यापक व्यापार समझौते पर पहुंचने के प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, इस दिशा में सबसे बड़ी बाधा कृषि क्षेत्र बनकर उभरी है। यह उल्लेखनीय है कि अमेरिका, ब्राजील के बाद, सोयाबीन का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। ट्रंप टैरिफ के बाद चीन, जो अमेरिकी सोयाबीन का सबसे बड़ा आयातक था, ने अमेरिका से आयात में भारी कटौती कर दी है। इसी तरह अमेरिका अन्य कृषि उत्पादों का भी अधिशेष उत्पादन कर रहा है, जिसके लिए वह नए विदेशी बाजार तलाश रहा है।

आप का नज़रिया

वेनेज़ुएला पर हमला

पिछले लंबे समय से डोनाल्ड ट्रंप के निशाने पर रहे वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिकी हमले के बाद गिरफ्तार करना निस्संदेह, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन है। एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण और उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाना अंतर्राष्ट्रीय दादागिरी का दुर्लभ उदाहरण है। उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ट्रंप ने ऐलान किया है कि सत्ता परिवर्तन होने तक वाशिंगटन इस लैटिन अमेरिकी देश का संचालन करेगा। यह एक खतरनाक परंपरा है, जिसकी पुनरावृत्ति अमेरिकी महाद्वीप से बाहर होने की आशंका भी बलवती हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि निकोलस मादुरो के पतन के बाद वेनेज़ुएला में मिश्रित प्रतिक्रिया होगी। अंतर्राष्ट्रीय साजिशों से मादुरो को लगातार खलनायक बनाने की कोशिशों में एक वैश्विक तंत्र लगा हुआ था। वैसे आरोप मादुरो पर लगे कि उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को खोखला किया, असहमतियों को कुचला और लाखों लोगों को निर्वासन के लिये मजबूर किया। उन पर चुनाव में धांधली और मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप भी लगते रहे हैं। लेकिन वैश्विक कूटनीति के जानकार मानते हैं कि ट्रंप के इस दांव का लक्ष्य तानाशाही के पीड़ितों को न्याय दिलाने या इस देश की संप्रभुता की रक्षा के बजाय वेनेज़ुएला के समृद्ध तेल भंडारों पर नियंत्रण हासिल करना ज्यादा रहा है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका द्वारा सैन्य अभियान चलाकर देश से बाहर किसी शासनाध्यक्ष को गिरफ्तार करना तथा वहां की सत्ता को वाशिंगटन से संचालित करना निश्चय ही साम्राज्यवादी सोच का ही पर्याय है। निस्संदेह, इस अमेरिकी निरंकुशता के गहरे भू-राजनीतिक परिणाम सामने आएंगे। यहां तक कि मादुरो का विरोध करने वाले अमेरिका के सहयोगी देश भी, अब मुखर होकर चेतावनी देने लगे हैं। रूस और चीन इस अमेरिकी कार्रवाई को नियम-कानून आधारित वैश्विक व्यवस्था के लिये खतरा बता रहे हैं। वहीं वेनेज़ुएला के इस घटनाक्रम ने चीन को अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं पर अमेरिकी आलोचना को बेअसर करने का भरपूर मौका दे दिया है। जिससे ताइवान की चिंताएं बढ़ सकती हैं। अमेरिका के इस कृत्य ने इराक और अफगानिस्तान में हमले व सेना की तैनाती की यादें ताजा कर दी हैं। ऐसे युद्ध जो अमेरिकी आत्ममुग्धता और अति-आत्मविश्वास से शुरू हुए, लेकिन उनका समापन अपमानजनक विदाई से हुआ। लेकिन इन हमलों के बाद वे देश कभी सामान्य नहीं रह पाए। वहीं ट्रंप की यह दलील कि मादुरो को पकड़ने के लिये चलाए अभियान का खर्च वेनेज़ुएला के तेल राजस्व से वसूला जाएगा, उसके प्राकृतिक संसाधनों पर अमेरिकी नियंत्रण की मंशा को ही दर्शाता है। वहीं अमेरिका ने यह स्पष्ट नहीं किया कि सुशासन, सुरक्षा के लिये वेनेज़ुएला की जनता की आकांक्षाओं वाले किस नेता को सत्ता हस्तांतरण किया जाएगा। भारत भी उन देशों में शामिल है, जिन्होंने घटनाक्रम पर चिंता व्यक्त की है। जो सही मायनों में भविष्य की वैश्विक चिंताओं के अनुरूप ही है। बहरहाल, देर-सवेर ट्रंप को अहसास होगा कि एक निरंकुश शासक को हटाना आसान है, लेकिन उस देश में दीर्घकालिक शांति-स्थिरता सुनिश्चित करने के लिये गंभीर प्रयासों की जरूरत होती है।

अंतर्राष्ट्रीय साजिशों से मादुरो को लगातार खलनायक बनाने की कोशिशों में एक वैश्विक तंत्र लगा हुआ था। वैसे आरोप मादुरो पर लगे कि उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को खोखला किया, असहमतियों को कुचला और लाखों लोगों को निर्वासन के लिये मजबूर किया। उन पर चुनाव में धांधली और मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप भी लगते रहे हैं। लेकिन वैश्विक कूटनीति के जानकार मानते हैं कि ट्रंप के इस दांव का लक्ष्य तानाशाही के पीड़ितों को न्याय दिलाने या इस देश की संप्रभुता की रक्षा के बजाय वेनेज़ुएला के समृद्ध तेल भंडारों पर नियंत्रण हासिल करना ज्यादा रहा है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका द्वारा सैन्य अभियान चलाकर देश से बाहर किसी शासनाध्यक्ष को गिरफ्तार करना तथा वहां की सत्ता को वाशिंगटन से संचालित करना निश्चय ही साम्राज्यवादी सोच का ही पर्याय है। निस्संदेह, इस अमेरिकी निरंकुशता के गहरे भू-राजनीतिक परिणाम सामने आएंगे। यहां तक कि मादुरो का विरोध करने वाले अमेरिका के सहयोगी देश भी, अब मुखर होकर चेतावनी देने लगे हैं। रूस और चीन इस अमेरिकी कार्रवाई को नियम-कानून आधारित वैश्विक व्यवस्था के लिये खतरा बता रहे हैं। वहीं वेनेज़ुएला के इस घटनाक्रम ने चीन को अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं पर अमेरिकी आलोचना को बेअसर करने का भरपूर मौका दे दिया है। जिससे ताइवान की चिंताएं बढ़ सकती हैं। अमेरिका के इस कृत्य ने इराक और अफगानिस्तान में हमले व सेना की तैनाती की यादें ताजा कर दी हैं। ऐसे युद्ध जो अमेरिकी आत्ममुग्धता और अति-आत्मविश्वास से शुरू हुए, लेकिन उनका समापन अपमानजनक विदाई से हुआ।

कुछ अलग

देने का आनंद

अमेरिकी प्रवास में भ्रमण करने एवं भाषणों के बाद स्वामी विवेकानन्द अपने निवास स्थान पर आराम करने के लिए लौटे हुए थे। उन दिनों वे अपने ही हाथों से भोजन बनाते थे। वे भोजन करने की तैयारी कर ही रहे थे कि कुछ बच्चे उनके पास आकर खड़े हो गए। उनके अच्छे व्यवहार के कारण अक्सर बच्चे उनके पास आते थे। वे सभी बच्चे भूखे लग रहे थे। स्वामी जी ने अपना सारा भोजन बच्चों में बांट दिया। वहीं पर एक महिला बैठी ये सब देख रही थी। उसने बड़े ही आश्चर्य से पूछा, 'आपने अपनी सारी रोटियां तो इन बच्चों को दे डाली, अब आप क्या खाएंगे?' स्वामी जी मुस्कुराते हुए बोले, 'माता! रोटी तो मात्र पेट की ज्वाला शांत करने वाली वस्तु है। यदि इस पेट न सही तो उनके पेट में ही सही। आखिर ये सब भगवान के अंश ही तो हैं। देने का आनंद, पाने के आनंद से बहुत बड़ा है।'

दृष्टि कोण

अरावली की परिभाषा में निहित हो संरक्षण का लक्ष्य

अरावली पहाड़ियां कभी अरबों साल पहले टेक्टोनिक प्लेटों के टकराने से बनी ऊंचे वलित पहाड़ों की शृंखला थी जो लाखों साल की टूट-फूट और कटाव से घिसकर ऊंची-नीची पहाड़ियों, चोटियों व चट्टानी उभारों की शृंखला बन गई हैं। ये पहाड़ियां 300 से 900 मीटर तक हैं, कई कम ऊंची भी हैं जबकि राजस्थान के माउंट आबू पठार पर गुरु शिखर की सबसे ऊंची चोटी समुद्र तल से 1,722 मीटर ऊंचाई तक है। हाल ही में अरावली ने पर्यावरण विशेषज्ञों, समाज और मीडिया का ध्यान खींचा जब किसी पहाड़ी को अरावली का हिस्सा मानने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एमओइएफसीसी समिति द्वारा प्रस्तावित स्थानीय तल से 100 मीटर ऊंचाई वाली शर्त मंजूर करते हुए एक फैसला सुनाया जिससे सड़कों पर विरोध और बयानबाज़ी होने लगी। 2024 में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर अरावली पहाड़ों की एक समान परिभाषा बनाने के लिए पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत तकनीकी समिति का गठन किया गया, जिसमें समुद्र तल के बजाय स्थानीय तल आधारित राजस्थान की मौजूदा परिभाषा को शामिल किया जा सके। राजस्थान की परिभाषा पर भरोसा करते हुए, समिति ने मानदंड तैयार किए कि पहाड़ी को अरावली रेंज का हिस्सा मानने के लिए इसकी ऊंचाई आसपास के स्तर से 100 मीटर होनी चाहिए या इसे अरावली शृंखला में दो योग्य पहाड़ियों के बीच 500 मीटर दायरे में होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर, 2025 को इस परिभाषा को मंजूर कर लिया, जिसका व्यापक विरोध हुआ। सरकार ने इस परिभाषा का बचाव करते हुए इसे मात्र 'तकनीकी' स्पष्टीकरण बताया और कहा कि राजस्थान में यह 2006 से लागू है व इससे अरावली की हर जगह एक जैसी सुरक्षा करने में मदद मिलेगी, जबकि आलोचना के भी यही बिंदु हैं। गत 29 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक असंतोष का हवाला देकर 20 नवंबर के अपने आदेश पर रोक लगा दी। अरावली के लिए टेक्निकल कमेटी द्वारा सुझाई समुद्र तल के बजाय लोकल-एरिया तल से

100 मीटर ऊंचाई वाली व्याख्या अपने आप में त्रुटिपूर्ण, अवैज्ञानिक और मनमानी आधारित है, न कि पहाड़ी की ऊंचाई मापने के यूनिवर्सल स्टैंडर्ड के मुताबिक। यह क्षेत्र ऐसे भी समुद्र तल से 100 मीटर से ज़्यादा ऊंचा है, यानी यहां के स्थानीय स्थल से 99 मीटर ऊंचा पहाड़ समुद्र तल से 199 मीटर ऊंचा होगा परन्तु टेक्निकल समिति की व्याख्या अनुसार यह पहाड़ अरावली का हिस्सा नहीं माना जायेगा जब तक 100 मीटर ऊंचे दो पहाड़ों के 500 मीटर दायरे में नहीं आएगा। इससे राजस्थान के 90 फीसदी पहाड़ अरावली रेंज से बाहर हो जाएंगे। भारतीय वन सर्वेक्षण मुताबिक, राजस्थान में 12081 अरावली पहाड़ियों में से सिर्फ 1048 (8.7 फीसदी) ही 100 मीटर ऊंचाई का मापदंड पूरा करेंगी। समुद्र तल एक यूनिवर्सल स्टैंडर्डाइज़्ड रेफरेंस पॉइंट है, जबकि लोकल रिलीफ मनमाना है। दूसरा, राजस्थान में एक परिभाषा है और उसी के अनुसार माइनिंग की अनुमति है, जबकि दिल्ली और हरियाणा में अरावली पहाड़ियों के लिए ऐसी कोई परिभाषा नहीं और माइनिंग पर रोक है। कमेटी ने राजस्थान लीगल कोड में अरावली को परिभाषित कर 'एक समानता' जोड़ी व इसे हरियाणा और अरावली रेंज साझा करने वाले सभी राज्यों में लागू किया, जिससे कानूनन हरियाणा में भी माइनिंग और अन्य गतिविधियों की अनुमति की राह खुलती है। परिभाषा का घोषित लक्ष्य अरावली में माइनिंग को 'रेगुलेट' करना है, न कि रोकना। दिल्ली और हरियाणा में अरावली में ज़्यादा अलग-थलग छोटी पहाड़ियां और चोटियां हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन मध्यम रहेगा। किसी भी काम को योजनाबद्ध तरीके से करने पर सफलता मिलेगी, लेकिन कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी और दिन भागदौड़ में व्यतीत होगा। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। पुराने कर्ज से छुटकारा मिल सकता है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। परिजन, दोस्त, रिश्तेदारों का पूरा सहयोग मिलेगा। जमीन-जायदाद के मामले में पड़ने से बचें, अन्यथा कानूनी विवाद में फंस सकते हैं। दाम्पत्य जीवन खुशनुमा रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन मनमुताबिक रहेगा। व्यापार लाभ देगा कामकाज अच्छा चलेगा और धन लाभ के योग भी रहेंगे, लेकिन छोटी-छोटी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा विवाद होने की संभावना रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। कर्ज किसी को भी नही देना हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज का दिन मिलाझुला रहेगा। आय के स्त्रोत बढेंगे व्यापार अच्छा चलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आकस्मिक धन लाभ के योग भी बन रहे हैं। नौकरी में मनचाही पदोन्नति की संभावना रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। दाम्पत्य जीवन भी सुखद रहेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। सेहत को लेकर सावधान रहें। धार्मिक कार्य में कुछ समय व्यतीत करें। यात्रा का योग नही हैं

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप का समय अनुकूल रहेगा। नक्षत्र बल रहेगा समय तारा अनुकूल रहने से भाग्य-वृद्धि के योग बन रहे हैं। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी। नौकरी में तरक्की मिल सकती है। कार्य-क्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन सहयोगियों की मदद से कार्य सफल होंगे। आकस्मिक धन प्राप्ति हो सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। सेहत भी अच्छी रहेगी। यात्रा पर जा रहे है तो गाय को गुड खिलाकर निकलें

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन कमजोर हैं। आमदनी मे भी रुकावटें बनेगी व्यापारिक गतिविधि मध्यम रहेंगी और छोटी-छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की भी अधिकता रहेगी, लेकिन सहकर्मियों की मदद से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। पैसों के लेन-देने और कोर्ट-कचहरी के कार्यों से दूर रहना बेहतर होगा। सेहत को लेकर सावधान रहें। छात्रो का परिणाम शतप्रतिशत रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन सामान्य से कुछ बहतर रहेगा। काम धंधा तो मध्यम रहेगा परन्तु काम मे रुकावटें नही आएगी कार्यभार की अधिकता रहने से दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। ईश्वर भक्ति मन को शांति प्रदान करेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का सहयोग भी मिलेगा। सेहत तंदुरुस्त रहेगी डीनर के समय दूध का ही सेवन करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कोई मशीन खरिदने का योग बनरहा हैं वाहन भी ले सकते है। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कार्य सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा, लेकिन ध्यान रहे कि आपकी बातों से किसी को ठेस न पहुंचे। गाय को गेहूँ का भूसा खिलाए नंदी को लाल फल खिलाए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन शानदाय हैं आप रिस्क मे भी हाथ डाल सकते हैं। नुकसान की सम्भावना कम हैं कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे कार्य आसानी से पूरे होंगे। काम को लेकर किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। परिवार का साथ रहेगा शाम को टहलने के लिए जरुर निकले।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज के दिन महनत ज्यादा करनी पडेगी। आज सहकर्मियों का सहयोग भी मिलेगा, लेकिन आशानुरूप कार्यों में सफलता नहीं मिलने से मन व्यथित रहेगा। व्यापार-धंधे में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों के प्रति रुचि बढ़ेगी। परिवार का माहौल ठीक रहेगा किसी से विवाद होने की आसंका मे अपने को दूर ही रखें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज सुबह ही कोई काम बनेगा खुशखबरी से दीन बन जाएगा। व्यवसाय में लाभ और नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। कारोबार विस्तार को लेकर योजनाएं शुरू कर सकते हैं। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक सिद्ध होगा। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन के साथ समय आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। मित्रों के साथ डीनर का प्रोग्राम बनेगा। सेहत भी जबरदस्त रहेगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का दिन थोडा व्यस्तता मे बीतेगा थकावट ज्यादा रहेगी। धंधा जरुर अच्छा चलेगा लेकिन नए कार्यों की शुरुआत करने से बचें, वरना बड़ा नुकसान होने की संभावना रहेगी। कार्यों में सफलता मिलने से धन लाभ होगा, अनावश्यक धन व्यय की भी अधिकता रहेगी। रुका हुआ पैसा मिल सकता है। उधार लेन-देन से बचें। परिश्रम और प्रयासों से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। विरोधी परास्त होंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज सुबह ही हनुमान मंदिर के दर्शन करके दिन की शुरुआत करें कार्य सिद्धि होगी। आय में वृद्धि के योग भी बन रहे हैं। हालांकि, कार्यभार की अधिकता रहेगी और कार्यों में सफलता के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा। जोखिम लेने से नुकसान उठाना पड़ सकता है, इसलिए निर्णय सोच-समझकर लें। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। दिन का पीछला भाग जरुर सुकून भरा रहेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 07 जनवरी 2026 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : माघ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी उत्तर रात्रि 06:43 तक
नक्षत्र : मघा प्रातः 11:57 तक
योग : आयुष्मान सायं 06:33 तक
करण : बालव प्रातः 06:55 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:47 , सूर्यास्त 05:56 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:43 , सूर्यास्त 06:08 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:37 , सूर्यास्त 05:59 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:37, सूर्यास्त 05:49 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है , शुक्र तारा अस्त है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल शर्मा ने राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 का किया निरीक्षण

परिवादियों से किया संवाद, सुनी समस्याएं

जयपुर, 06 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 के माध्यम से आमजन की परिवेदनाओं का गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री स्तर पर इसकी नियमित रूप से मॉनिटरिंग भी की जाती है। इसी कड़ी में शर्मा मंगलवार को शासन सचिवालय परिसर स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 पहुंचे और परिवादियों से बात कर अधिकारियों को उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु निर्देश दिए। शर्मा से जोधपुर जिले के ग्राम सुराणी निवासी छगनलाल ने उनके गांव में विद्युत वोल्टेज की समस्या का जिक्र करते हुए ट्रांसफॉर्मर लगाने का निवेदन किया। इस संबंध में मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन ने ट्रांसफार्मर लगा दिया है। साथ ही, विद्युत आपूर्ति भी शुरू हो चुकी है।

करौली जिले के नादौती के ग्राम बरदाला निवासी नवल किशोर शर्मा ने मुख्यमंत्री से हैंडपंप के संबंध में निवेदन किया। जिस पर मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को परिवाद के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। देर शाम तक परिवादी के नजदीकी स्थान पर पीएचईडी अभियंताओं ने हैंडपंप को दुरुस्त कर पुनः शुरू कर दिया।

आसींद, भीलवाड़ा के ग्राम बाराखेड़ा निवासी विष्णु ने विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी में लंबित भुगतान के संबंध में मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उनकी समस्या को भारत सरकार के अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है।

इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली, परिवादी की शिकायत पंजीकरण तथा फॉलो-अप प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन राज्य सरकार और आमजन के बीच संवाद का एक प्रभावी माध्यम है। इसके माध्यम से प्रत्येक नागरिक अपनी परिवेदना राज्य सरकार तक पहुंचा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कॉल सेंटर में दर्ज प्रत्येक समस्या का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान हो जिससे नागरिकों को संतुष्टि मिले।

डिजिटल क्रांति से नागरिक सेवाएं बनीं त्वरित पारदर्शी एवं प्रभावी : झाबर सिंह

जयपुर, 06 जनवरी (एजेंसियां)। जेईसीसी, सीतापुरा में आयोजित राजस्थान डिजिफेस्ट में तीसरे दिन मंगलवार को नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने 'आईटी के माध्यम से शहरी शासन की पुनर्कल्पना' विषय पर प्रभावशाली संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व में राजस्थान सरकार तकनीक आधारित, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित शहरी प्रशासन की दिशा में तेजी से अग्रसर है। मंत्री खर्रा ने कहा कि यूनिक प्रॉपर्टी आईडी की पहल से नागरिकों को बार-बार केवाईसी कराने की बाध्यता से मुक्ति मिली है। आधार आधारित ई-केवाईसी और ई-नगर प्रणाली के माध्यम से सेवाएं अब पूरी तरह डिजिटल हो चुकी हैं, जिससे पहले मैन्युअल प्रक्रियाओं में होने वाली मानवीय त्रुटियों की संभावना लगभग समाप्त हो गई है। उन्होंने बताया कि अब पट्टों से संबंधित कार्यों के लिए नागरिकों को जयपुर विकास प्राधिकरण के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं है। यूडीएच मंत्री ने जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) को राज्य की सभी विकास प्राधिकरणों के लिए रोल मॉडल बताया और कहा कि जेडीए ने तकनीकी नवाचारों के माध्यम से सुशासन का प्रभावी उदाहरण प्रस्तुत किया है।

निवेश के परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए खर्रा ने कहा कि राजस्थान अब केवल एमओयू साइनिंग राज्य नहीं, बल्कि एमओयू एक्जीक्यूशन राज्य बन चुका है। यही कारण है कि निवेशकों में राज्य के प्रति विशेष विश्वास और रुचि है।

अवैध मैरिज गार्डनों पर नगर निगम की सख्ती

भरतपुर, 06 जनवरी (एजेंसियां)। नगर निगम भरतपुर क्षेत्र में बिना पंजीकरण एवं बकाया शुल्क के अवैध रूप से संचालित मैरिज गार्डनों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्यवाही की गई है। नगर निगम आयुक्त श्रवण कुमार विश्नोई के निर्देशानुसार राजस्व अधिकारी तेजराम मीणा के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने मदन मोहन गार्डन एवं महताब वाटिका को सीज कर दिया।

नगर निगम प्रशासन के अनुसार, दोनों मैरिज गार्डनों ने पिछले पांच वर्षों से निगम में पंजीकरण नहीं कराया था। इसके साथ ही शहर के विभिन्न मैरिज गार्डनों पर निगम का करीब एक करोड़ रुपये का राजस्व बकाया चल रहा है। निगम द्वारा पूर्व में कई बार नोटिस जारी कर पंजीकरण और बकाया जमा कराने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन समय-सीमा में अनुपालना नहीं होने पर यह कठोर कदम उठाया गया। आयुक्त द्वारा जारी आदेश के अनुसार सीलिंग की कार्यवाही के लिए गठित टीम मेंराजस्व निरीक्षक अजीत सिंह चंद्रावत, सहायक राजस्व निरीक्षक कालूराम, मुख्य सफाई निरीक्षक विजयपाल, फायरमैन निहाल सिंह मीणा एवं ओमवीर शामिल रहे। इसके अतिरिक्त पुष्कर, धर्मवीर, रोहित एवं रवि ने भी कार्यवाही में सहयोग किया।

नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध रूप से संचालित अन्य मैरिज होमों के विरुद्ध भी यह अभियान लगातार जारी रहेगा। निगम ने सभी मैरिज होम संचालकों को चेतावनी दी है कि वे शीघ्र पंजीकरण कराकर बकाया शुल्क जमा करें, अन्यथा उनके विरुद्ध भी इसी प्रकार की कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उदयपुर में अवैध निर्माण पर यूडीए की बड़ी कार्रवाई

पहाड़ी कटिंग कर बने 4 व्यवसायिक निर्माण सील

दयपुर, 06 जनवरी (एजेंसियां)। जिला कलक्टर नमित मेहता एवं प्राधिकरण आयुक्त राहुल जैन के निर्देश तथा उपायुक्त जगदीश सिंह आशिया के आदेशानुसार उदयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा राजस्व ग्राम सरे, मोहनपुरा और बड़ी में अवैध निर्माण व पहाड़ी कटिंग के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। प्राधिकरण के अनुसार राजस्व ग्राम मोहनपुरा की आराजी संख्या 4932/1605 पर बिना स्वीकृति व्यवसायिक होटल का निर्माण किया जा रहा था। इसी प्रकार सरे क्षेत्र की आराजी संख्या 3759/1096, 3757/1096 एवं 3758/1096 पर बिना भू-उपयोग परिवर्तन, बिना सेटबैक छोड़े व्यवसायिक विला आदि का निर्माण पाया गया। इन सभी निर्माणों को पूर्व में प्राधिकरण द्वारा रुकवाते हुए निर्माण रोकने के निर्देश दिए गए थे, साथ ही नियमानुसार स्वीकृति प्राप्त करने के बाद ही निर्माण करने की पाबंदी लगाई गई थी। निर्देशों की अवहेलना किए जाने पर उदयपुर विकास प्राधिकरण अधिनियम-2023 की धारा 32 के तहत प्रकरण दर्ज कर नोटिस जारी किए गए, लेकिन न तो कोई जवाब प्रस्तुत किया गया और न ही स्वीकृति से संबंधित दस्तावेज दिए गए। इसके बाद मौके पर निर्माणाधीन तीन व्यवसायिक निर्माणों को सील किया गया।

प्राधिकरण ने बताया कि संबंधित स्थल पहाड़ी भूमि पर स्थित है, जहां अवैध रूप से पहाड़ी कटिंग कर निर्माण किया जा रहा था। पहाड़ियों से संबंधित मॉडल विनियम-2024 के तहत बिना सक्षम स्वीकृति किसी भी प्रकार का निर्माण प्रतिबंधित है, जबकि निर्माणकर्ताओं द्वारा किसी भी प्रकार की अनुमति प्राप्त नहीं की गई।

इसी क्रम में राजस्व ग्राम बड़ी की आराजी संख्या 1544 पर बिना स्वीकृति एवं बिना भू-उपयोग परिवर्तन किए जी+4 निर्माण कर 'द लेक माउंट होटल' का निर्माण किया गया। इस प्रकरण में भी अधिनियम की धारा 32 के तहत सुनवाई का अवसर दिया गया, लेकिन आज दिनांक तक कोई स्वीकृति प्रस्तुत नहीं की गई। उल्लेखनीय है कि यह स्थल सज्जनगढ़ बायो पार्क के ईको-सेंसिटिव जोन में स्थित है, जहां बिना स्वीकृति इस प्रकार का व्यवसायिक निर्माण अनुमत नहीं है। प्राधिकरण द्वारा उक्त होटल को सील किया गया।

सीलिंग की कार्रवाई के दौरान होटल मालिक दुर्गाशंकर सुथार, मदन पंडित एवं सहयोगियों द्वारा विरोध किया गया।

ईज ऑफ डूइंग की दिशा में होगा बढ़ता कदम

जयपुर, 06 जनवरी (एजेंसियां)। प्रमुख सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने कहा है कि राज्य के डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउण्डेशन ट्रस्ट डीएमएफटी का डेटा व मोनेटरिंग सिस्टम डोमेन पर उपलब्ध होना माइनिंग सेक्टर में ईज ऑफ डूइंग की दिशा में बढ़ता महत्वपूर्ण कदम होगा। खान विभाग द्वारा डीएमएफटी पोर्टल और वेबसाइट को अंतिम रुप दिया जा रहा है और इस माह के अंत तक डीएमएफटी पोर्टल और वेबसाइट औपचारिक रुप से काम करना आरंभ कर देने की तैयारी है। पोर्टल भारत सरकार के एनएमएफटी पोर्टल से इंटिग्रेटेड होने से अधिक उपयोगी व बहुआयामी हो सकेगा वहीं वेबसाइट पर केन्द्र व राज्य की खान विभाग की वेबसाइट से लिंक उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि डीएमएफटी गतिविधियों की पारदर्शिता और मोनेटरिंग में यह पोर्टल व वेबसाइट मील का पत्थर सिद्ध होगी।

केंद्र सरकार कर रही हरियाणा के हितों पर कुठराघात प्रदेश सरकार गूंगी बनी बैठी है : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 06 जनवरी (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने आज चंडीगढ़ में पत्रकार वार्ता को संबोधित किया और कहा कि केंद्र सरकार हरियाणा के हितों पर कुठराघात कर रही है और प्रदेश सरकार गूंगी बनी बैठी है। हमने फैसला किया है कि हम चुप नहीं रहेंगे, संसद से सड़क तक हरियाणा के हकों के लिए लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और प्रदेश की बीजेपी सरकार हरियाणा के हकों को पूरी तरह दरकिनार, नजरअंदाज करके चल रही है। उन्होंने भारत सरकार द्वारा गुजरात में घोषित कॉमनवेल्थ खेल 2030 व ओलंपिक 2036 का मेजबान या सह-मेजबान राज्य हरियाणा को बनाने की और क्झडउ चेयरमैन को तुरंत हटाकर 3 करोड़ हरियाणावासियों में से किसी काबिल व्यक्ति को बनाने की मांग की। दीपेन्द्र हुड्डा ने सरकार पर मुख्य रूप से 5 बड़े आरोप लगाते हुए उनका विस्तृत उदाहरण दिया। चंडीगढ़ में प्रेस वार्ता के दौरान सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने किया ऐलान हरियाणा की हितों की अनदेखी पर वे तथा उनके साथी चुप नहीं बैठेंगे, इस दौरान 2 दर्जन विधायक, 4 सांसद मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि हरियाणा ऐसा राज्य है जो कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियन गेम्स और ओलंपिक्स में 50% मेडल भारत माता के लिए जीतकर लाता है, लेकिन उसे नज़रअंदाज़ कर दिया गया। पिछले 4 ओलंपिक में देश को मिले कुल मेडल में से आधे से ज्यादा हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते। पिछले ओलंपिक में करीब 25 प्रतिशत खिलाड़ी हरियाणा से थे। हमें गर्व है कि 2006 के बाद से ओलंपिक समेत जितने भी खेल हुए उनमें 50 प्रतिशत मेडल और 25 प्रतिशत खिलाड़ियों का हिस्सा हरियाणा का है।

छः स्तम्भ पर फोकस रखते हुए नवाचार पद्धति से पारित होगा हरियाणा का वित्त बजट : सैनी

चंडीगढ़, 06 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा विकसित भारत-2047 का ग्रोथ इंजन साबित होगा। हरियाणा का योगदान देश हित में उपयोगी रहे, इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। व्यापक परामर्श, गहन अध्ययन व विशेषज्ञों की सहभागिता से हरियाणा विजन डॉक्यूमेंट-2047 बनाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को गुरुग्राम यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम में हरियाणा विजन-2047 के मद्देनजर आयोजित बजट पूर्व कार्यशाला में अपने विचार रख रहे थे।

मुख्यमंत्री ने हरियाणा विज़न 2047 रोडमैप के ध्येय के साथ वित्त वर्ष 2026- 27 के लिए इंडस्ट्री, हेल्थ, आईटी तथा एजुकेशन सेक्टर से संबंधित हितधारकों के साथ आयोजित बजट पूर्व परामर्श बैठक (प्री बजट कंसल्टेशन) में हर पहलू पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में उद्योग जगत एवं मैन्यूफैक्चरिंग इकाइयों से जुड़े विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने आगामी बजट के लिए अपने सुझाव रखे। बैठक में प्रदेश के उद्योग एवं वाणिज्य, पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह, पटौदी की विधायक बिमला चौधरी, गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

नेहरू कॉलोनी में दो परिवारों में हुई जमकर पत्थरबाजी, कई घायल, पुलिस बल तैनात

फरीदाबाद , 06 जनवरी (एजेंसियां)। फरीदाबाद के डबुआ थाना क्षेत्र स्थित नेहरू कॉलोनी में मंगलवार सुबह दो परिवारों के बीच नशा बेचने को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों तरफ से पत्थरबाजी शुरू हो गई, जिसमें कई लोग घायल हो गए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें लोग एक-दूसरे पर पत्थर फेंकते नजर आ रहे हैं। वीडियो में दोनों परिवार एक-दूसरे पर पथराव कर रहे हैं। इसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। इलाके में पथराव होने से वहां हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई। फिलहाल इलाके में तनाव का माहौल है। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दोनों तरफ से लोग घरों की छतों से पत्थर फेंकने लगे और सड़कों पर इधर-उधर भागने लगे।मिली जानकारी के अनुसार विवाद नशा तस्करी से जुड़ा बताया जा रहा है। एक पक्ष का आरोप है कि नशा तस्कर मतीन और उसके साथियों ने लतीफ के परिवार पर हमला किया। नशा बेचने से रोकने को लेकर पहले कहासुनी हुई, जो बाद में पत्थरबाजी में बदल गई। दोनों पक्षों से अब तक कोई औपचारिक शिकायत नहीं दर्ज कराई गई है।पुलिस अधिकारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और वायरल वीडियो की जांच की जा रही है। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। नेहरू कॉलोनी घनी आबादी वाला इलाका है, जहां छोटे-मोटे विवाद अक्सर होते रहते हैं। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची और इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल भी तैनात किया गया है।

एचटेट परिणाम में घोटाला करके युवाओं के साथ किया बड़ा धोखा

दोषियों पर कार्रवाई नहीं होने तक चुप नहीं बैठेगी जेजेपी : दिग्विजय चौटाला

चंडीगढ़, 06 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में साल 2024 एचटेट परीक्षा परिणाम घोटाले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर जननायक जनता पार्टी ने सड़क पर उतरकर आंदोलन छेड़ दिया है। मंगलवार को प्रदेशभर में युवा जेजेपी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जिला उपायुक्तों को राज्य के महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपे और सीबीआई जांच की मांग उठाई। जेजेपी युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा कि भाजपा सरकार में सरेआम एचटेट परीक्षा परिणाम में बड़ा घोटाला किया गया और लाखों युवाओं के साथ धोखा किया गया। उन्होंने कहा कि इस घोटाले की सही से जांच न होने और घोटाला करने वाले सभी दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं होने तक जेजेपी चुप नहीं बैठेगी। दिग्विजय चौटाला ने बताया कि जेजेपी ने ज्ञापन के माध्यम से राज्यपाल और प्रशासन के संज्ञान में हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा के वर्ष 2024 के परिणामों को लेकर सामने आई सारी गंभीर अनियमितताओं को अनेक तथ्यों के साथ डाला है। ज्ञापन में बताया गया है कि एचटेट

रिजल्ट में हुई बड़ी गड़बड़ी ने परीक्षा की पारदर्शिता, निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाएं है। दिग्विजय ने सवाल उठाते हुए कहा कि जब एचटेट परिणाम पूर्ण रूप से तैयार हो चुका था, तब उसे अचानक रिकॉल क्यों किया गया? प्रथम बार में परिणाम मात्र 30 दिनों में तैयार हो गया था, लेकिन दोबारा परिणाम तैयार करने में 110 दिन क्यों लग गए? इतना ही नहीं नए घोषित परिणाम में त्रुटि के मार्जिन के आधार पर 1284 नए अभ्यर्थियों को उत्तीर्ण घोषित कर दिया गया जबकि इन अभ्यर्थियों का परिणाम हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की वेबसाइट पर क्यों जारी नहीं किया गया और इन अभ्यर्थियों की बायोमेट्रिक प्रक्रिया पूरी क्यों नहीं की गई ? जेजेपी युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने आगे कहा कि अभ्यर्थी को अपनी ओएमआर शीट प्राप्त करने के लिए दो साल का समय दिया जाता है, लेकिन हैरानी की बात है कि नए परिणाम की प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों को केवल दस दिनों की अवधि ही प्रदान की गई। वहीं परीक्षा परिणाम जारी करने के लिए एक पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग को कार्य सौंपा गया, जबकि इस संस्था को इस प्रकार के परीक्षा परिणाम तैयार करने का कोई पूर्व अनुभव नहीं था। साथ ही दिग्विजय ने कहा कि वर्तमान बोर्ड चेयरमैन पवन शर्मा पर पूर्व में ओपीजेएस विश्वविद्यालय में अनियमितताओं और बिना अनुमति पाठ्यक्रम संचालित करने जैसे गंभीर आरोप लग चुके हैं, जिनकी शिकायत प्रधानमंत्री कार्यालय तक भी की जा चुकी है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि हरियाणा सरकार की ऐसी क्या मजबूरी थी कि उन्हें इस अत्यंत संवेदनशील एवं जिम्मेदारी पूर्ण पद पर नियुक्त किया गया।

शब्बीर-बशीर का नहीं इन्दूर का बेटा बनेगा महापौर

भाजपा जिला अध्यक्ष दिनेश कुलाचारी ने बैठक में दिया बयान

मतदाता सूची को लेकर जताया अपना विरोध

निजामाबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी नगरनिगम चुनावों को ध्यान में रखते हुए सोमवार को स्थानीय एनटीआर चौरस्ता क्षेत्र में स्थित निजामाबाद नगरनिगम कायार्लय के सभागृह में नगरनिगम आयुक्त दिलीप कुमार की अध्यक्षता में मतदाता सूची को लेकर ऑल पार्टी मीटिंग सम्पन्न हुई ।

बैठक में कांग्रेस पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, बीआरएस, वाईएसआरसीपी, सीपीएम सहित अन्य राजनीतिक पार्टियों के प्रमुख नेता उपस्थित हुए । निजामाबाद नगरनिगम के अधीन आने वाले 60 डिवीजनों में कुल 3 लाख 45 हजार 878 मतदाता है । इसी दौरान कुछ पार्टी के नेता जिनमें मुख्यतः भाजपा जिला अध्यक्ष दिनेश कुलाचारी ने मतदाता सूची की जाँच करने के बाद अपना विरोध जताते हुए कई मतदाताओं के नाम एक से अधिक डिवीजनों में पाए जाने एवं कुछ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से षड़यंत्र के तहत निकाले जाने का आरोप लगाया ।

बैठक मे उपस्थित अन्य पार्टी के नेता भाजपा जिला अध्यक्ष के आरोपों का विरोध करते हुए नारेबाजी करने लगे । कांग्रेस पार्टी के नेता निजामाबाद नगरनिगम कहकर संबोधित कह रहे तो वहीं भाजपा नेता इन्दूर नगरनिगम कह कर संबोधित करने लगे । बैठक में बढ़ती गहमागहमी को देखते हुए नगरनिगम आयुक्त दिलीप कुमार स्वयं दखलंदाजी करते हुए सभी पार्टी के नेताओं को समझाते हुए मतदाता सूची की क्षेत्रीय स्तर पर दुबारा जाँच – पडताल करवाकर वैध मतदाता सूची जारी करने का भरोसा दिया ।

बैठक में अपना पक्ष रखते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष दिनेश कुलाचारी ने कहा कि निजामाबाद नगर निगम नहीं बल्कि यह इन्दूर नगरनिगम है । क्योंकि इस बार शब्बीर या बशीर का बेटा नहीं बल्कि इन्दूर का बेटा नगरनिगम के महापौर सीट पर बैठेगा । इसी क्रम में उन्होंने आगे कहा कि सत्ता का दुरुपयोग एवं वर्ग विशेष को फायदा पहुँचाने के लक्ष्य से मतदाता सूची में गड़बड़ी की जा रही है । एमआईएम के नेताओं को इन्दूर शब्द से इसलिए इतनी नफरत है क्योंकि वे एक जाती विशेष की पार्टी है, उन्हें अन्य समाज के लोगों से कुछ लेना-देना नहीं है । चाहे कुछ भी हो जाए वे अपनी अंतिम सांस तक निजामाबाद नहीं इन्दूर ही कहेंगे । उन्होंने कहा कि यदि मतदाता सूची के नाम पर लोकतंत्र की हत्या की जाती है तो भाजपा इस पर चुप नहीं बैठेंगी । इस मुद्दे को जनता के बीच जाकर उठाएंगे और मतदाताओं में जागरुकता लेकर आएंगे । फर्जी मतों, ओंछी राजनीति एवं धमकियों का शासन अब चरम पर है जिसका अन्त बेहद ही नजदीक है । क्योंकि इन्दूर शहरवासियों के दिल में केवल भाजपा ही बसी हुई है ।

मदनूर से सबरीमाला के लिए अय्यप्पा भक्त रवाना

मदनूर, 6 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मदनूर मंडल केंद्र में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अय्यप्पा स्वामी के भक्तों ने आस्था और निष्ठा के साथ कार्तिक मास में माला धारण कर 41 दिन की कठोर तपस्या पूरी की। गुरु स्वामी के मार्गदर्शन में भक्तों ने कड़कड़ाती ठंड में प्रतिदिन प्रातःकालीन पूजा-अर्चना और अय्यप्पा सनिध्य में भजन-कीर्तन करते हुए व्रत का पालन किया।मंगलवार के दिन भक्तों ने अपना संकल्प पूर्ण करने के लिए केरल राज्य स्थित सबरीमाला में अय्यप्पा स्वामी के दर्शन हेतु प्रस्थान किया। गुरु स्वामियों ने बताया कि संक्रांति के दिन स्वामी एवं ज्योति के दर्शन के साथ ही व्रत और संकल्प पूर्ण माने जाते हैं। इस अवसर पर महाप्रसाद का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अय्यप्पा भक्तों ने भाग लेकर दर्शन और प्रसाद का लाभ प्राप्त किया।

कागजनगर में बंद घर से साढ़े सात तोला सोना और एक किलो चांदी की चोरी

कागजनगर, 6 जनवरी 2026 (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कोमाराम भीम आसिफाबाद जिले के कागजनगर कस्बे के सिरिसिलक मार्केट इलाके में एक बंद मकान से अज्ञात चोरों द्वारा साढ़े सात तोला सोना और लगभग एक किलो चांदी चोरी किए जाने की घटना प्रकाश में आई है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कागजनगर निवासी डांडे मंगा (पत्नी स्वर्गीय प्रसाद), उम्र 52 वर्ष, जाति पद्मसाली, पेशा एएनएम, सिरिसिलक कॉलोनी, कागजनगर टाउन, ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि 03.01.2026 को दोपहर में वह

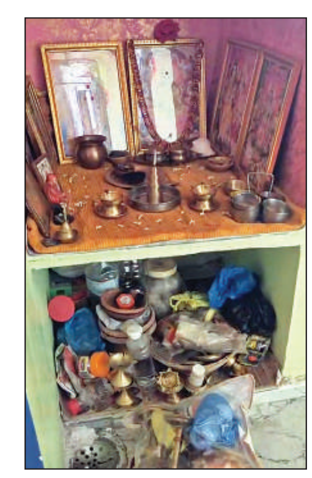

घर पर ताला लगाकर अपनी बेटी के पास हैदराबाद चली गई थीं। 05.01.2026 की सुबह लगभग 7:30 बजे श्रीधर नामक व्यक्ति ने फोन कर सूचना दी कि उनके घर का दरवाजा खुला हुआ है और घर में चोरी होने की आशंका है।शिकायतकर्ता तुरंत कागजनगर वापस लौटीं तो देखा कि घर के अंदर कपड़े और सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर पता चला कि घर में रखे करीब साढे सात तोला सोने के गहने और लगभग एक किलोग्राम चांदी ग़ायब हैं। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। क्लू टीम को भी मौके पर बुलाकर साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि घटना की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और शीघ्र ही आरोपियों का सुराग लगाने की कोशिश की जा रही है।

महेश बैंक के निदेशक कैलाश मंत्री का सम्मान

निजामाबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हाल ही में सम्पन्न हुए महेश बैंक चुनाव में संस्थापक पैनल से निदेशक के रूप में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाले कैलाश मंत्री का निजामाबाद समाज बन्धुओं द्वारा भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। शहर के मारवाड़ी गली स्थित जितेंद्र मालाणी के निवास पर आयोजित कार्यक्रम में नव-निर्वाचित निदेशक कैलाश मंत्री विशेष रूप से उपस्थित हुए।

कार्यक्रम में समाज बन्धुओं और संस्थापक पैनल के समर्थकों ने कैलाश मंत्री का शॉल ओढ़ाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया। अपने संबोधन में कैलाश मंत्री ने संस्थापक पैनल के सभी सदस्यों, शुभचिंतकों और समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत पूरे समाज और समर्थकों की सामूहिक जीत है तथा विशेष रूप से निजामाबाद समाज बन्धुओं के सहयोग को यादगार बताया। इस अवसर पर जितेंद्र मालाणी, जुगलकिशोर झँवर, वेणुगोपाल बजाज, रमेश डालिया, विनय सोनी, दीपक काबरा, जयप्रकाश लोया, रामेश्वर तोतला, सीए श्रीकांत झँवर, मधुसूदन मालू, कृष्णकुमार मालू, राम मालू, सागर मालाणी, सुरेश शाह सहित बड़ी संख्या में समाज बन्धु उपस्थित रहे।

संयुक्त आदिलाबाद में सरपंच चुनावों ने बढ़ाई कांग्रेस की चिंता

मंचेरियाल, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। संयुक्त आदिलाबाद जिले में हुए ग्राम पंचायत सरपंच चुनावों में सत्तारूढ़ कांग्रेस के लिए मिले नकारात्मक नतीजों ने पार्टी नेतृत्व की चिंता बढ़ा दी है। आदिलाबाद, आसिफाबाद और मंचेरियाल जिलों में कई स्थानों पर बीआरएस समर्थित और निर्दलीय उम्मीदवार कांग्रेस समर्थित दावेदारों पर भारी पड़े, जबकि राज्य स्तर पर कांग्रेस ने पहले चरण में बड़ी बढ़त का दावा किया था।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, चेन्नूर निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार आधी सीटें भी नहीं जीत पाए, वहीं स्वतंत्र उम्मीदवारों ने सबसे अधिक सरपंच सीटें हासिल कीं। स्थानीय नेताओं का आरोप है कि टिकट वितरण में समर्पित कार्यकर्ताओं की अनदेखी, कथित छाया नेताओं को तरजीह और मंत्रियों की उदासीनता के कारण सरपंच चुनावों में अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी।

जिला प्रभारी मंत्री जुप्पलि कृष्णा राव पर कार्यकर्ताओं की नाराजगी बनी हुई है कि पदभार संभाले कई महीने बीत जाने के बाद भी उन्होंने मंचेरियाल जिले का दौरा कर संगठन को मजबूती देने की दिशा में सक्रिय पहल नहीं की। इसी तरह, मंत्री विवेक के प्रभार वाले क्षेत्रों में भी पार्टी के कमजोर प्रदर्शन को लेकर चर्चा जारी है और नेताओं का मानना है कि यदि यही स्थिति रही तो आगामी नगरपालिका चुनावों में कांग्रेस को और बड़े झटकों का सामना करना पड़ सकता है।

मदनूर में सनातन हिंदू धर्म जागृति महासभा 12 को

मदनूर, 6 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सनातन हिंदू धर्म प्रचारक ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री श्री श्री सद्गुरु महादेव स्वामीजी के नेतृत्व में श्री विवेकानंद स्वामी और श्री राजमाता जीजामाता की जयंती के उपलक्ष्य में सनातन हिंदू धर्म जागृति महासभा का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 12-01-2026, सोमवार, सुबह 10:30 बजे गुरु फंक्शन हॉल, मारवाड़ी गली, मदनूर में आयोजित होगा। इस पावन अवसर पर स्वामीजी के आशीर्वाद से अनेक संत-महात्मा प्रवचन देंगे और भक्तों को आशीर्वाद प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्री श्री ब्र. सद्गुरु 108 सोमलिंग शिवाचार्य स्वामीजी (बिचकुंडा), श्री श्री ब्र. सद्गुरु 108 शिवानंद शिवाचार्य स्वामीजी तमलूरकर (मदनूर), श्री श्री ब्र. सद्गुरु 108 मल्लिकार्जुन शिवाचार्य स्वामीजी (कौलास) तथा श्री श्री ब्र. सद्गुरु 108 मल्लिकार्जुन शिवाचार्य स्वामीजी (खतगांव) के प्रवचन व आशीर्वाद का लाभ भक्तों को मिलेगा। आयोजकों ने सभी सनातन हिंदू भाइयों-बहनों से अपील की है कि वे अपने परिवार सहित इस धर्म जागृति कार्यक्रम में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

मंचेरियाल सीमेंट कंपनी के पुनरुद्धार की मांग पर कर्मचारियों की भूख हड़ताल शुरू

मंचेरियाल, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल सीमेंट कंपनी (पूर्व नाम एसीसी) के पुनरुद्धार की मांग को लेकर कर्मचारियों ने सोमवार से एक सप्ताह तक चलने वाली रिले भूख हड़ताल शुरू कर दी। श्रमिकों ने कंपनी की संपत्तियों की नीलामी के विरोध में अपने परिवार के सदस्यों के साथ कंपनी के मुख्य द्वार पर धरना देते हुए सरकार से सीमेंट निर्माण इकाई को पुनर्जीवित करने की अपील की।

आंदोलनकारी श्रमिकों का कहना है कि प्रबंधन द्वारा उत्पादन बंद किए जाने और कर्मचारियों की छंटनी के बाद उनका जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है।

उनका आरोप है कि कंपनी की भूमि और संपत्तियों की नीलामी अवैध है, जिसे रोकने के लिए सरकार को तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए।

कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि नीलामी जारी रही तो 67 साल पुरानी इस कंपनी का गौरवशाली इतिहास और इसके पुनरुद्धार की उनकी वर्षों पुरानी उम्मीदें एक झटके में खत्म हो जाएंगी।

जानकारी के अनुसार, इंडियन बैंक ने कंपनी प्रबंधन द्वारा 54.04 करोड़ रुपये का कर्ज नहीं चुका पाने के कारण 12 जनवरी को कंपनी की संपत्तियों की नीलामी के लिए नोटिस जारी किया है।

वित्तीय संकट के कारण एमसीसी वर्ष 2000 से ही बंद होने की कगार पर है। जिला मुख्यालय में हैदराबाद-नागपुर राजमार्ग से सटे लगभग 350 एकड़ भूमि पर फैले इस संयंत्र की स्थापना 1958 में उन्नत जर्मन तकनीक के साथ की गई थी, जिसकी शुरुआती उत्पादन क्षमता 1,000 मीट्रिक टन प्रति दिन रही, लेकिन समय के साथ पुरानी तकनीक के कारण उत्पादन क्षमता और प्रदर्शन में भारी गिरावट दर्ज की गई।

गलतियों से भरी मसौदा मतदाता सूची पर भाजपा का गंभीर आरोप

भाजपा जिला अध्यक्ष नगुनूरी वेंकटेश्वर गौड़ ने उठाए सवाल

मंचेरियाल, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा जिला अध्यक्ष नगुनूरी वेंकटेश्वर गौड़ ने मंचेरियाल नगर निगम एवं जिले की विभिन्न नगरपालिकाओं की मसौदा मतदाता सूची में गंभीर त्रुटियों का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में व्यापक स्तर पर गलतियां पाई गई हैं, जिससे चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।नगुनूरी वेंकटेश्वर गौड़ ने बताया कि कई डिवीजनों में रूट मैप उपलब्ध न होने के कारण अन्य डिवीजनों के मतदाताओं के नाम गलत तरीके से शामिल कर दिए गए हैं। इससे वास्तविक मतदाताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और सूची की विश्वसनीयता प्रभावित हो रही है।

भाजपा जिला अध्यक्ष ने बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) की लापरवाही पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची तैयार करने में घोर उदासीनता बरती गई है और इसमें सत्ताधारी दल से मिलीभगत की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता।नगुनूरी वेंकटेश्वर गौड़ ने जिला निर्वाचन अधिकारी एवं आरडीओ को ज्ञापन सौंपते हुए सभी त्रुटियों को शीघ्र सुधारने, आपत्तियां दर्ज कराने की समय-सीमा बढ़ाने तथा राजनीतिक दलों को भौतिक (हार्ड कॉपी) रूप में मतदाता सूची उपलब्ध कराने की मांग की।इस अवसर पर जिला महामंत्री दुर्गामा अशोक, वरिष्ठ नेता बेल्लकोंडा मुरली, कासेट्टी नागेश्वर राव, मंत्री रामय्या, गर्मिल्ला जोन महामंत्री श्रीनिवास सहित कई भाजपा नेता उपस्थित रहे।

बेल्लमपल्ली में गांजा बेचने वाला युवक गिरफ्तार, 36 ग्राम सूखा गांजा जब्त

बेल्लमपल्ली, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गांजा की अवैध तस्करी और बिक्री पर रोक लगाने के अभियान के तहत बेल्लमपल्ली टू टाउन पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से 36 ग्राम सूखा गांजा बरामद किया। संदिग्ध परिस्थितियों में घूमते पाए जाने पर पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसके बाद उसके कब्जे से गांजा भरा पैकेट और एक मोबाइल फोन जब्त किया गया।टू टाउन एसआई सी.एच. किरण कुमार ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे वह पुलिस कर्मियों के साथ सर्कल पेट्रोलिंग पर थे, तभी बेल्लमपल्ली रेलवे स्टेशन के पास एक युवक संदिग्ध हालात में दिखा। पूछताछ में उसकी पहचान कोनुरी रामकृष्ण (23), निवासी मालागुरिजाला, बेल्लमपल्ली के रूप में हुई। जांच के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि वह महाराष्ट्र के बल्लारशा रेलवे स्टेशन से कम कीमत पर गांजा खरीदकर बेल्लमपल्ली क्षेत्र में बेचता था।एसआई ने चेतावनी दी कि युवाओं का भविष्य बर्बाद करने वाले गांजा और अन्य नशे के कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तिरयानी मंडल में स्कूल बच्चों के लिए कानून जागरूकता सम्मेलन

आसिफाबाद, 6 जनवरी (रमेश सोलंकी)।

जिला एसपी नितिका पंत (आईपीएस) के आदेशानुसार एएसपी चितरंजन के नेतृत्व में तिरयानी मंडल स्थित एमपीयूपीएस स्कूल में भरोसा टीम द्वारा बालक-बालिकाओं के लिए कानून जागरूकता सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को कानूनी अधिकारों, सुरक्षा और आत्मरक्षा से संबंधित बुनियादी जानकारी देना रहा।

कार्यक्रम में भरोसा टीम की प्रभारी महिला एसआई तिरुमाला ने बताया कि भरोसा केंद्र किस प्रकार बच्चों और महिलाओं की मदद करता है तथा विशेष रूप से यौन उत्पीड़न और बलात्कार पीड़ितों को मिलने वाली सहायता और सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। भरोसा के लीगल काउंसलर ने छात्राओं को सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श, पॉक्सो अधिनियम, उसके अंतर्गत होने वाली सख्त सज़ाओं तथा बाल विवाह निषेध कानून के बारे में जागरूक किया और कहा कि कानून की जानकारी और अच्छी शिक्षा के माध्यम से ही वे समाज में ऊंचा मुकाम हासिल कर सकती हैं।

बालिकाओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने, वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों को समझने और उनसे सतर्क रहने की सीख दी गई। बच्चों को मोबाइल फोन के फायदे और नुकसान, फेसबुक, व्हाट्सऐप, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सावधानी से उपयोग करने और फोटो-वीडियो शेयर करते समय सजग रहने की सलाह दी गई। भरोसा और शी टीम द्वारा जिले में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी गई और किसी भी आपात स्थिति में पुलिस हेल्पलाइन 100 और भरोसा हेल्पलाइन नंबर 8712670561 पर संपर्क करने की अपील की गई। कार्यक्रम में गांव के लोग, स्कूली छात्र-छात्राएं, शिक्षक और भरोसा टीम के सदस्य मौजूद रहे।

सबसे बड़े गोल्फ एमेच्योर टूर्नामेंट बीएमडब्ल्यू कप 2026 की भारत में वापसी

गुरुग्राम,06 जनवरी (एजेंसियां)।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने मंगलवार को बीएमडब्ल्यू गोल्फ कप 2026 के 16वें संस्करण के कार्यक्रम की घोषणा की। इसके साथ ही भारत के प्रमुख एमेच्योर गोल्फ टूर्नामेंट की एक बार फिर जोरदार वापसी हो रही है। आयोजकों के अनुसार यह अब तक का सबसे बड़ा बीएमडब्ल्यू गोल्फ कप होगा, जिसमें देशभर के 2,200 से अधिक एमेच्योर गोल्फर हिस्सा लेंगे।

बीएमडब्ल्यू गोल्फ कप 2026 का आयोजन इस बार और भी व्यापक स्तर पर किया जाएगा। टूर्नामेंट के तहत देश के 13 शहरों में कुल 19 क्वालिफाइंग प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इन शहरों में चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, दिल्ली, वडोदरा, जयपुर, बेंगलुरु, लखनऊ, पटना, कोलकाता और गुरुग्राम शामिल हैं। ये मुकाबले भारत के चुनिंदा और प्रतिष्ठित गोल्फ कोर्स पर खेले जाएंगे।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के प्रेसिडेंट और सीईओ हरदीप सिंह बराड़ ने कहा, बीएमडब्ल्यू गोल्फ कप सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि खेल उत्कृष्टता, समुदाय और यादगार अनुभवों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। 2026 में हम इसका दायरा बढ़ा रहे हैं, जमीनी स्तर पर भागीदारी को मजबूत कर रहे हैं और खिलाड़ियों व मेहमानों के लिए अनुभव को और बेहतर बना रहे हैं। हम पूरे भारत में गोल्फरों की नई पीढ़ी का स्वागत करने के लिए उत्साहित हैं।

इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में ओमेगा, एतिहाद, टेलरमेड, बैलेंटाइन्स और एचएसबीसी जैसे बड़े ब्रांड्स की भागीदारी भी इसे और खास बनाएगी। बीएमडब्ल्यू गोल्फ कप दुनिया की सबसे बड़ी एमेच्योर गोल्फ टूर्नामेंट सीरीज में से एक है। इसकी शुरुआत करीब 25 साल पहले ब्रिटेन में बीएमडब्ल्यू इनविटेशन टूर्नामेंट के रूप में हुई थी, जो पहले पांच वर्षों तक स्वतंत्र रूप से संचालित हुआ। बाद में यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैल गया और यह एक वैश्विक शृंखला बन चुका है। वर्तमान में इसमें 40 से अधिक देशों में लगभग 1,000 क्वालिफाइंग टूर्नामेंट होते हैं, जिनमें करीब एक लाख खिलाड़ी भाग लेते हैं।

बीएमडब्ल्यू गोल्फ कप 2026 में दो श्रेणियां होंगी–

कैटेगरी ए: हैंडीकैप 12 तक, कैटेगरी बी: हैंडीकैप 13 से 28 तक, दोनों कैटेगरी के विजेता नेशनल फाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगे। नेशनल फाइनल में प्रत्येक श्रेणी के विजेता बीएमडब्ल्यू गोल्फ कप के वर्ल्ड फाइनल में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, जहां तीन अलग-अलग श्रेणियों में व्यक्तिगत खिताब के लिए मुकाबला होगा।

न्यूज ब्रीफ

आईसीसी महिला टी-20 रैंकिंग में हरमनप्रीत कौर को फायदा, दीप्ती शर्मा ने गंवाया शीर्ष स्थान

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टी20आई सीरीज के पांचवें और अंतिम मुकाबले में शानदार प्रदर्शन का फायदा उठाते हुए आईसीसी महिला टी-20आई बल्लेबाजी रैंकिंग में दो स्थान की छलांग लगाई है। भारतीय आलराउंडर दीप्ती शर्मा को गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान गंवाना पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से बताया गया कि तिरुवनंतपुरम में खेले गए आखिरी टी-20आई में हरमनप्रीत कौर ने 43 गेंदों पर 68 रन की मैच जिताऊ पारी खेली थी, जिसके लिए उन्हें प्लेयर आफ द मैच चुना गया। इस प्रदर्शन के बाद वह बल्लेबाजी रैंकिंग में 13वें स्थान पर पहुंच गई हैं और अब टाप-10 के करीब हैं। दीप्ती शर्मा गेंदबाजी रैंकिंग में आस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज आलराउंडर एनाबेल सदरलैंड से पीछे खिसककर दूसरे स्थान पर चली गई हैं। दीप्ती का एक विकेट पर 28 रन का प्रदर्शन उन्हें शीर्ष पर बनाए रखने के लिए पर्याप्त नहीं रहा। सदरलैंड ने 736 रेटिंग अंकों के साथ फिर से नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है, जबकि दीप्ती उनसे एक अंक पीछे हैं। सदरलैंड इससे पहले अगस्त 2025 में भी नंबर-1 बनी थीं, जब पाकिस्तान की स्पिनर सादिया इकबाल ने शीर्ष स्थान गंवाया था। सीरीज में भारत की 5-0 की क्लीन स्वीप जीत के बाद अन्य खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार देखने को मिला है।

यूनाइटेड कप: मर्टेंस की जीत से बेल्जियम ने कनाडा को हराया, ग्रुप विजेता का फैसला अब मिक्स्ड डबल्स पर

सिडनी। एलिस मर्टेंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को विक्टोरिया म्बोको को 6-3, 3-6, 6-3 से हराया और यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट में बेल्जियम की कनाडा पर जीत पक्की कर दी। यह मुकाबला 2 घंटे 5 मिनट तक चला। इससे पहले जिजू बर्ग्स ने वर्ल्ड नंबर-5 फेलिक्स आगर-अलियासिमे को 6-4, 6-2 से हराकर बेल्जियम को क्वार्टरफाइनल के बेहद करीब पहुंचा दिया। हालांकि टाई जीतने के बावजूद बेल्जियम को नाकआउट में पहुंचने के लिए क्लीन स्वीप की जरूरत है। यदि कनाडा मिक्स्ड डबल्स जीतता है, तो वही टीम अगले दौर में प्रवेश करेगी। मर्टेंस की मजबूत सर्विस, निर्णायक साबित हुई मर्टेंस ने अपनी दमदार सर्विस के दम पर पहला सेट अपने नाम किया। उन्होंने शुरुआती चार सर्विस गेम्स में एक भी अंक गंवाए बिना होल्ड किया और छठे गेम में म्बोको की सर्विस ब्रेक कर बढ़त बना ली। हालांकि दूसरे सेट में म्बोको ने जबरदस्त जज्बा दिखाते हुए मुकाबले में वापसी की, लेकिन निर्णायक सेट में मर्टेंस ने फिर नियंत्रण हासिल कर लिया। चौथे गेम में 0-30 से पिछड़ने के बावजूद मर्टेंस ने ब्रेक हासिल किया और अंत तक बढ़त बनाए रखी। डब्ल्यूटीए के अनुसार, मर्टेंस ने मैच में अपनी पहली सर्विस पर 93 प्रतिशत अंक जीते, जो उनकी जीत का बड़ा कारण रहा। बर्ग्स ने रचा उलटफेर इससे पहले पुरुष एकल में जिजू बर्ग्स ने शानदार खेल दिखाते हुए फेलिक्स आगर-अलियासिमे को 1 घंटे 28 मिनट में हराया। यह बर्ग्स के करियर की दूसरी टाप-10 जीत रही।

एफकान 2025: मिस्र ने बेनिन को 3-1 से हराकर अंतिम-16 में किया प्रवेश

अगादिर। मिस्र के कप्तान मोहम्मद सलाह ने 124वें मिनट में निर्णायक गोल दागकर अफ्रीका कप आफ नेशंस (एफकान) 2025 के अंतिम-16 मुकाबले में बेनिन पर 3-1 से रोमांचक अतिरिक्त समय की जीत दिलाई। कड़े संघर्ष वाले इस मैच में बेनिन ने अंत तक मिस्र को कड़ी टक्कर दी, लेकिन अनुभव और गुणवत्ता ने अंततः मिस्र का पलड़ा भारी कर दिया। नयमित समय में मारवान अतिया के गोल से मिस्र ने बढ़त बनाई, जिसे जोडेल डोसोउ ने बराबर कर दिया। अतिरिक्त समय में यासिर इब्राहिम के हेडर से मिस्र फिर आगे हुआ और फिर सलाह ने लंबी दूरी से शानदार गोल कर मुकाबला मिस्र की झोली में डाल दिया। यह सलाह का एफकान में 10वां गोल रहा। रिकार्ड सात बार के चैंपियन मिस्र अब क्वार्टरफाइनल में शनिवार को डिफेंडिंग चैंपियन आइवरी कोस्ट या बुर्किना फासो से भिड़ेगा। यह मुकाबला भी अगादिर में ही खेला जाएगा। मैच के बाद मिस्र के कोच होसाम हसन ने कहा, मैंने पहले ही कहा था कि यहां कोई आसान टीम नहीं होती। बेनिन ने हमें कड़ी चुनौती दी। मिस्र एक बड़ी टीम है और मैं अपने लोगों को खुश करना चाहता हूं। मोहम्मद हम्दी की चोट चिंताजनक है, लेकिन खिलाड़ियों ने उनके लिए खेल दिखाया। वहीं बेनिन के कोच गर्नोट रोहर ने कहा, यह एक बेहतरीन लड़ाई थी, फुटबाल के साथ जज्बे की भी। मिस्र के खिलाड़ियों का स्तर अलग है। हमारे स्टार स्ट्राइकर स्टीव मौनी की गैरमौजूदगी हमें भारी पड़ी, खासकर हवाई खेल में। मैच का हाल मिस्र ने अपने पिछले ग्रुप मैच की तुलना में टीम में 10 बदलाव किए, केवल इब्राहिम आदेल को बरकरार रखा गया।

एशेज पांचवां टेस्ट : स्टीव स्मिथ के शतक से ऑस्ट्रेलिया मजबूत, तीसरे दिन स्टंप्स तक ली 134 रनों की बढ़त

सिडनी,06 जनवरी (एजेंसियां)।

एशेज सीरीज के पांचवें और आखिरी टेस्ट मैच में आस्ट्रेलिया ने कप्तान स्टीव स्मिथ के नाबाद शतक की बदौलत मजबूत स्थिति बना ली है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले जा रहे मुकाबले के तीसरे दिन स्टंप्स तक आस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 124 ओवर में 7 विकेट पर 518 रन बना लिए और इंग्लैंड पर 134 रन की बढ़त हासिल कर ली। स्टंप्स के समय कप्तान स्टीव स्मिथ 205 गेंदों पर 129 रन बनाकर नाबाद थे, जिसमें 15 चौके और एक छक्का शामिल रहा। उनके साथ ब्यू वेबस्टर 58 गेंदों पर 42 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। आस्ट्रेलिया ने दिन की शुरुआत 91 ओवर में 6 विकेट पर 377 रन से की थी। उस समय स्टीव स्मिथ 115 गेंदों पर 65 रन और कैमरन ग्रीन 13 गेंदों पर 8 रन बनाकर खेल रहे थे। आस्ट्रेलिया ने 98वें ओवर में 400 रन पूरे किए और स्मिथ-ग्रीन के बीच 50 रन की साझेदारी 101वें ओवर में पूरी हुई। हालांकि, 108वें ओवर में तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स ने कैमरन ग्रीन (64 गेंदों पर 37 रन, 3 चौके, 1 छक्का) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद स्मिथ ने पारी को संभालते हुए 110वें ओवर में अपना 37वां टेस्ट शतक पूरा किया। उन्होंने यह उपलब्धि 166 गेंदों में हासिल की। इस शतक के साथ स्मिथ एशेज इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने इंग्लैंड के महान खिलाड़ी जैक हाब्स (3636 रन) को पीछे छोड़ा। इस सूची में सबसे ऊपर आस्ट्रेलिया के दिग्गज डान ब्रैडमैन हैं, जिन्होंने एशेज में 5028 रन बनाए थे। यह स्मिथ का एशेज में 13वां शतक भी रहा, जिससे उन्होंने जैक हाब्स (12 शतक) को पीछे छोड़ दिया। इस मामले में उनसे आगे केवल डान ब्रैडमैन (19 शतक) हैं। स्मिथ और ब्यू वेबस्टर ने इसके बाद आस्ट्रेलिया की बढ़त को 100 रन के पार पहुंचाया। 121वें ओवर में स्मिथ ने जोश टंग के खिलाफ दो चौके लगाकर आस्ट्रेलिया को 500 रन के पार पहुंचाया। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक आस्ट्रेलिया 518/7 के स्कोर पर था। इससे पहले, इंग्लैंड ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 97.3 ओवर में 384 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए जो रूट ने शानदार 242 गेंदों पर 160 रन की पारी खेली, जबकि हैरी ब्रूक ने 97 गेंदों पर 84 रन बनाए।

मैनचेस्टर सिटी को बड़ा झटका: जोस्को ग्वार्डियोल की दाहिने पैर की पिंडली की हड्डी में फ्रैक्चर, होगी सर्जरी

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर सिटी के डिफेंडर जोस्को ग्वार्डियोल को बड़ा झटका लगा है। क्लब ने पुष्टि की है कि रविवार को चेल्सी के खिलाफ खेले गए 1-1 के ड्रा मुकाबले के दौरान उनके दाहिने पैर की पिंडली (टिबिया) में फ्रैक्चर हो गया है। 23 वर्षीय क्रोएशियाई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी की इस सप्ताह सर्जरी की जाएगी। ग्वार्डियोल को स्टैमफोर्ड ब्रिज में खेले गए मुकाबले में दूसरे हाफ की शुरुआत में हाफवे लाइन के पास एक अजीब टक्कर के बाद चोट लगी, जिसके चलते उन्हें 51वें मिनट में मैदान छोड़ना पड़ा। पहले से ही चोटों से जूझ रही सिटी की रक्षा पंक्ति को यह एक और बड़ा झटका है। मैच के करीब आधे घंटे बाद ही टीम के दूसरे नियमित सेंटर-बैक रूबेन डियास भी चोट के कारण बाहर हो गए। क्लब की ओर से जारी बयान में कहा गया, मैनचेस्टर सिटी पुष्टि करता है कि जोस्को ग्वार्डियोल के दाहिने पैर में टिबियल फ्रैक्चर हुआ है। डिफेंडर की इस सप्ताह सर्जरी होगी और चोट की गंभीरता व रिकवरी अवधि का आकलन जारी है। मैच के आखिरी 10 मिनट शेष रहते डियास को भी मैदान से बाहर जाना पड़ा, जिससे मुकाबले के नाजुक मोड़ पर सिटी की रक्षापंक्ति और कमजोर हो गई। चोट के बाद ग्वार्डियोल ने इंस्टाग्राम पर भावुक संदेश साझा करते हुए लिखा, यह एक कठिन पल है, लेकिन यही मेरी पहचान नहीं है। मुझे पता है मैं कौन हूं और कहां से आया हूं। मैं हर दिन और मजबूत होकर लौटने के लिए लड़ूंगा। मैं फिर उठूंगा, पहले से बेहतर। डिफेंस में संकट, युवा खिलाड़ी को बुलाया गया बढ़ती चोट समस्याओं को देखते हुए सिटी ने अपने अकादमी ग्रेजुएट मैक्स एलीन को चैम्पियनशिप क्लब वाटफोर्ड से लोन से वापस बुला लिया है। 20 वर्षीय एलीन को बुधवार को ब्राइटन के खिलाफ लीग मुकाबले के लिए स्क्वाड में शामिल किया जा सकता है। मैच के बाद मैनेजर पेप गार्डियोला ने डियास की चोट पर कहा, हां, यह मांसपेशियों की समस्या लग रही है। मैंने डाक्टर से बात नहीं की है, लेकिन अगर रूबेन बाहर गए हैं तो जरूर उन्हें कुछ महसूस हुआ होगा।

शूटिंग लीग ऑफ इंडिया: सक्रिय निशानेबाज़ों की अनोखी फ्रेंचाइज़ी बनी मुंबई एक्स कैलिबर्स

नई दिल्ली,06 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय खेलों में फ्रेंचाइज़ी ओनरशिप आमतौर पर बोर्डरूम तक सीमित रहती है, लेकिन आगामी शूटिंग लीग आफ इंडिया (एसएलआई) में हिस्सा लेने जा रही मुंबई एक्स कैलिबर्स इस सोच से बिल्कुल अलग राह पर चल रही है। इस फ्रेंचाइज़ी की सबसे खास बात यह है कि इसके तीनों मालिक खुद सक्रिय शूटर्स हैं—जो भारतीय पेशेवर खेलों में अब तक देखने को नहीं मिला।

रोनक पंडित, जो 2006 राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुषों की 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल (पेयर) स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं, इन दिनों दिल्ली में चल रही 68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता में अपने सह-मालिक जाहिर हवा के साथ हिस्सा ले रहे हैं। उनके साथ भारतीय निशानेबाज़ फैयाज़ विरानी भी इस फ्रेंचाइज़ी के सह-मालिक हैं। खिलाड़ी और मालिक—दोनों भूमिकाओं में सक्रिय रहना भारतीय खेलों में एक अभूतपूर्व उदाहरण है।

25 साल से अधिक समय से शूटिंग से जुड़े जाहिर हवा के लिए इस लीग में निवेश करना एक स्वाभाविक फैसला था। उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा, जैसे ही मैंने लीग के बारे में सुना, मैंने तय कर लिया कि इसका हिस्सा बनना है। शूटिंग से मेरा गहरा लगाव है। इस उम्र में खेल से जुड़े रहने और उसे कुछ लौटाने का यह सबसे बेहतर तरीका है।

रोनक पंडित के अनुसार, शूटिंग लीग का मकसद सिर्फ कुछ दिनों की प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं है।

उन्होंने कहा, यह लीग केवल दो हफ्तों के टूर्नामेंट के बारे में नहीं है। यह खेल को ज्यादा सुलभ बनाने और टैलेंट पूल को बड़ा करने का मंच है, ताकि लंबे समय में फायदा निशानेबाज़ों को मिले।

मुंबई एक्स कैलिबर्स के मालिक सिर्फ एक मजबूत टीम ही नहीं, बल्कि मुंबई शहर की पहचान को भी फ्रेंचाइज़ी में उतारना चाहते हैं।

जाहिर हवा ने कहा, टीम को अपने शहर की आत्मा को दर्शाना चाहिए। तभी लोग उससे जुड़ते हैं। मुंबई की अपनी एक ऊर्जा और महत्वाकांक्षा है, जिसे हम फ्रेंचाइज़ी के हर पहलू में दिखाना चाहते हैं।

इस बात को आगे बढ़ाते हुए रोनक पंडित ने कहा, फैंस सिर्फ जीत के लिए नहीं, बल्कि शहर, भाषा, रंग और मूल्यों से जुड़ाव के कारण टीम को सपोर्ट करते हैं। हमारी पहचान के केंद्र में मुंबई की संस्कृति और वाइब है।

पीटरसन से बोले युवराज, कैंसर की बात पता चलने पर लगा अब बच नहीं पाउंगा

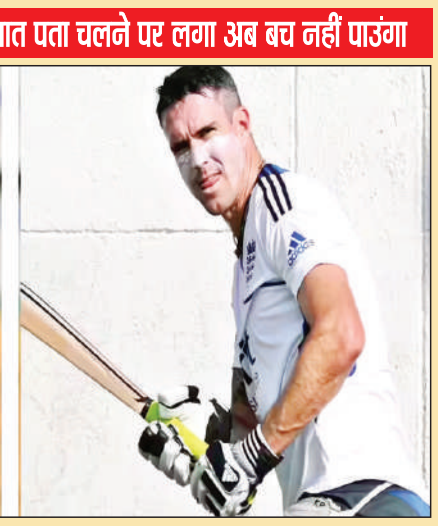

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी आलराउंडर युवराज सिंह ने अपनी जिंदगी में कैंसर जैसी गंभीर बिमारी से लड़कर भी खेल में वापसी की थी। भारत को 2011 विश्वकप में जीत दिलाने वाले युवराज ने इंग्लैंड के पूर्व आलराउंडर केविन पीटरसन से बातचीत के दौरान उन पलों के बारे में बताया है जब उन्हें डाक्टर ने कैंसर होने की बात बतायी थी। तब उनसे कहा था कि आपके पास तीन से छह महीने का ही समय बचा है पर फिर भी युवराज विचलित नहीं हुए और उन्होंने जीने का जुनून बनाये रखा। पीटरसन से बातचीत में युवराज ने कैंसर के खिलाफ मुकाबले को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें डर लग रहा था कि वह शायद नहीं बच पाएंगे। डाक्टरों ने उनसे कह दिया कि उनके पास जीने के लिए सिर्फ 3 से 6 महीने हैं। अब आपको फैसला करना है कि इस समय में आप क्रिकेट खेलना चाहेंगे या इलाज कराना। युवराज ने कहा, तब मैं आस्ट्रेलिया टूर पर जाना चाहता था क्योंकि मैंने टेस्ट क्रिकेट में जगह पाना अभी शुरू ही किया था। मैं रिटायर होना नहीं चाहता था और मैं टेस्ट में जगह मिलने का 7 साल से इंतजार कर रहा था। आपको पता है कि मैं 40 टेस्ट मैचों में 12वां खिलाड़ी रहा हूं।

विजय हजारे ट्राफी में अमन राव का दोहरा शतक चोट से वापसी पर श्रेयस अय्यर का अर्धशतक

नई दिल्ली,06 जनवरी (एजेंसियां)।

विजय हजारे ट्राफी 2025-26 में मंगलवार को कई शानदार प्रदर्शन देखने को मिले। हैदराबाद के ओपनर अमन राव के शानदार दोहरे शतक और चोट से वापसी कर रहे मुंबई के कप्तान श्रेयस अय्यर की आक्रामक 82 रन की पारी टूर्नामेंट में सबसे बड़े आकर्षण रहे।

हरियाणा बनाम आंध्र प्रदेश - हरियाणा के लिए एचजे राणा की बेहतरीन 112 रन की पारी की बदौलत टीम ने 324 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। पार्थ वत्स ने 60 गेंदों पर 69 रन बनाए, जिसमें पांच चौके शामिल थे। आंध्र प्रदेश की ओर से राजू ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 9.5 ओवर में 44 रन देकर पांच विकेट झटके, जबकि साकेत राम ने 3/61 विकेट लिए। आंध्र को जीत के लिए 325 रन का लक्ष्य मिला।

सौराष्ट्र बनाम सर्विसेज - पहले बल्लेबाजी करते हुए सौराष्ट्र ने 50 ओवर में 5 विकेट पर 349 रन बनाए। एच. देसाई ने 114 गेंदों पर 110 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 13 चौके शामिल रहे। सर्विसेज के लिए पुलकित नारंग ने तीन विकेट चटकाए।

मुंबई बनाम हिमाचल प्रदेश - चोट के बाद वापसी करते हुए मुंबई के कप्तान श्रेयस अय्यर ने 53 गेंदों पर 82 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 10 चौके और तीन छक्के शामिल थे। हालांकि सूर्यकुमार यादव (21) और यशस्वी जायसवाल (15) बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। खबर लिखे जाने तक मुंबई 32.3 ओवर में 7 विकेट पर 298 रन बना चुकी थी।

उत्तर प्रदेश बनाम विदर्भ - उत्तर प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 339 रन बनाए। ओपनर अभिषेक गोस्वामी ने 109 गेंदों पर 103 रन की शतकीय पारी खेली। उनके अलावा ध्रुव जुरेल (56), प्रियम गर्ग (67) और कप्तान रिंकू सिंह (57) ने अहम योगदान दिया।

हैदराबाद बनाम बंगाल- हैदराबाद के अमन राव ने टूर्नामेंट की सबसे यादगार पारी खेलते हुए 154 गेंदों पर 200 रन ठोक दिए। उनकी पारी में 12 चौके और 13 छक्के शामिल थे। अमन के दोहरे शतक की बदौलत हैदराबाद ने 50 ओवर में 5 विकेट पर 352 रन बनाए। बंगाल की ओर से मोहम्मद शमी ने 3/70 विकेट लिए।

कर्नाटक बनाम राजस्थान - कर्नाटक ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 324 रन बनाए। मयंक अग्रवाल ने 107 गेंदों पर 100 रन और देवदत्त पडिक्कल ने 82 गेंदों पर 91 रन की शानदार पारी खेली। पडिक्कल इस टूर्नामेंट के इतिहास में तीन अलग-अलग सीजन में 600 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए।

गुजरात बनाम ओडिशा- गुजरात ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 333 रन बनाए। आर्या देसाई (54), उर्विल पटेल (64), अहान पोद्दार (64) और अक्षर पटेल (73) ने उपयोगी पारियां खेलीं।

आस्ट्रेलियन ओपन ने घोषित की रिकार्ड इनामी राशि, कुल प्राइज पूल 111.5 मिलियन आस्ट्रेलियाई डालर

मेलबर्न,06 जनवरी (एजेंसियां)।

आस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के आयोजकों ने मंगलवार को टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे बड़ी इनामी राशि की घोषणा की। इस साल का कुल प्राइज पूल 111.5 मिलियन आस्ट्रेलियाई डालर (एयूडी) होगा, जो पिछले साल के 96.5 मिलियन डालर की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है।

सीजन के पहले ग्रैंड स्लैम में पुरुष और महिला एकल वर्ग के विजेताओं को 2.79 मिलियन आस्ट्रेलियाई डालर की पुरस्कार राशि मिलेगी। यह पिछले वर्ष के 2.35 मिलियन डालर से 19 प्रतिशत ज्यादा है। उपविजेता को 2.15 मिलियन डालर, जबकि सेमीफाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों को 1.25 मिलियन डालर प्रत्येक मिलेंगे। क्वालिफाइंग राउंड की इनामी राशि में 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है, जबकि सभी एकल और युगल खिलाड़ियों को कम से कम 10 प्रतिशत की वृद्धि मिलेगी।

मुख्य ड्रा के पहले दौर में हारने वाले खिलाड़ियों को अब 1.5 लाख आस्ट्रेलियाई डालर मिलेंगे। टेनिस आस्ट्रेलिया के सीईओ क्रेग टाइली ने कहा, इनामी राशि में 16 प्रतिशत की यह बढ़ोतरी हर स्तर पर टेनिस करियर को समर्थन देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

2023 से क्वालिफाइंग प्राइज मनी में 55 प्रतिशत की वृद्धि से लेकर खिलाड़ियों की सुविधाओं में सुधार तक हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि पेशेवर टेनिस सभी खिलाड़ियों के लिए टिकाऊ बने। उन्होंने आगे कहा कि यह प्राइज मनी बढ़ोतरी समर आफ टेनिस के तहत टेनिस आस्ट्रेलिया के 135 मिलियन आस्ट्रेलियाई डालर के निवेश का हिस्सा है, जिससे सैकड़ों पेशेवर खिलाड़ियों के करियर को समर्थन मिलेगा। मेलबर्न पार्क में तीन सप्ताह तक चलने वाला ग्रैंड स्लैम 12 जनवरी से शुरू होगा। आधिकारिक ड्रा 15 जनवरी को ग्रैंड स्लैम ओवल के फैन स्टेज पर निकाला जाएगा, जहां गत चैंपियन यानिक सिनर और मैडिसन कीज़ की मौजूदगी की उम्मीद है।

इनामी राशि (पुरुष व महिला एकल)

- **विजेता:** एयूडी 2.79 मिलियन (+19%)
- **उपविजेता:** एयूडी 2.15 मिलियन (+13%)
- **सेमीफाइनल:** एयूडी 1.25 मिलियन (+14%)
- **क्वार्टरफाइनल:** एयूडी 7.5 लाख (+13%)
- **चौथा दौर:** एयूडी 4.8 लाख (+14%)
- **तीसरा दौर:** एयूडी 3.27 लाख (+13%)
- **दूसरा दौर:** एयूडी 2.25 लाख (+13%)
- **पहला दौर:** एयूडी 1.5 लाख (+14%)

क्वालिफाइंग राउंड (प्रति राउंड):

- **क्यू3:** एयूडी 83,500 (+16%)
- **क्यू2:** एयूडी 57,000 (+16%)
- **क्यू1:** एयूडी 40,500 (+16%) है।

कैट 1-4 मई तक भारत मंडपम में भारतीय व्यापार महोत्सव आयोजित करेगा : खंडेलवाल

नई दिल्ली,06 जनवरी (एजेंसियां)।

कारोबारी संगठन कन्फेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) 1 से 4 मई तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 का आयोजन करेगा। यह पहल आत्मनिर्भर भारत, वोकल फार लोकल एवं लोकल टू ग्लोबल के आह्वान के अनुरूप शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य देश के घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सुदृढ़ करना तथा भारत के व्यापारिक परचम को अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्थापित करना है।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने मंगलवार को नई दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन में चार दिवसीय भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में टैरिफ और वैश्विक संघर्षों के चलते विश्व में बड़े परिवर्तन आए हैं। कैट इसे भारत की सामूहिक क्षमताओं को सशक्त करने के एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखता है। इसी क्रम में देशभर में भारतीय व्यापार मूवमेंट शुरू किया जा रहा है, जिसकी पहली प्रमुख पहल के रूप में 1 मई से 4 मई तक भारत मंडपम में इसका आयोजन करेगा, जो भारत का अबतक का सबसे बड़ा राष्ट्रीय व्यापार एक्सपो होगा। खंडेलवाल ने मीडिया से कहा कि भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 (बीवीएम 2026) भारतीय कामन मार्केट का उत्सव होगा और वन नेशन-वन मार्केट की भावना के तहत भारतीय व्यापार, विनिर्माण, सेवाओं एवं उद्यमिता की सामूहिक शक्ति, विविधता और एकता को प्रदर्शित करेगा। इसमें भारत की पुरातन संस्कृति एवं सभ्यता से व्यापार के जुड़ाव को भी प्रभावी रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। इस महोत्सव को देशभर में लोकप्रिय बनाने के लिए एक वीडियो गीत भी लान्च किया गया। खंडेलवाल ने बताया कि बीवीएम 2026 का आयोजन पूरी तरह मेड इन इंडिया, मेड फार इंडिया, मेड फार द वर्ल्ड की परिकल्पना के अनुरूप किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह भारतीय व्यापारियों, एमएसएमई, महिला एवं युवा उद्यमियों, निर्माताओं एवं सेवा प्रदाताओं की वास्तविक क्षमता को एक राष्ट्रीय एवं वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करेगा। कैट महामंत्री ने बताया कि भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 में देशभर से 2000 से अधिक प्रदर्शनी स्टाल, 2 लाख से अधिक व्यापारी तथा लगभग 10 लाख लोगों के चार दिनों में भाग लेने का लक्ष्य तय किया गया है। व्यापार महोत्सव में बड़ी मात्रा में व्यापार सौदों, साझेदारियों एवं भारतीय उत्पादों में निवेश होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इस स्वदेशी एक्सपो में एमएसएमई, महिला उद्यमी, कारीगर, स्टार्टअप्स, युवा स्टेट ऊप्स, कोआपरेटिव संस्थाएं, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), पारंपरिक एवं विरासत आधारित उत्पादों के प्रदर्शन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके साथ ही निर्यात विस्तार के साथ आयात प्रतिस्थापन को भी सशक्त रूप से प्रोत्साहित किया जाएगा। यह प्रदर्शनी 24 से अधिक क्षेत्रों एवं वर्टिकल्स में फैली होगी और इसे आठ जोनों बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) ज़ोन, प्रदर्शनी एवं उत्पाद प्रदर्शन ज़ोन, निवेश एवं वित्त ज़ोन, पर्यटन, संस्कृति एवं हस्तशिल्प ज़ोन, शिक्षा, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण ज़ोन, टेस्ट्स आफ इंडिया (क्षेत्रीय खाद्य) ज़ोन, वुमेन और यूथ, कौशल विकास और ट्रेनिंग में बांटा जायेगा। उन्होंने बताया कि बीवीएम 2026 की प्रमुख विशेषताओं में बायर-सेलर मीट्स, स्टार्टअप पिचिंग प्लेटफार्म, आन-द-स्पाट ऋण एवं फंडिंग सहायता, निवेशक बैठकें, उत्पाद लान्च, निर्यात सुविधा डेस्क, बिजनेस शोकेस तथा व्यापार सुधार, ईज़ आफ डूइंग बिज़नेस एवं घरेलू व्यापार को सुदृढ़ करने पर केंद्रित एक सशक्त नीति संवाद मंच शामिल होगा। खंडेलवाल ने आगे कहा कि भारतीय कामन मार्केट लेन-देन और विनिमय के लिहाज से संभवत: दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है, जिसका प्रमाण हमारा विश्वस्तरीय यूपीआई डिजिटल इकोसिस्टम है।

न्यूज़ ब्रीफ

बैंक धोखाधड़ी मामले में एमटेक ग्रुप के पूर्व चेयरपर्सन को जमानत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 27,000 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी मामले में एमटेक ग्रुप के पूर्व चेयरपर्सन अरविंद धाम को जमानत दे दी है। न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द किया था, जिसमें पहले धाम को जमानत देने से इनकार किया गया था। न्यायमूर्ति आराधे ने कहा कि अदालत ने धाम की अपील स्वीकार कर ली है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 19 अगस्त 2024 को धाम की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने कहा था कि समय से पहले रिहाई जांच की जवाबदेही कमजोर कर सकती है। ईडी ने एमटेक आटो, एआरजी लिमिटेड, एसीआईएल लिमिटेड, मेटलिस्ट फोर्जिंग लिमिटेड, कास्टेक्स टेक्नोलाजीज लिमिटेड और अरविंद धाम समेत अन्य के खिलाफ धन शोधन रोधी कार्रवाई की। दिवालिया कंपनियों की 550 करोड़ रुपये से अधिक संपत्तियों को अस्थायी जब्त किया गया और सितंबर 2024 में 5,115.31 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की गईं। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर 27 फरवरी 2024 को पीएमएलए के तहत जांच शुरू की गई। धाम को जुलाई 2024 में गिरफ्तार किया गया और सितंबर 2024 में आरोपपत्र दायर हुआ। जांच में पाया गया कि समूह की कंपनियों को दिवालियापन प्रक्रिया से गुजारा गया, जिससे बैंकों को 80 फीसदी से अधिक नुकसान हुआ। ईडी के अनुसार एमटेक की सभी संपत्तियां अपराध की प्रत्यक्ष आय के रूप में दर्ज हैं और ये धाम की कंपनियों और ऋण देने वाले बैंकों के पास हैं।

आईआरईएफ ने बजट में चावल निर्यात को बढ़ावा देने मांगा प्रोत्साहन

नई दिल्ली। भारतीय चावल निर्यातक संघ (आईआरईएफ) ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से 2026-27 के केंद्रीय बजट में निर्यातकों के लिए विशेष वित्तीय प्रोत्साहनों की मांग की है। संघ ने निर्यात ऋण पर 4 फीसदी ब्याज सब्सिडी और सड़क एवं रेल माल ढुलाई के लिए 3 फीसदी समर्थन की सिफारिश की।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

उस्मानिया...

अक्टूबर में स्पष्ट निर्देश दिए जाने के बावजूद अब तक कोई जवाब दाखिल नहीं किया गया है। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए मामले को तीन सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया है।

जीओ सं. 115 की वैधता पर सवाल

अदालत ने याचिकाकर्ता के उस आवेदन को स्वीकार कर लिया है जिसमें विशेष रूप से जीओ एमएस नंबर 115 को चुनौती दी गई है। इसी आदेश के तहत गोशामहल में 31.39 एकड़ सरकारी भूमि अस्पताल निर्माण के लिए आवंटित की गई थी। याचिकाकर्ता के वरिष्ठ वकील एल. रविचंदर ने दलील दी कि यह जीओ (सरकारी आदेश) ही भूमि आवंटन की मुख्य नींव है और इसे चुनौती देना आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि सूचना का अधिकार के तहत मांगने पर भी उन्हें यह प्रति नहीं दी गई थी और उन्हें इसकी जानकारी सरकार के अन्य संदर्भों से मिली।

ऐ भाई जरा...

एक महत्वपूर्ण धमनी गलियारा है, जिसका उपयोग कार्यालय जाने वालों, छात्रों, मालवाहक वाहनों और नागपुर की ओर जाने वाले यात्रियों द्वारा दैनिक आधार पर किया जाता है।

यात्रा समय हुआ दोगुना-सुरक्षा पर भी खतरा

सड़क की वर्तमान स्थिति, बैरिकेडिंग और डायवर्जन के कारण जो यात्रा सामान्य तौर पर एक घंटे में पूरी होती थी, उसमें अब दो घंटे या उससे अधिक का समय लग रहा है। कई स्थानों पर सड़क की सतह बुरी तरह क्षतिग्रस्त है, जिससे न केवल ट्रैफिक जाम लग रहा है बल्कि अक्सर दुर्घटनाएं और वाहन खराब होने की घटनाएं भी हो रही हैं।

निर्माण कार्यों में सुस्ती और ठेकेदार की लापरवाही के आरोप

पत्र में उल्लेख किया गया है कि फ्लाईओवर निर्माण के लिए महीनों से लंबी खुदाई की गई है, लेकिन खंभों या सर्विस रोड के काम में कोई खास प्रगति नहीं दिख रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि ठेकेदार ने काम को लगभग छोड़ दिया है। उेठथअ ने मांग की है कि इस मामले को प्राथमिकता दी जाए और जल्द से जल्द सुधारात्मक कदम उठाए जाएं ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला गैबियन टेक्नोलोजी का आईपीओ, आठ जनवरी तक लगा सकते हैं बोली

नई दिल्ली,06 जनवरी (एजेंसियां)।

स्टील गैबियंस का निर्माण करने वाली कंपनी गैबियन टेक्नोलाजी इंडिया लिमिटेड का 29.16 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में आठ जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद नौ जनवरी को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 12 जनवरी को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 13 जनवरी को बीएसई के एएएमई प्लेटफार्म पर लिस्ट हो सकते हैं।

गैबियन टेक्नोलाजी इंडिया लिमिटेड के आईपीओ में बोली लगाने के लिए 76 रुपये से लेकर 81 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 1,600 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स दो लाट यानी 3,200 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 2,59,200 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 36 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं।

आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले पांच जनवरी को गैबियन टेक्नोलाजी इंडिया लिमिटेड ने आठ एंकर इनवेस्टर्स से 8.28 करोड़ रुपये जुटाए। इन एंकर इनवेस्टर्स में एचडीएफसी बैंक लिमिटेड, नियो डायनामिक स्ट्रेटजिक फंड, मास्टर ग्रोथ 369, वारटन अपार्च्यूनिटीज फंड, एसबी अपार्च्यूनिटीज फंड, टाइगर स्ट्रेटजीज फंड, 360 वन ट्रेजरी साल्यूशन फंड और विकासा इंडिया ईआईएफ फंड के नाम शामिल हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.38 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.33 प्रतिशत हिस्सा, नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.27 प्रतिशत हिस्सा और मार्केट मेकर्स के लिए 5.02 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए जीवाईआर कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं केफिन टेक्नोलाजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। जबकि गिरिराज स्टाक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 3.41 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 5.82 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 6.63 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में नवंबर 2025 के अंत तक कंपनी को 4.30 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी मामूली उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 78.88 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 104.97 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में फिसल कर 101.17 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष में 30 नवंबर 2025 तक कंपनी को 60.66 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 29.46 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 36.37 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 46.71 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष में नवंबर 2025 तक कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 52.05 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 7.97 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 13.71 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 12.02 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष में 30 नवंबर 2025 तक ये 16.32 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमार्टाइजेशन) 2022-23 में 6.39 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 13.16 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का ईबीआईटीडीए 15.06 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष 30 नवंबर 2025 तक ये 10.76 करोड़ रुपये के स्तर पर रहा।

एयर इंडिया के लिए नए सीईओ की तलाश में टाटा समूह, हटेंगे कैंपबेल विल्सन

नई दिल्ली,06 जनवरी (एजेंसियां)।

टाटा समूह ने विमानन कंपनी एयर इंडिया की अगुवाई करने के लिए मौजूदा प्रमुख कैंपबेल विल्सन की जगह नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) की तलाश शुरू की दी है। विल्सन का कार्यकाल 2027 में खत्म होने वाला है, लेकिन उससे पहले भी कैंपबेल विल्सन को हटाया जा सकता है।

आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि पिछले साल जून में हुए एयर इंडिया विमान हादसे के बाद एयरलाइन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इससे टाटा समूह अब नए हाथों में एयर इंडिया कमान सौंपना चाहता है इस बीच समूह अपनी अनुषंगी कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस के लिए भी एक नए प्रबंध निदेशक (एमडी) की नियुक्ति पर विचार कर रहा है। इस पद पर कार्यरत आलोक सिंह का कार्यकाल 2027 में पूरा होने वाला है। अहमदाबाद विमान हादसे के बाद आए उतार-चढ़ाव और विमानन कंपनी के निजीकरण के बावजूद एयरलाइन की कमजोर वित्तीय स्थिति इसकी मुख्य वजह मानी जा रही है। टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन इस पद के लिए कई अनुभवी एयरलाइन अधिकारियों से बातचीत कर चुके हैं। इस बीच एयर इंडिया बोइंग 787-8 विमान दुर्घटना की अंतिम रिपोर्ट जून के आसपास आने की उम्मीद है। विल्सन सोमवार को एक निर्धारित बैठक में शामिल होने के लिए टाटा हाउस में मौजूद थे। विल्सन को जुलाई 2022 में एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) के रूप में नियुक्त किया गया था। टाटा समूह ने जनवरी 2022 में सरकार से एयर इंडिया का अधिग्रहण किया था।

बिटकॉइन 3 हफ्ते के उच्च स्तर पर, निवेशकों में उत्साह

न्यूयार्क। बिटकाइन की कीमत 2.3 फीसदी बढ़कर तीन हफ्ते के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। यह वर्तमान में 93,000 डालर (लगभग 83.7 लाख रुपए) के नीचे कारोबार कर रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि अक्टूबर में हुए मार्केट क्रैश के बाद बिटकाइन ने पहली बार 50 दिन का मूविंग एवरेज पार किया, जिसे बाजार के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। साल 2026 में बिटकाइन अब तक करीब 6 फीसदी बढ़ चुका है, जो बाजार में धीरे-धीरे स्थिरता लौटने का संकेत है। पिछले कई हफ्तों से यह सीमित दायरे में फंसा हुआ था। हालांकि क्रिसमस की छुट्टियों के दौरान शेयर बाजार में आई तेजी का इसका फायदा नहीं हुआ। विश्लेषकों के अनुसार, 50 दिन का औसत पार करना भविष्य में कीमतों की ओर बढ़त का संकेत दे सकता है, जिससे निवेशकों में उत्साह बढ़ा है।

गैल्वानेक्स्ट 2026 : गैल्वनाइज्ड व कलर-कोटेड स्टील पर वैश्विक विशेषज्ञों का जमशेदपुर में होगा जुटान

नई दिल्ली,06 जनवरी (एजेंसियां)।

गैल्वनाइज्ड और कलर-कोटेड स्टील्स के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर मंथन के लिए गैल्वानेक्स्ट 2026 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 08 और 09 जनवरी को जमशेदपुर के ताज विवांता होटल में किया जाएगा। इस सम्मेलन का आयोजन इंडियन इंस्टीट्यूट आफ मेटल्स (आईआईएम) जमशेदपुर चैप्टर, टाटा स्टील लिमिटेड, सीएसआईआर-नेशनल मेटलर्जिकल लेबोरेटरी, इंटरनेशनल जिंक एसोसिएशन (इजा) और इंडिया लीड जिंक डेवलपमेंट एसोसिएशन (इल्जदा) के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है।

टाटा स्टील की ओर से मंगलवार को दी गई जानकारी के अनुसार, यह सम्मेलन विशेष रूप से गैल्वनाइज्ड और कलर-कोटेड स्टील्स पर केंद्रित होगा, जिसमें देश-विदेश के शिक्षाविदों, उद्योग प्रतिनिधियों और तकनीकी विशेषज्ञों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की गई है। सम्मेलन में टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू, एएमएनएस (इंडिया), आर्सेलर (अमेरिका), एचबीआईएस (चीन) जैसी प्रमुख स्टील कंपनियों के अलावा जान काकरेल, एंड्रिट्ज़, लैमिफ्लेक्स, योगीजी डिजी, ईएमजी, इंडस्ट्रोनैनो, ब्रुकर, पायनियर फर्नेस प्राइवेट लिमिटेड, थर्मोफिशर साइंटिफिक, एटीएस टेक्नो, जेओएल और एमएसएमई पार्टनर आस्टिन पेंट्स जैसी अग्रणी तकनीकी कंपनियां अपने नवाचारों और अनुभवों को साझा करेंगी। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी (अमेरिका), सेंट्रल सुपेलेक (फ्रांस), आईआईटी कानपुर, आईआईटी भुवनेश्वर, आईआईटी जोधपुर और आईआईटी जम्मू जैसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक एवं शोध संस्थानों के विशेषज्ञ भी भाग लेंगे। बढ़ती औद्योगिक मांग और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने वाली उन्नत कोटिंग तकनीकों की आवश्यकता के मद्देनज़र, यह सम्मेलन उभरती चुनौतियों और नवाचारी समाधानों पर केंद्रित रहेगा। गैल्वानेक्स्ट 2026 में जिन प्रमुख विषयों पर चर्चा होगी, उनमें एडवांस्ड हाई स्ट्रेंथ स्टील्स (एएचएसएस) की गैल्वनाइजिंग, जिंक-एल्यूमिनियम-मैग्नीशियम एवं अन्य मिश्रधातु कोटिंग्स, कलर कोटिंग में नवाचार, जंग प्रतिरोध और टिकाऊपन के अध्ययन, सतत विकास और सर्कुलैरिटी मुख्य रूप से शामिल हैं।

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली,06 जनवरी (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान उछाल के साथ बंद होने में सफल रहे। इसी तरह एशियाई बाजार में भी आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वाल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जान्स 600 अंक की मजबूती के साथ आल टाइम हाई के नए रिकार्ड स्तर तक पहुंचा। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.64 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,902.09 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 154.63 अंक यानी 0.67 प्रतिशत की छलांग लगा कर 23,390.26 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 106.47 अंक यानी 0.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 49,082.65 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,004.57 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,211.50 के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 329.35 अंक यानी 1.32 प्रतिशत उछल कर 24,868.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार मजबूती के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता सेट कंपोजिट इंडेक्स फिलहाल 0.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,276.51 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.09 प्रतिशत की मजबूती के साथ 26,344 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.22 प्रतिशत तेजी के साथ 4,467.24 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 508.76 अंक यानी 1.93 प्रतिशत उछल कर 26,856 अंक के स्तर पर आ गया है।

इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,069.38 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,732.28 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 279.16 अंक यानी 0.93 प्रतिशत की तेजी के साथ 30,384.20 अंक के स्तर पर, निक्केई इंडेक्स 449.20 अंक यानी 0.87 प्रतिशत उछल कर 52,282 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,891.53 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

म्हारो भाग्यनगर
शुभ लाभ
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 07 जनवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रोहा एवं राजस्थान धार्मिक यात्रा को लेकर सभा सम्पन्न

भाग्यनगर के अग्रजनों के लिए पहली बार नि:शुल्क हवाई धार्मिक यात्रा

हैदराबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। रघुनाथमल गीताबाई गोयल चैरिटेबल ट्रस्ट एवं वेंकटेश्वरा ग्रुप, हैदराबाद के तत्वावधान में भाग्यनगर के अग्रजनों के लिए आयोजित की जा रही निशुल्क धार्मिक यात्रा को लेकर एक महत्वपूर्ण सभा संपन्न हुई। इस यात्रा के अंतर्गत श्रद्धालुओं को अग्रोहा धाम सहित राजस्थान के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे।

वेंकटेश्वरा ग्रुप के चेयरमैन नरेंद्र गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस धार्मिक यात्रा के दौरान यात्रियों को अग्रोहा धाम, झुंझनू स्थित रानी सती दादी मंदिर, सालासर बालाजी मंदिर, जीन माता मंदिर एवं खाटू श्याम जी मंदिर के दर्शन कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सभी यात्रियों का पंजीकरण पूर्ण हो चुका है।

20 जनवरी से शुरू होगी हवाई यात्रा

यात्रा 20 जनवरी को हैदराबाद से विमान द्वारा दिल्ली के लिए रवाना होगी। दिल्ली से बस द्वारा अग्रोहा पहुंचकर रात्रि विश्राम किया जाएगा। इसके पश्चात अन्य धार्मिक स्थलों के दर्शन करते हुए श्रद्धालु खाटू श्याम जी पहुंचेंगे और वहां विश्राम करेंगे। 22 जनवरी को बाबा श्याम के दर्शन उपरांत जयपुर के लिए प्रस्थान किया जाएगा, जहां से विमान द्वारा हैदराबाद वापसी होगी।

यात्रियों के लिए आवश्यक निर्देश

यात्रा के परामर्शदाता सुरेश अग्रवाल ने बताया कि सभी यात्रियों को संपूर्ण यात्रा अवधि के दौरान अपना ओरिजिनल आधार कार्ड अनिवार्य रूप से साथ रखना होगा। उन्होंने यात्रा को सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने के लिए सभी निर्देशों का पालन करने की अपील की।

भाग्यनगर के इतिहास में पहली निशुल्क हवाई धार्मिक यात्रा

यह भाग्यनगर के इतिहास में हर्ष का विषय है कि पहली बार अग्रजनों के लिए ऐसी निशुल्क हवाई धार्मिक यात्रा आयोजित की जा रही है, जिसमें हैदराबाद से हैदराबाद तक का संपूर्ण खर्च ट्रस्ट द्वारा वहन किया जा रहा है।

सभा में यात्रा प्रायोजक नरेंद्र कुमार गोयल, यात्रा परामर्शदाता सुरेश अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, विनय जैन तथा यात्रा संयोजक दिनेश कुमार मोदी एवं गहमती अलका मिंडा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

तेलंगाना जेल विभाग के डीआईजी डॉ. डी. श्रीनिवास से भेंट कर नववर्ष की बधाई एवं पहाडी श्याम मंदिर में 23 जनवरी को आयोजित होने वाले तृतीय वार्षिकोत्सव के लिए आमंत्रित करते हुए मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया ।

सखी सहेली महिला शाखा, गोशामहल का न्यू ईयर एवं वार्षिक उत्सव 9 को

हैदराबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना, गोशामहल की सखी सहेली महिला शाखा द्वारा न्यू ईयर एवं वार्षिक उत्सव कार्यक्रम 9 जनवरी 2025 को बेगमपेट स्थित पिज़्ज़ा जोन में आयोजित किया जाएगा। यह निर्णय शाखा की हाल ही में आयोजित बैठक में लिया गया।शाखा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम के अंतर्गत सभी सदस्यों के लिए अनलिमिटेड फूड की व्यवस्था रहेगी। इसके साथ ही तंबोला, फन गेम्स, डांस और मस्ती से भरपूर गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिससे सभी सदस्य आनंदमय वातावरण में नववर्ष का स्वागत कर सकें।शाखा पदाधिकारियों ने सभी सदस्यों से अनुरोध किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं और इस उत्सव का भरपूर आनंद लें।

बैठक में शाखा अध्यक्ष दीपा अग्रवाल, उपाध्यक्ष संगीता पटवारी, मानद मंत्री नीलम संघी, सह मंत्री शिखा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष एकता गुप्ता, के.एस. आरती अग्रवाल, वर्षा पित्ती, सुमन अग्रवाल, पायल अग्रवाल, कीर्ति गुप्ता, प्रीति पटवारी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम को लेकर सभी सदस्यों में उत्साह का माहौल है।

पहाड़ी हनुमान मंदिर में श्री शीतला माताजी खिचड़ी प्रसाद कार्यक्रम श्रद्धा व भव्यता के साथ सम्पन्न

हैदराबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पहाड़ी हनुमान मंदिर, सिकंदराबाद के पावन प्रांगण में संघी समिति द्वारा आयोजित श्री शीतला माताजी का खिचड़ी प्रसाद कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन में बड़ी संख्या में संघी परिवारों ने सहभागिता करते हुए श्री शीतला माताजी के दर्शन किए, आशीर्वाद प्राप्त किया एवं प्रसाद ग्रहण किया। पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण व्याप्त रहा।कार्यक्रम के दौरान समिति के अध्यक्ष नागेंद्र संघी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए समाज में एकता, संस्कार और सेवा भावना को और अधिक सुदृढ़ करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज को जोड़ने और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जाती है।

समिति के उपाध्यक्ष पंकज संघी एवं सचिव प्रभात संघी ने मंच संचालन करते हुए समाज के मेधावी विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा प्रमाण-पत्र एवं उपहार प्रदान करने हेतु आमंत्रित किया तथा उन्हें निरंतर प्रगति के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता एवं पूर्व राज्यसभा सांसद गिरीश संघी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि बद्रीविशाल बंसल विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। अतिथियों ने संघी समिति द्वारा किए जा रहे धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों की सराहना की।

इसके पश्चात गिरीश संघी, सुबोध संघी, भूपेंद्र संघी, निर्मला संघी एवं कविता संघी द्वारा 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के संघीजन का सम्मान किया गया, जिससे समाज में वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान और आदर का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में सलाहकार प्रताप नारायण संघी, सुबोध संघी, राजेंद्र संघी, भूपेंद्र संघी सहित समिति के सभी पदाधिकारी अध्यक्ष नागेंद्र संघी, उपाध्यक्ष पंकज संघी एवं श्रद्धा संघी, सचिव प्रभात संघी, संयुक्त सचिव अवधेश संघी एवं संजय संघी तथा कोषाध्यक्ष अनिल संघी उपस्थित रहे।

साथ ही कार्यकारिणी सदस्य गीता देवी संघी, निर्मला संघी, कविता संघी, गौरव संघी, विवेक संघी, प्रेम संघी, महेश संघी, शशि संघी, जितेंद्र संघी, अनुज संघी, सुजीत संघी, आशीष संघी एवं लक्ष्मीनारायण संघी की सक्रिय सहभागिता रही। सभी सदस्यों के सामूहिक सहयोग से यह आयोजन सफल, अनुकरणीय एवं स्मरणीय बन गया।

सीआईएसएफ के नव नियुक्त जवानों के लिए ईसीआईएल में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

तकनीकी गतिविधियों और राष्ट्रीय सुरक्षा में भूमिका पर दिया गया विशेष प्रशिक्षण

हैदराबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), हैदराबाद में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के नव नियुक्त जवानों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सीआईएसएफ के जवानों को ईसीआईएल की विभिन्न तकनीकी गतिविधियों, कार्यप्रणाली और संस्थान की भूमिका से अवगत कराना रहा।

कार्यक्रम के दौरान ईसीआईएल के प्रबंधक एवं प्रभारी (कॉरपोरेट प्रशिक्षण एवं विकास) डॉ. राजनारायण अवस्थी ने संस्थान का परिचय देते हुए बताया कि ईसीआईएल भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन एक अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है, जिसकी स्थापना वर्ष 1967 में की गई थी। प्रारंभ में इसका उद्देश्य देश के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम की नियंत्रण एवं उपकरणीकरण (सीएंडआई) आवश्यकताओं में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना था।उन्होंने बताया कि ईसीआईएल कंप्यूटर, नियंत्रण प्रणाली और संचार इन तीन प्रमुख प्रौद्योगिकी क्षेत्रों पर कार्य करते हुए अनेक उत्पादों के डिजाइन, विकास, निर्माण और विपणन में संलग्न है।

डॉ. अवस्थी ने कहा कि ईसीआईएल ने पिछले कुछ वर्षों में जटिल इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के विकास में अग्रणी भूमिका निभाते हुए देश को कई ङ्मपहलीफ उपलब्धियां दी हैं। इनमें देश का पहला डिजिटल कंप्यूटर, परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का पहला नियंत्रण एवं उपकरणीकरण, पहला अर्थ स्टेशन एंटीना, पहला प्रोग्रामेबल लॉजिक कंट्रोलर, पहला सॉलिड-स्टेट कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर तथा पहली इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन प्रमुख हैं।

उन्होंने ईसीआईएल के विज़न देश को सामरिक इलेक्ट्रॉनिक्स में आत्मनिर्भर बनाना और मिशन परमाणु ऊर्जा, रक्षा, सुरक्षा एवं रणनीतिक राष्ट्रीय महत्व के क्षेत्रों में एक मूल्यवान राष्ट्रीय परिसंपत्ति के रूप में अपनी स्थिति को सुदृढ़ करना पर भी प्रकाश डाला।इस प्रशिक्षण सत्र में शुभम गुलिया, उप निरीक्षक ने सभी जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रत्येक जवान से अपने कर्तव्यों का पूरी सजगता, तत्परता और निष्ठा के साथ पालन करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर बी. सोमलिंगम बतरकी, सहायक उप निरीक्षक तथा वाई.एन. राव, सहायक उप निरीक्षक (काउंटर इंटेलिजेंस विंग) ने भी प्रशिक्षण के महत्व पर अपने विचार साझा किए।

ईसीआईएल का कॉरपोरेट प्रेजेंटेशन एवं सीआईएसएफ आधारित क्विज अजहर सुल्तान द्वारा तैयार किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल आयोजन में वी. कनका श्री महालक्ष्मी, डॉ. सीएच. अंबेडकर (वरिष्ठ हिंदी अनुवादक) तथा विनीला, प्रशिक्षु (राजभाषा) का महत्वपूर्ण योगदान रहा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सीआईएसएफ जवानों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

एक लघु श्री अन्न, कुटकी में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि

हैदराबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री अन्न विज्ञान में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि - भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के शोधकर्ताओं ने लघु श्री अन्न के पहले क्रोमोसोम-स्केल जीनोम को सफलतापूर्वक डीकोड कर लिया है, जो भारत की श्री अन्न अनुसंधान क्षमताओं में एक उल्लेखनीय प्रगति है। भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र ने यूनिवर्सिटी ऑफ़ सस्केचेवान और नेशनल रिसर्च काउंसिल ऑफ़ कनाडा के साथ-साथ कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलुरु के साथ मिलकर यह उपलब्धि प्राप्त की।

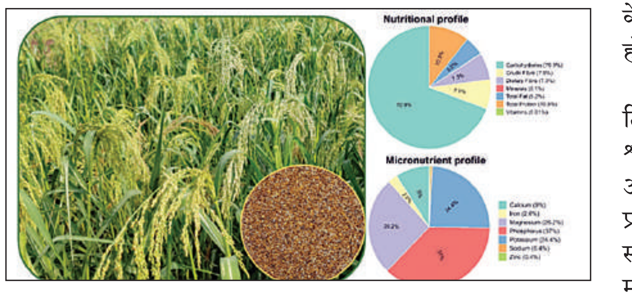

कुटकी सूखे व प्रतिकूल क्षेत्रों में किसानों के लिए हमेशा से एक भरोसेमंद फसल रही है। यह बहुत कम पानी में उगती है, सूखे का भी सामना कर सकती है, और कई दूसरे अनाजों की तुलना में पीड़क प्रतिरोधी है। यह स्वाभाविक रूप से आयरन एवं खाद्य रेशों से भी भरपूर है, फलतः ये लोगों हेतु एक स्वास्थ्यवर्धक खाद्य बन जाती है। परंतु अभी तक, वैज्ञानिकों के पास इसके जीन संबंधी जानकारी कम थी, जिससे बेहतर किस्म तैयार करना कठिन हो रहा था।

वैज्ञानिकों ने इसमें मौजूद सभी आनुवंशिक जानकारी का मानचित्रण कर लिया है। शोधकर्ता दल ने कनाडा एवं भारत में इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी और रिसर्च सेंटर्स के साथ मिलकर कुटकी के लिए विश्व का पहला क्रोमोसोम-स्केल रेफरेंस जीनोम बनाया है, जिसे रिसर्च जर्नल नेचर कम्युनिकेशंस (https://doi.oA°g/10.1038/s41467-025-66716-6) में प्रकाशित किया गया है।

कुटकी के जीनोम मानचित्रण में फसल की महत्वपूर्ण विशेषताओं, प्रतिकूल मौसम में भी बने रहने की क्षमता, उसका पोषण मूल्य तथा अनाज गुणता को नियंत्रित करते हुए 18 क्रोमोसोम और 59,000 से ज़्यादा जीन दिखाई दिए। दल ने संपूर्ण भारत से एकत्र 300 अलग-अलग तरह की कुटकी का अध्ययन भी किया और लगभग 2.5 लाख एसएनपी आनुवंशिक चिह्नक की पहचान की, जो एक किस्म से दूसरी किस्म में पैदावार व पोषक तत्व मात्रा की भिन्नता जैसे गुणों को समझने में सहायता करते हैं।

यह वैज्ञानिक प्रगति किसानों और स्वास्थ्यवर्धक खाद्य उद्योग, दोनों के लिए बेहतर किस्में विकसित करने के नए मार्ग खोलती है। जलवायु की प्रतिकूल परिस्थितियों और पोषण की कमी के चलते, कुटकी सतत खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाने हेतु तैयार है। यह जीनोम अनुक्रमण उपलब्धि सटीक प्रजनन, जीनोम चयन व जीन संपादक का रास्ता खोलेगी, एवं भारत अगली पीढ़ी के कृषि नवोन्मेष सबसे आगे होंगे।

भारत एक स्वस्थ व सतत टिकाऊ खाद्य प्रणाली के रूप में श्री अन्न को बढ़ावा दे रहा है, और यह सफलता इन राष्ट्रीय प्रयासों को मज़बूत वैज्ञानिक समर्थन प्रदान कर रही है। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा इन जलवायु-स्मार्ट अनाजों में अनुसंधान एवं नवोन्मेष को तेज़ करने के लिए मार्च 2023 में श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र उद्घाटन किया गया था। कुटकी के जीनोम और पोषक तत्वों वाले जीनों को सफलतापूर्वक डीकोड करना उस लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो वैज्ञानिकों को बेहतर किस्में विकसित करने हेतु साधन प्रदान करता है और किसानों एवं उपभोक्ताओं को एक ऐसी फसल से लाभ उठाने में सहायता करता है जिसे लंबे समय से अनदेखा किया गया। यह उपलब्धि न केवल वैश्विक श्री अन्न आंदोलन में भारत की भूमिका को मज़बूत करेगी, बल्कि यह भी दर्शाती है कि आधुनिक विज्ञान खाद्य-सुरक्षित भविष्य हेतु पारंपरिक फसलों को कैसे बेहतर बना सकता है।

एनसीआईएसएम–संस्कारा पीजी ओरिएंटेशन कार्यक्रम के अंतर्गत शैक्षणिक भ्रमण सम्पन्न

हैदराबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। एनसीआई एसएम– संस्कारा पीजी ओरिएंटेशन कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 5 जनवरी 2026 को डॉ. बी.आर.के.आर. राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय, हैदराबाद के प्रथम वर्ष के 41 स्नातकोत्तर (पीजी) शोधार्थियों एवं दो संकाय सदस्यों ने सीसीआरएएस के अधीन राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (छखखचक) का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण में डॉ. गीता कंचन, सहायक प्राध्यापक (संहिता सिद्धांत विभाग) एवं डॉ. एस. शीलता, सहायक प्राध्यापक (स्त्रीरोग एवं प्रसूति तंत्र विभाग) शामिल रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ उद्घाटन सत्र से हुआ, जिसमें डॉ. जी.पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक ने एनआईआईएमएच की उपलब्धियों, उद्देश्यों एवं संस्थान से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। उन्होंने शोध एवं अकादमिक गतिविधियों में एनआईआईएमएच की भूमिका पर प्रकाश डाला।

इसके पश्चात तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। डॉ. संतोष एस. माने एवं डॉ. बिस्वो रंजन दास ने शोध पद्धति, होम्योपैथी के मूल सिद्धांतों तथा आईएमआर परियोजनाओं पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किए। वहीं डॉ. टी. साकेत राम ने नमस्ते एवं एआईएच परियोजन–ाओं पर प्रस्तुति दी तथा डॉ. वी. श्रीदेवी ने एलएचटी एवं ई–मेधा पहलों की विस्तृत जानकारी साझा की।इसके बाद शोधार्थियों ने एनआईआईएमएच के मेडिको–हिस्टोरिकल म्यूज़ियम एवं पुस्तकालय का भ्रमण किया। इस अवसर पर श्री मुरली मनोहर, श्री श्रीनिवास राव एवं सुश्री वर्षा कुमारी सहित विशेषज्ञों की टीम ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान से संबंधित महत्वपूर्ण संग्रहों से अवगत कराया।

समापन सत्र में डॉ. वी. सुभोस एवं डॉ. जी.पी. प्रसाद ने शोधार्थियों को अकादमिक मार्गदर्शन प्रदान करते हुए अपने शोध प्रबंध एवं शोध पत्रों के लिए एनआईआईएमएच के साथ सहयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में डॉ. अशफाक अहमद की उपस्थिति भी रही।

यह शैक्षणिक भ्रमण शोधार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ, जिससे उन्हें शोध, विभिन्न परियोजनाओं तथा भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान के संरक्षण एवं अध्ययन से जुड़े अवसरों की व्यापक समझ प्राप्त हुई।

हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन की पांचवीं मासिक पत्रिका का लोकार्पण सम्पन्न

हैदराबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन की पांचवीं मासिक पत्रिका का भव्य लोकार्पण तेलंगाना राज्य सरकार के ऊर्जा विभाग के विशेष मुख्य सचिव श्री नवीन मित्तल के करकमलों से संपन्न हुआ। इस अवसर पर पत्रकारिता, साहित्य और समाजसेवा से जुड़े कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पत्रिका लोकार्पण कार्यक्रम में एसोसिएशन के मुख्य संपादक महेश अग्रवाल, मानद मंत्री कृष्ण कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष आकाश तलवार, सुनील मित्तल, प्रदीप जाजू, परामर्शदाता भक्त राम, जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, प्रेमचंद मुनोत सहित अन्य सदस्य एवं अतिथि मौजूद रहे। सभी ने पत्रिका की गुणवत्ता और हिंदी पत्रकारिता में इसके योगदान की सराहना की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन की मासिक पत्रिका पत्रकारों की आवाज को मजबूती देने के साथ–साथ समाज के विभिन्न मुद्दों को प्रभावी ढंग से सामने लाने का कार्य कर रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह पत्रिका भविष्य में भी निष्पक्ष, सशक्त और रचनात्मक पत्रकारिता का उदाहरण प्रस्तुत करेगी। लोकार्पण के दौरान सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने एसोसिएशन को इस सफल पहल के लिए शुभकामनाएं दीं और पत्रिका के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

अग्रवाल समाज मुरलीनगर शाखा ने एएसटी सुपर सिंग विजेता विश्वनाथ जी अग्रवाल का भव्य स्वागत शाखा कार्यालय में किया।

केवल काव्य परिवार का राष्ट्रीय कवि सम्मेलन मथुरा में भव्य रूप से सम्पन्न

द्वितीय आनंदोत्सव काव्यांजलि में देशभर के कवि–कवयित्रियों ने बिखेरा काव्यरस

मथुरा (उ.प्र.), 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केवल काव्य परिवार द्वारा अपने द्वितीय आनंदोत्सव काव्यांजलि का आयोजन श्रीकृष्ण जन्मस्थली मथुरा में राष्ट्रीय अध्यक्ष केवल कोठारी के नेतृत्व में अत्यंत भव्यता एवं सफलता के साथ सम्पन्न हुआ। इस त्रिदिवसीय राष्ट्रीय कवि सम्मेलन ने साहित्य प्रेमियों के लिए एक यादगार अनुभव प्रदान किया।केवल काव्य परिवार की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती ज्योतिनारायण द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मथुरा के खंडेलवाल सेवा सदन में आयोजित इस साहित्यिक अनुष्ठान में देशभर से 80 से अधिक कवि एवं कवयित्रियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में हैदराबाद के सुप्रसिद्ध कवि–व्यंग्यकार अजीत गुप्ता तथा आगरा के वरिष्ठ गीतकार रामेन्द्र मोहन त्रिपाठी ने विशेष अतिथि के रूप में भाग लेकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ गीतकार आदरणीय रामेन्द्र मोहन त्रिपाठी ने लगातार डेढ़ घंटे तक अपने मधुर गीतों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं हैदराबाद से पधारे विशेष अतिथि आदरणीय अजीत गुप्ता ने दोनों दिन अपनी ग़ज़लों और तीखे व्यंग्य से श्रोताओं को भाव–विभोर कर दिया।संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष केवल कोठारी के नेतृत्व में तीन दिनों तक गीत, ग़ज़ल और छंदों का काव्यजादू छाया रहा। कोलकाता से पधारे आदरणीय जय कुमार रुसवा के प्रभावी संचालन ने कार्यक्रम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया, जबकि विश्वजीत शर्मा की अथक मेहनत से आयोजन अपने शिखर पर पहुंचा। कानपुर से अजय श्रीवास्तव के आतिथ्य ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

देशभर के साहित्यकारों की सक्रिय भागीदारी

कार्यक्रम के आयोजन में हैदराबाद से श्रीमती ज्योति नारायण, मुंबई से श्रीमती सीमा त्रिवेदी, दिल्ली से श्रीमती कृष्णा राजपुरोहित, गोवा से दत्त प्रसाद जोग, लखनऊ से वरिष्ठ व्यंग्यकार श्यामल मजूमदार, कोलकाता से पुनीत अग्रवाल सहित अनेक साहित्यकारों ने सक्रिय भूमिका निभाई। संपूर्ण भारत से आए लगभग 80 साहित्यकारों ने इस साहित्यिक कुंभ में अपनी रचनाओं की प्रस्तुति दी।

एक वर्ष में चार राष्ट्रीय आयोजन

श्रीमती ज्योतिनारायण ने बताया कि केवल काव्य परिवार का गठन पिछले वर्ष सितंबर माह में बाराबंकी (उत्तर प्रदेश) में आयोजित आनंदोत्सव काव्योत्सव के दौरान हुआ था। संस्था ने मात्र एक वर्ष के भीतर चार अखिल भारतीय स्तर के बड़े साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किए हैं। हैदराबाद एवं देश के अन्य कई नगरों में सफल आयोजनों के बाद इस द्वितीय आनंदोत्सव काव्यांजलि का आयोजन किया गया।

भावुक विदाई के साथ समापन

त्रिदिवसीय आयोजन के समापन पर वरिष्ठ गीतकार रामेन्द्र मोहन त्रिपाठी एवं सुप्रसिद्ध व्यंग्यकार अजीत गुप्ता का स्नेहिल सानिध्य सभी साहित्यकारों के लिए प्रेरणादायक और आनंदमयी रहा। कार्यक्रम के अंत में देशभर से आए साहित्यकार भावुक मन और भीगी पलकों के साथ अपने–अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान कर गए।

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापन्थी सभा, सिकंदराबाद द्वारा

श्री जैन सेवा संघ के नव निर्वाचित अध्यक्ष व प्रतिनिधियों का सम्मान

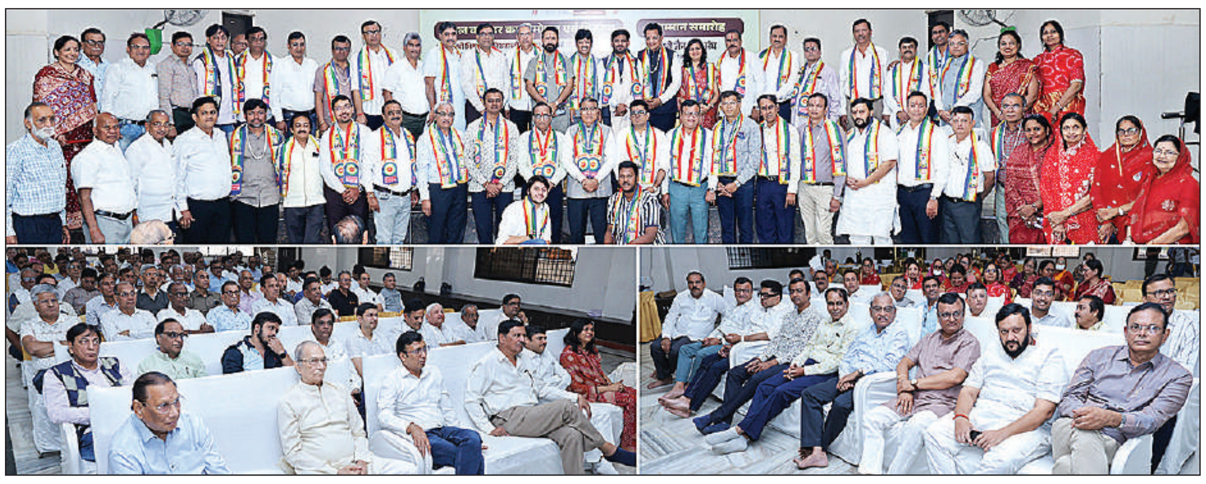

हैदराबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापन्थी सभा, सिकंदराबाद द्वारा नववर्ष के अवसर पर श्री जैन सेवा संघ के नव निर्वाचित अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों के सम्मान समारोह तथा वर्ष 2026 के टेबल कैलेंडर का भव्य विमोचन तेरापन्थ भवन, डी.वी. कॉलोनी में आयोजित किया गया।

नमस्कार महामंत्र से हुआ शुभारंभ

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के साथ हुआ। मंगलाचरण श्री नवनीत छाजेड़ द्वारा किया गया। सभा अध्यक्ष श्री सुशील जी संचेती ने सभी आगंतुकों एवं श्रावक–श्राविकाओं का स्वागत करते हुए श्री जैन सेवा संघ के नव निर्वाचित अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों का अभिनंदन किया और उन्हें आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने दी शुभकामनाएं

इस अवसर पर तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती नमिता जी सिंघी, तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष श्री राहुल जी गौलछा, टी.पी.एफ. अध्यक्ष श्री विरेंद्र घोषल, अणुव्रत समिति अध्यक्ष श्री राजेन्द्र बोथरा, जैन तेरापंथ वेलफेयर सोसायटी अध्यक्ष श्रीमहेन्द्र जी भंडारी, सभा के निवर्तमान अध्यक्ष श्री बाबूलाल जी बैद, अभातेयुप से श्री मनीष पटावरी, महावीर इंटरनेशनल के चेयरमैन श्री विनोद जी संचेती, जैन विश्व भारती के परामर्शक श्री अशोक जी बरमेचा, तेरापंथ डिजिटल डायरेक्टरी के संयोजक श्री संजय जी कुचेरिया, मोटिवेशनल स्पीकर ट्रेनर श्री आलोक जी डागा, जैन माइनॉरिटी तेलंगाना के सदस्य श्री हिमांशु जी बापना, श्री नवरतन जी गुंदेचा सहित अन्य वक्ताओं ने नव निर्वाचित अध्यक्ष एवं उनकी पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए।

डिजिटल डायरेक्टरी व समाजिक योजनाओं की जानकारी

श्री संजय जी कुचेरिया ने तेरापंथ डिजिटल डायरेक्टरी की विस्तृत जानकारी दी, जबकि मोटिवेशनल स्पीकर ट्रेनर श्री आलोक जी डागा ने प्रेरणादायक विचार रखे।

श्री जैन सेवा संघ के चेयरमैन श्री योगेश जी सिंघी, महामंत्री श्री विमलचंद जी मुथा एवं अध्यक्ष श्री उमेश जी बागरेचा ने समाज के समक्ष अपने विचार रखते हुए आगामी कार्ययोजनाओं की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की।

टेबल कैलेंडर का वितरण एवं अतिथियों का सम्मान

सभा द्वारा सभी आगंतुकों का सम्मान किया गया तथा वर्ष 2026 के टेबल कैलेंडर का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर श्री जैन सेवा संघ के कोषाध्यक्ष श्री सुरेश जी सुराणा, पूर्व महामंत्री श्री अशोक जी मुथा, पूर्व कोषाध्यक्ष श्री महेंद्र जी कटारिया, पूर्व उपाध्यक्ष श्री सुभाष जी पिरोदिया सहित अनेक पूर्व एवं नव निर्वाचित पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। इन सभी का भी सभा द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम के संयोजक श्री लक्ष्मीपत बैद, श्री संजय जी कुचेरिया, श्री प्रकाश जी बोथरा, श्री अरिहंत गुजरानी एवं श्री खुशाल भंसाली रहे।मंच संचालन श्री लक्ष्मीपत बैद ने किया तथा अंत में सभा के मंत्री श्री हेमन्त जी संचेती ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ और समाज में एकता, सेवा एवं सहयोग की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने का संदेश देकर गया।

मैसूर में आयोजित अखिल भारतीय सीरवी खेल महाकुंभ में जीडिमेटला टीम 'ए' बनी विजेता

हैदराबाद में विजेता खिलाड़ियों का भव्य सम्मान किया गया

हैदराबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मैसूर में आयोजित अखिल भारतीय सीरवी खेल महाकुंभ में देशभर से सीरवी समाज की कुल 32 टीमों ने सहभागिता की। कड़े और रोमांचक मुकाबलों के बाद फाइनल मैच में जीडिमेटला टीम ङ्गअफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया और समाज का नाम रोशन किया।

ऐतिहासिक जीत पर खिलाड़ियों का सम्मान

इस ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में हैदराबाद स्थित सीरवी समाज जीडिमेटला वडेर में विजेता खिलाड़ियों के सम्मान में एक भव्य समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाज की ओर से सभी विजेता खिलाड़ियों को दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया तथा पुष्पमालाओं से उनका अभिनंदन किया गया।

सम्मान समारोह में सीरवी समाज जीडिमेटला वडेर के अध्यक्ष रावतराम बर्फा, उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, सचिव प्रेम पंवार, कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग, कानाराम बर्फा, भीमाराम काग, सोहनलाल हाम्बड़, उदाराम, चंदनाराम चोयल, भुंडाराम बर्फा, चंद्र प्रकाश बर्फा, राजुराम लचेटा सहित समाज के अनेक गणमान्य बंधु उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने खिलाड़ियों को जीत की शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

युवाओं के लिए प्रेरणा बनी उपलब्धि

पदाधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि जीडिमेटला टीम ए की इस उपलब्धि से पूरे सीरवी समाज का मान बढ़ा है और युवाओं को खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली है।

समारोह में समाजबंधुओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही, जिससे खिलाड़ियों का उत्साह और बढ़ा।

फीलखाना, बेगमबाजार स्थित श्री श्रृंग ऋषि भवन (श्री राधाकृष्ण धाम) में गोलोकवासी श्री जेठमलजी एवं श्रीमती रामकंवरी देवी तिवारी की पावन स्मृति में बालुंदा वाले मोतीलाल विष्णु गोपाल तिवारी परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन भक्तों को कथा का रसपान करवाते त्रिदंडी स्वामी भक्ति भूषण बोधायन महाराजजी। इस अवसर पर हरिकिशन ओझा, कन्हैयालाल ओझा, जगदीश उपाध्याय, परशुराम तिवारी, रामदेव व्यास, पवन उपाध्याय, विजय उपाध्याय, अनिल तिवारी, हंसराज व्यास, रामचंदर तिवारी, श्रीनिवास पंडित, सोहनलाल जोशी, राजेश व्यास, कमल व्यास, ओमप्रकाश व्यास, रामजीवन तिवारी, नंदलाल व्यास, रामप्रकाश नागला, विष्णु बिलाल, रामकुंवर उपाध्याय, नारायण तिवारी, रोहित तिवारी, वासुदेव तिवारी (नितिन), अमन तिवारी, सत्यनारायण तिवारी, राजेंद्र उपाध्याय, रामदेव तिवारी, रामेश्वरलाल ओझा, पवन व्यास, श्याम सुंदर तिवारी, रामानंद तिवारी, द्वारका प्रसाद तिवारी, आनंद व्यास, श्रीनिवास तिवारी, इंद्रजीत उपाध्याय, श्याम सुंदर व्यास, महावीर व्यास, मोहनलाल व्यास, मुरलीधर तिवारी, रामदयाल ओझा, श्याम सुंदर जोशी, ओमप्रकाश व्यास, गिरिराज व्यास, नारायण व्यास एवं अन्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज गौ सेवा कमिटी की बैठक आयोजित

गौ सेवा को सशक्त बनाने के लिए लिए गए अहम निर्णय

हैदराबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज तेलंगाना की गौ सेवा कमिटी की एक महत्वपूर्ण बैठक समाज कार्यालय, राघव रत्न टावर में समाज की सहमंत्री डॉ. सीमा जैन की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में गौ सेवा को संगठित और प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से डॉ. सीमा जैन ने जानकारी दी कि बैठक में गौ सेवा कमिटी की 11 सदस्यीय कोर कमिटी का गठन किया गया है। इस कोर कमिटी में डॉ. सीमा जैन, मनीष अग्रवाल, मुकुंद लाल अग्रवाल, अमित गोयल, सत्यनारायण फोगला, अशोक कुमार दादरीवाला, संजय अग्रवाल, श्रीमती दीपा अग्रवाल, मोनिका अग्रवाल, सीमा अग्रवाल एवं रिंकू गर्ग को शामिल किया गया है।

बैंक खाता, चारा व्यवस्था और प्रथम सेवा का निर्णय

बैठक में गौ सेवा कमिटी का बैंक खाता खुलवाने का निर्णय लिया गया, ताकि दानदाताओं की सहयोग राशि सीधे बैंक खाते में जमा करवाई जा सके। इसके साथ ही शहर की विभिन्न जरूरतमंद गौशालाओं में प्रति माह चारे की व्यवस्था करने का भी निर्णय लिया गया। कमिटी की प्रथम सेवा जनवरी माह में श्री कृष्ण गौशाला, काला हनुमान, अत्तापुर में करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया।

फ्लायर जारी कर समाजजनों से सहयोग की अपील

कमिटी द्वारा एक फ्लायर तैयार कर समाज के सभी सदस्यों तक गौ सेवा संबंधी जानकारी पहुंचाने का निर्णय लिया गया, जिससे अग्रबंधु स्वेच्छा से आगे बढ़कर गौ सेवा हेतु अनुदान प्रदान कर सकें। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने प्रति माह गौ सेवा के लिए नियमित अनुदान देने का आश्वासन भी दिया।

स्वास्थ्य सेवा, एम्बुलेंस और नियमित बैठकें

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि कोर कमिटी की बैठक प्रति माह आयोजित की जाएगी, जिसमें सभी महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। गौ माता की स्वास्थ्य सेवा को प्राथमिकता देते हुए सभी गौशालाओं से संपर्क कर बीमार गायों एवं नंदियों के उपचार की व्यवस्था करने का भी निर्णय लिया गया। साथ ही नगर द्वय में गायों के लिए उपलब्ध एम्बुलेंस की जानकारी एकत्र करने हेतु उपस्थित सदस्यों से सहयोग का आग्रह किया गया।

बैठक में डॉ. सीमा जैन, मनीष अग्रवाल, मुकुंद लाल अग्रवाल, सत्यनारायण फोगला, गोविंद राज अग्रवाल, श्याम सुंदर अग्रवाल, अमित गोयल, अंकुर बंसल, श्रीमती दीपा अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, मोनिका अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। मनीष अग्रवाल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन हुआ।

तेलंगाना प्रदेश भाजपा महामंत्री गौतम राव को उनके जन्मदिन की बधाई देते हुए सुप्रीमकोर्ट के अधिवक्ता वी. अशोक कुमार। साथ में हैं भाजपा नेता अशोक कुमार सेन, चंद्रशेखर, भास्कर, निर्मल राज।

वीर क्षत्रिय राजपूत समिती (वी.के.आर.एस.) के तत्वावधान में आयोजित राजपूत प्रीमियर लीग सीज़न 11 के विजेता और विजेता टीम को कैश प्राइज 25,000/- और उपविजेता टीम को कैश प्राइज 15,000 रुपये वीकेआरएस प्रदेश कार्यालय पर ठाकुर नर्सिंग जी द्वारा दिया गया।

सेवा और समर्पण की मिसाल : किरण गुप्ता

हैदराबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हैदराबाद के केबीआर पार्क में राधे-राधे ग्रुप द्वारा आयोजित नियमित सेवा कार्यक्रम समाज सेवा की एक प्रेरणादायक मिसाल बना। इस अवसर पर जरूरतमंद लोगों के लिए अन्नदान एवं सेवा कार्य किया गया, जिसमें सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई।कार्यक्रम में किरण गुप्ता के नेतृत्व एवं प्रेरणा से सेवा भाव को साकार रूप दिया गया। उनके मार्गदर्शन में सुभाष अग्रवाल, उमाकांत जी गुप्ता, उर्मिला गुप्ता एवं रणधीर सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय योगदान दिया।सेवा के दौरान सभी सदस्यों ने मानवता, करुणा और भाईचारे का संदेश दिया। उपस्थित लोगों ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप निरंतर समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने का कार्य कर रहा है, जो सराहनीय है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने यह संकल्प लिया कि भविष्य में भी इसी प्रकार नियमित रूप से सेवा कार्य जारी रखे जाएंगे और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास किया जाएगा।

बेगम बाजार स्थित पं गोविंद लाल वेणु गोपाल व्यास के निवास स्थान पर संकट गणेश चतुर्थी पर पूजा -अर्चना करतें हुए कांता देवी व्यास, बसंती व्यास, वंदना व्यास, प्रणाली खटोड़ व्यास।

हैदराबाद मेट्रो को पतंगों से खतरा

संक्रांति पर सेवाओं में बाधा की आशंका, एचएमआरएल ने जताई चिंता

हैदराबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
संक्रांति के त्योहार के दौरान पतंगबाजी से मेट्रो सेवाओं में आने वाले व्यवधानों को लेकर हैदराबाद मेट्रो रेल लिमिटेड (एचएमआरएल) बेहद चिंतित है। अधिकारियों के अनुसार, पतंगों के मांझे (धागे) अक्सर मेट्रो के ओवरहेड इलेक्ट्रिक (ओएचई) तारों में फंस जाते हैं, जिससे बिजली की आपूर्ति ठप हो जाती है और मेट्रो सेव-ाओं में रुकावट आती है।अतीत में कई बार पतंगों के कारण मेट्रो सेवाएं घंटों तक बाधित रहने के अनुभवों को देखते हुए, प्रशासन ने इस बार कड़े कदम उठाए हैं। एचएमआरएल ने सुरक्षा के मद्देनजर मेट्रो स्टेशनों और मेट्रो कॉरिडोर के आसपास के क्षेत्रों में पतंग उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। प्रशासन का तर्क है कि ओएचई तारों में फंसने वाले धागे न केवल ट्रेन सेवाओं को रोक सकते हैं, बल्कि यह पतंग उड़ाने वालों के लिए भी जानलेवा साबित हो सकते हैं।यह मामला तब और गंभीर हो गया है जब मइंटरनेशनल काइट फेस्टिवलफ की चर्चा शुरू हुई। यह महोत्सव परेड ग्राउंड में आयोजित किया जाता है, जो दो प्रमुख मेट्रो स्टेशनों के बेहद करीब है। इस उत्सव में विदेशों से आए पेशेवर लोग विशालकाय पतंगें उड़ाते हैं। एक तरफ जहां सैकड़ों पतंगें आसमान में होंगी, वहीं दूसरी तरफ मेट्रो ट्रैक की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बन गई है। चर्चा का विषय यह है कि मेट्रो प्रशासन ने इस महोत्सव के संबंध में पहले से पर्याप्त एहतियाती कदम नहीं उठाए थे।

मेट्रो सेवाओं को सुरक्षित रखने के लिए अचानक लगाए गए इन प्रतिबंधों ने अब एक विवाद का रूप ले लिया है। त्योहार के ऐन मौके पर पतंगबाजी पर रोक लगाए जाने से आम जनता और पतंग प्रेमियों में असंतोष है। लोग इसे परंपराओं और उत्साह पर रोक मान रहे हैं, जबकि मेट्रो अधिकारियों का कहना है कि वे किसी भी संभावित तकनीकी खराबी या बड़े हादसे को रोकने के लिए यह निर्णय ले रहे हैं।

सेवा, समर्पण और मानवता की मिसाल : गोविंद राम पचेरिया

हैदराबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सेवा और मानवता के कार्यों में निरंतर सक्रिय राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा आयोजित सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रम में समाजसेवा की अनुपम मिसाल देखने को मिली। इस अवसर पर गोविंद राम पचेरिया के नेतृत्व और प्रेरणा से सेवा भाव से परिपूर्ण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने आपसी सहयोग, करुणा और समर्पण की भावना के साथ सेवा कार्यों में भाग लिया। गोविंद राम पचेरिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि सेवा ही सच्चा धर्म है और समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। उनके विचारों से उपस्थित जनसमूह को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति नई प्रेरणा मिली।इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, रवि अग्रवाल, अरुण विजयवर्गीय, अनिल भाई, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, मीना अग्रवाल, पूजा संघी, जेविका संघी, अर्चना शास्त्री एवं रेणुका शास्त्री सहित अनेक गणमान्य सदस्य मौजूद रहे। सभी ने सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए राधे-राधे ग्रुप की इस पहल की सराहना की।

CHANGE OF NAME & DOB
I, NIJISHA AM spouse of Service No.JC 313430F Sub SANTHOSH KUMAR A, Resident of Alavoor House, Vill & PO:Eruvessy, Teh:Taliparamba, Dist:Kannur, Kerala-670632 have changed my name and DOB from NIJISHA AM, DOB:26-07-1986 to NIJISHA A M, DOB:01-06-1986 vide affidavit dt:05-01-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

तेलंगाना में इलेक्ट्रिक वाहनों को मिलेगा बड़ा बढ़ावा

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तैयार किया ई-रोडमैप

हैदराबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रदूषण कम करने के एक बड़े प्रयास के तहत मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ाने के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार किया है। इस नई नीति के तहत बड़ी कंपनियों के लिए पर्यावरण के अनुकूल कारों का उपयोग करना अनिवार्य किया जा रहा है। सरकार ने सभी विधायकों से भी अनुरोध किया है कि वे अपने निर्वाचन क्षेत्रों में ई-कारों में यात्रा करें ताकि जनता के सामने एक मिसाल पेश की जा सके।

सरकारी कर्मचारियों को भारी छूट और कंपनियों के लिए नई नीति

परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने मंगलवार को विधानसभा में भाजपा विधायक के. रमना रेड्डी के सवालों का जवाब देते हुए बताया कि सरकार ने ऑटोमोबाइल कंपनियों से सरकारी कर्मचारियों को ईवी की खरीद पर 20 प्रतिशत की छूट देने का अनुरोध किया है। सरकार एक ऐसी अनिवार्य नीति बनाने की योजना बना रही है जिसमें बहुराष्ट्रीय कंपनियों और स्कूलों को अपने बेड़े में 25 से 50 प्रतिशत तक मग्रीन कारफ रखना आवश्यक होगा। इसके अलावा, राज्य में ईवी की खरीद पर कोई रोड टैक्स नहीं लिया जा रहा है।

टीजीआरटीसी के बेड़े में शामिल होंगी हजारों ई-बसें

सार्वजनिक परिवहन को पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए टीजीआरटीसी वर्तमान में 875 किराए की इलेक्ट्रिक बसें चला रहा है, और जल्द ही 2,800 नई ई-बसें बेड़े में शामिल होंगी। केंद्र सरकार की योजना के तहत वारंगल नगर पालिका को 100 बसें और निजामाबाद को 50 बसें मिलेंगी। मंत्री ने बताया कि पिछले एक साल में एक लाख इलेक्ट्रिक वाहन बेचे गए हैं और अब कंपनियों द्वारा बैटरी क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार और स्क्रैप पॉलिसी

सरकार ईवी के उपयोग को सुगम बनाने के लिए चार्जिंग स्टेशनों की संख्या बढ़ा रही है। सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और गेटेड कम्युनिटीज में चार्जिंग पॉइंट स्थापित करने के कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही, 15 साल से पुराने वाहनों को हटाने के लिए मस्क्रैप पॉलिसीफ के तहत एक सरकारी आदेश भी जारी किया गया है ताकि पुराने प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों की जगह नए इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित किया जा सके।

नामपल्ली में सकट चतुर्थी पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की सेवा

हैदराबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजन में नामपल्ली क्षेत्र में आयोजित नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम में सकट चतुर्थी के अवसर पर जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम में सेवा, समर्पण और मानवता का भाव स्पष्ट रूप से देखने को मिला।इस अवसर पर श्रीमती किरण गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद एक सेवा-परिवार है, जहाँ प्रेम, अपनत्व और करुणा की भावना सर्वोपरि है। उन्होंने समूह द्वारा मिले स्नेह और सम्मान के लिए सभी सेवा साथियों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, ई-जगन (चंपापेट), प्रीतिका अग्रवाल, महेश गुप्ता, नंदकिशोर अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, भगतराम गोयल, गौरव गोयल, भर्खा गोयल, भीखाराम कुमावत, कमला देवी कुमावत, रवि शर्मा सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही।

हैदराबाद के लिए सफर होगा आसान

नया ग्रीनफील्ड हाईवे जल्द होगा शुरू, बचेंगे पूरे 5 घंटे!

पश्चिम गोदावरी/हैदराबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पश्चिम गोदावरी जिले में ग्रीनफील्ड हाईवे पर वाहनों की आवाजाही जल्द ही शुरू होने वाली है। एनएचएआई के अधिकारी संक्रांति के अवसर पर इस हाईवे को ग्रीन सिग्नल देने की तैयारी कर रहे हैं। विशेष रूप से वायरा से जंगारेड्डीगुडेम तक के खंड को जनता के लिए खोलने की योजना है। यह एक्सिस-कंट्रोल हाईवे तेलंगाना के खम्मम से आंध्र प्रदेश के देवरपल्ली (पूर्वी गोदावरी) तक फैला हुआ है।

वजयवाडा जाने की जरूरत नहीं, 125 किमी की दूरी होगी कम

खम्मम से देवरपल्ली तक निर्माणाधीन इस हाईवे की कुल लंबाई 162.10 किलोमीटर है। इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से हैदराबाद और विशाखापट्टनम के बीच की दूरी लगभग 125 किलोमीटर कम हो जाएगी। वर्तमान में हैदराबाद से विशाखापट्टनम जाने के लिए विजयवाड़ा होकर 676 किमी का सफर तय करना पड़ता है, जिसमें लगभग 12 घंटे लगते हैं। इस नए मार्ग के शुरू होने से न केवल दूरी घटेगी, बल्कि यात्रियों के लगभग 5 घंटे भी बचेंगे।

कोर्ट विवाद खत्म, अब युद्ध स्तर पर काम

इस हाईवे का निर्माण नेशनल हाईवे 365 बीजी के तहत लगभग 4,609 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। एलुरु जिले के एर्रमपेटा और कन्नायागुडेम के पास जमीन से जुड़े अदालती विवादों के कारण काम कुछ समय के लिए रुक गया था। अब ये कानूनी बाधाएं दूर हो गई हैं और शेष 2 किलोमीटर का काम भी अगले दो महीनों में पूरा होने की संभावना है। पश्चिम गोदावरी जिले की सीमा में यह सड़क 56.88 किमी लंबी है।

परिवहन और व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

यह राजमार्ग न केवल यात्रियों के लिए समय बचाएगा, बल्कि माल ढुलाई और रसद के लिए भी एक गेम-चेंजर साबित होगा। चिंतालापुडी मंडल के रेचरला से एलुरु जिले में प्रवेश करने वाली यह सड़क कन्नायागुडेम तक फैली है। अधिकारियों का लक्ष्य इसे जल्द से जल्द पूरी तरह से क्रियान्वित करना है ताकि आंध्र और तेलंगाना के बीच व्यापारिक संपर्क और अधिक मजबूत हो सके।

हैदराबाद में 24 घंटे पानी की आपूर्ति

8000 करोड़ की लागत से ORR के चारों ओर बनेगा वाटर ग्रिड

हैदराबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के निवासियों की पेयजल समस्याओं का स्थायी समाधान खोजने की दिशा में हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वॉटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (HMWSSB) ने एक विशाल योजना तैयार की है। शहर को बिना किसी रुकावट के निरंतर पानी की आपूर्ति करने के लक्ष्य के साथ 8,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली एक बड़ी परियोजना का प्रस्ताव दिया गया है। आउटर रिंग रोड (ORR) के किनारे एक मवॉटर रिंग मेन नेटवर्कफ स्थापित करने की इस योजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) भी पूरी हो चुकी है। अधिकारी जल्द ही इसे प्रशासनिक और वित्तीय मंजूरी के लिए राज्य सरकार को सौंपने की तैयारी कर रहे हैं।

स्थायी समाधान और भविष्य की जरूरतें

वर्तमान में हैदराबाद में आंशिक रूप से मलीनियर पाइपलाइन सिस्टमफ (रैखिक पाइपलाइन प्रणाली) लागू है। इसकी सबसे बड़ी खामी यह है कि यदि मुख्य पाइपलाइन में कहीं भी मरम्मत की आवश्यकता होती है या कोई तकनीकी समस्या आती है, तो उस लाइन पर निर्भर लाखों लोगों को घंटों और कभी-कभी दिनों तक पानी की किल्लत झेलनी पड़ती है। उदाहरण के लिए, एलबी नगर क्षेत्र के कुछ हिस्से केवल अक्कमपल्ली जलाशय पर निर्भर हैं, जिससे उन्हें 3 से 4 दिनों में केवल एक बार पानी मिल पाता है। लगभग डेढ़ करोड़ की आबादी की ओर बढ़ रहे इस शहर की भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए यह रिंग मेन सिस्टम अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा। 140 किमी लंबी मुख्य रिंग पाइपलाइन

इस परियोजना के तहत आउटर रिंग रोड के चारों ओर 140 किलोमीटर लंबी मुख्य पाइपलाइन (रिंग मेन) का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा, आउटर रिंग रोड के निकटवर्ती आंतरिक क्षेत्रों तक पानी पहुँचाने के लिए 98 किलोमीटर लंबा मरेडियल डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्कफ स्थापित किया जाएगा। इस प्रणाली के माध्यम से शहर को पानी की आपूर्ति करने वाले पांच मुख्य स्रोतों गोदावरी, कृष्णा, मंजीरा, उस्मान सागर और हिमायत सागरको आपस में जोड़ दिया जाएगा।

जल संसाधनों का एकीकरण और आधुनिकीकरण

जल बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, इस एकीकरण के कारण शहर का कोई भी क्षेत्र केवल एक ही जल स्रोत पर निर्भर नहीं रहेगा। यदि एक मार्ग से आपूर्ति बाधित होती है, तो तुरंत दूसरे मार्ग से पानी भेजकर आपूर्ति स्थिर की जा सकती है। साथ ही मंजीरा और उस्मान सागर आपूर्ति नेटवर्क के आधुनिकीकरण के लिए 1,000 करोड़ रुपये के काम किए जा रहे हैं, जिससे पानी की बर्बादी कम होगी और गुण-वत्ता बढ़ेगी। सरकार से मंजूरी मिलने के बाद, जल बोर्ड का लक्ष्य 2027 तक इस परियोजना को पूरा करना है, जब गोदावरी फेज-2 परियोजना भी चालू हो जाएगी।

विधानसभा में गांव का नाम बदलने की भावुक अपील

हैदराबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिरपुर के विधायक पालवे हरीश बाबू ने विधानसभा सत्र के दौरान इस गाँव के नाम पर कड़ी आपत्ति जताई और इसे तुरंत बदलने की मांग की। विधायक ने कहा कि कागजनगर शहर से मात्र एक किलोमीटर दूर स्थित इस गाँव का नाम राजस्व रिकॉर्ड में लगुड़ा (L-A-N-J-A Guda) दर्ज है, जो उच्चारण में अत्यंत अभद्र और अपमानजनक है। सदन में इस नाम का उल्लेख करते हुए विधायक स्वयं संकोच कर रहे थे। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि एक जनप्रतिनिधि के रूप में उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्र के गाँव का नाम स्पेलिंग के साथ बताना पड़ रहा है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

विधायक हरीश बाबू ने सदन को बताया, इस गाँव का नाम लेना भी मुश्किल है। जब भी कहीं इस नाम का जिक्र होता है, लोग हंसने लगते हैं। वहां रहने वाले लोग, विशेषकर महिलाएं और छात्र, अपने गाँव का नाम बताने में गहरा अपमान महसूस करते हैं। उन्होंने जानकारी दी कि ग्रामीणों ने सामाजिक स्तर पर पहले ही अपने गाँव का नाम बदलकर नंदीगुड़ा कर लिया है। शादी के कार्डों से लेकर स्थानीय बोर्डों तक पर नंदीगुड़ा ही लिखा जाता है, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड और दस्तावेजों में स्थिति जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों की सबसे बड़ी समस्या यह है कि आधार कार्ड, राजस्व दस्तावेज और अन्य प्रमाण पत्रों में अभी भी पुराना और अभद्र नाम ही चल रहा है।

सरकारी कार्यालयों में काम के दौरान जब यह नाम पुकारा जाता है, तो ग्रामीणों को भारी शर्मिंदगी उठानी पड़ती है।

विधायक के इस भाषण का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। नेटिजन्स विधायक की मांग का पूरा समर्थन कर रहे हैं और सरकार से मांग कर रहे हैं कि बिना किसी देरी के रिकॉर्ड में नाम बदलकर नंदीगुड़ा किया जाए, ताकि वहां के लोगों का आत्मसम्मान सुरक्षित रह सके।

कविता का एमएलसी पद से इस्तीफा मंजूर

हैदराबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। विधान परिषद के सभापति जी. सुखेंद्र रेड्डी ने निजामाबाद स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली के. कविता का एमएलसी (एमएलसी) पद से इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। कविता ने पिछले साल सितंबर में बीआरएस (बीआरएस) से निलंबित किए जाने के बाद अपना इस्तीफा सौंप दिया था, लेकिन उनके अनुरोध को मंगलवार तक लंबित रखा गया था।सोमवार को विधान परिषद में अपने विदाई भाषण के दौरान कविता काफी आक्रामक नजर आईं। उन्होंने अपनी पूर्व पार्टी बीआरएस पर जमकर निशाना साधा और पार्टी की नीतियों की आलोचना की। भाषण के बाद, उन्होंने एक बार फिर सभापति सुखेंद्र रेड्डी से उनके इस्तीफे को तत्काल प्रभाव से स्वीकार करने का अनुरोध किया था।कविता के इस्तीफे की स्वीकृति के साथ ही अब राजनीतिक हलकों में उनके अगले कदम को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

राजस्व मंत्री पोंगुलेटी ने किया बड़ा ऐलान

मार्च से शुरू होगा उन्नत भू-भारती पोर्टल

हैदराबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने मंगलवार को घोषणा की कि भू-भारती पोर्टल मार्च में लॉन्च किया जाएगा और इसे पूरी तरह से जनता के लिए सुलभ बना दिया जाएगा। इस पोर्टल का उद्देश्य भूमि से संबंधित सेवाओं को बेहतर, पारदर्शी और समयबद्ध बनाना है। यह पोर्टल राजस्व, स्टाम्प एवं पंजीकरण, और सर्वेक्षण एवं भूमि रिकॉर्ड विभागों को एक ही एकीकृत मंच (प्लेटफॉर्म) पर लेकर आएगा।

जिलों और मंडलों का होगा तर्कसंगत पुनर्गठन

विधानसभा में बोलते हुए, श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि सरकार पिछली बीआरएस सरकार द्वारा किए गए जिलों, राजस्व मंडलों और डिवीजनों के अवैज्ञानिक पुनर्गठन को सुधारने पर विचार करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले पुनर्गठन के कारण ऐसी स्थितियां पैदा हुईं जहां एक ही विधानसभा क्षेत्र के मंडल अलग-अलग जिलों में चले गए। उन्होंने आश्वासन दिया कि इन विसंगतियों को दूर किया जाएगा और प्रशासनिक इकाइयों को तर्कसंगत रूप से पुनर्गठित किया जाएगा, जिसके लिए एक विशेष रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

एक ही स्थान पर मिलेगी कृषि और गैर-कृषि भूमि की पूरी जानकारी

नामपल्ली में तेलंगाना राजस्व कर्मचारी सेवा संघ की 2026 की डायरी जारी करने के बाद, मंत्री ने बताया कि भू-भारती पोर्टल को एक व्यापक और जन-हितैषी प्रणाली के रूप में डिजाइन किया गया है। इसमें कृषि और गैर-कृषि भूमि, बंदोबस्त संपत्ति (एपवुशपीं), वन भूमि, वक्फ भूमि और अन्य श्रेणियों का पूरा विवरण होगा। यह पहल दशकों से चले आ रहे भूमि विवादों को स्थायी रूप से हल करने के सरकार के प्रयासों का हिस्सा है।मंत्री ने सर्वेक्षण विभाग को किसानों की भूमि सुरक्षा की रीढ़ बताया और कहा कि सरकार इसे प्राथमिकता के आधार पर मजबूत कर रही है। उन्होंने बताया कि पहले ही 3,500 लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षकों को काम पर लगाया जा चुका है, और सर्वेक्षण प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए एक सप्ताह के भीतर 3,000 और सर्वेक्षकों की नियुक्ति की जाएगी।

इंदिरम्मा आवास योजना में विशेष वर्गों को मिलेंगे अतिरिक्त घर

हैदराबाद, 06 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अपना घर होने का सपना देख रहे गरीबों के लिए रेवंत सरकार ने एक बड़ा और संवेदनशील फैसला लिया है। सरकार ने प्रतिष्ठित मइंदिरम्मा आवास योजनाफ के तहत समाज के पिछड़े और विशेष वर्गों को प्राथमिकता देते हुए चालू वित्त वर्ष में 35,921 अतिरिक्त घर मंजूर किए हैं। इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिए गए हैं।सरकार के इस निर्णय का मुख्य उद्देश्य समाज के उन लोगों को सहारा देना है जो अक्सर भेदभाव का शिकार होते हैं या शारीरिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इन अतिरिक्त घरों का लाभ -स्वच्छता कर्मचारी, ट्रांसजेंडर, अनाथ, दिव्यांग, विधवाएं और खेतिहर मजदूर और आदिवासी।आदिवासी क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासियों के लिए सरकार ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए एक विशेष जीओ जारी किया है।

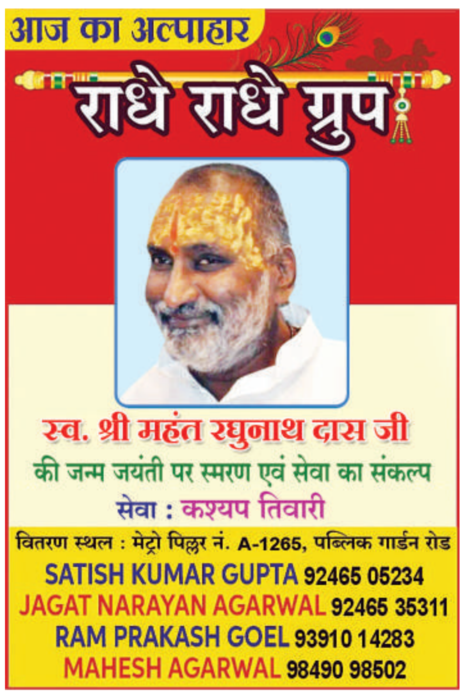

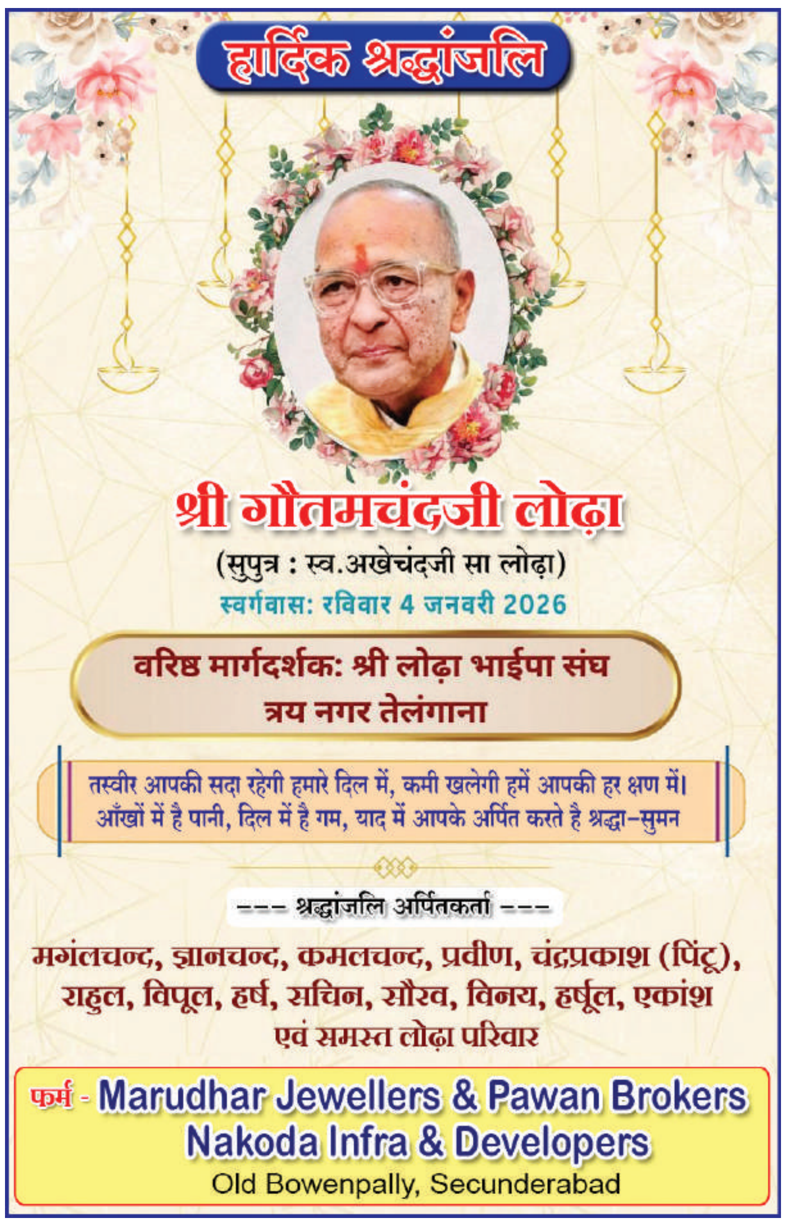

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.